सूर्योदय 6:28 सूर्यास्त 5:44

आज का तापमान

शिमला	12.2 न्यू	22.2 अधि
धर्मशाला	13.4 न्यू	26.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	73,710
निफ्टी	22,811

सोना 1,44,000 चांदी 2,06,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | वीरवार, 22 अक्तूबर 2026 | 6 कार्तिक, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 178, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

केन्या में धर्मगुरु दोषी करार स्वर्ग का सपना दिखाकर 190 बच्चों को भूखा मारा

एजेंसी, नैराबी। केन्या में धर्म के नाम पर बच्चों को भूखा रखकर मारने के मामले में धर्मगुरु पॉल मैकेंजी और उसके करीब 30 साथियों को दोषी ठहराया गया है। रॉयटर्स को मुताबिक, मैकेंजी ने लोगों से कहा था कि दुनिया खत्म होने से पहले भूखे रहने पर वे स्वर्ग पहुंच जाएंगे। इस मामले में 190 बच्चों और एक वयस्क की मौत हुई। अब सजा 6 नवंबर को सुनाई जाएगी। मैकेंजी जिस शाकाहोला जंगल में रहता था, पुलिस को वहां सामूहिक कब्रों की जानकारी मिली। इसके बाद शव निकालने का काम शुरू हुआ। अब तक यहां 400 से ज्यादा शव मिल चुके हैं। सोमवार को अदालत ने 191 मौतों के मामले में फैसला सुनाया, जबकि बाकी मौतों की जांच अभी जारी है।

यौन अपराधी एपस्टीन और मंत्री हरदीप पुरी की फोटो वायरल

एजेंसी, नई दिल्ली। अमेरिकी यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन के साथ पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी की कई तस्वीरें वायरल हैं। ये तस्वीरें इसलिए अहम मानी जा रही हैं, क्योंकि पुरी लगातार कहते रहे हैं वे एपस्टीन से केवल प्रतिनिधिमंडल के साथ मिले, अलग से कभी मुलाकात नहीं हुई। तस्वीरें सामने आने के बाद कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा- जब पुरी ने कहा था कि वे एपस्टीन से कभी अकेले नहीं मिले, तो इन तस्वीरों के क्या मायने हैं? टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा पुरी कहते थे कि वे एपस्टीन से तीन-चार बार डेलिगेशन के साथ मिले थे, दोनों तस्वीरों में बाकी सदस्य कहां थे।

टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग में अमृतसर से पहुंचे थे हथियार

एजेंसी, मुंबई। एक्टर टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग में इस्तेमाल हुए हथियार अमृतसर से लाए गए थे। मुंबई पुलिस ने बुधवार को यह दावा किया। पुलिस ने बताया कि हरियाणा में सोनीपत के कुणाल (21) और सुमित (19) ने लॉरेंस गैंग के मेंबर अनिल पंडित के निर्देश पर एक पिस्टल और 20 कारतूस जुटाए थे। उत्तर प्रदेश की राधा (23) और बबीता (23) नाम की दो महिलाओं ने इन्हें मुंबई तक पहुंचाया। दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को चारों को गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले, सोमवार को फायरिंग करने वाले तीन लोग कोटा से गिरफ्तार हुए थे। इनमें बिहार का ऋतिक, हरियाणा के रेहान और फूल सिंह शामिल थे।

एसबीआई के 4,000 ग्राहकों का डेटा लीक

एजेंसी, नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के करीब 4,000 ग्राहकों का डेटा डार्क वेब पर लीक हो गया है। बैंक ने डेटा लीक की जांच भी शुरू कर दी है। एसबीआई ने बुधवार को स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में इसकी जानकारी दी। बैंक ने बताया कि डार्क वेब पर लीक डेटा में से 3,897 कस्टमर रिकॉर्ड्स में पर्सनली आइडेंटिफिएबल इनफार्मेशन (पीआईआई) पाई गई है। पीआईआई यानी नाम, मोबाइल नंबर, ईमेल, पता, आधार या बैंक सीआईएफ नंबर जैसी डिटेल्स हैं।

देवभूमि कुल्लू में देवताओं का महाकुंभ, भगवान रघुनाथ की रथयात्रा के साथ दशहरा उत्सव शुरू

सैकड़ों देवी-देवताओं की मौजूदगी में लाखों लोगों ने खींचा रघुनाथ जी का रथ, राज्यपाल कविंद्र गुप्ता भी बने ऐतिहासिक देवयात्रा के साक्षी

धनेश गौतम, भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। विश्व प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव-2026 का बुधवार को भगवान रघुनाथ जी की भव्य रथयात्रा के साथ शुभारंभ हुआ। ढालपुर मैदान में आयोजित देव महाकुंभ में सैकड़ों देवी-देवताओं की उपस्थिति और लाखों श्रद्धालुओं की भागीदारी ने इस ऐतिहासिक आयोजन को भव्य बना दिया।

भगवान रघुनाथ जी के जयघोषों से कुल्लू घाटी गूंज उठी और देवभूमि का ढालपुर मैदान आस्था, श्रद्धा और देव संस्कृति के रंगों से सराबोर हो गया। हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने भी रथयात्रा में भाग लेकर इस अनूठी परंपरा के साक्षी बने। कुल्लू दशहरा की सदियों पुरानी परंपरा के अनुसार भगवान रघुनाथ जी ने अपनी सहस्त्र सेना के साथ लंका पर चढ़ाई की। मान्यता के अनुसार, सात दिवसीय उत्सव के दौरान रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के अंत से जुड़ी परंपराओं का निर्वहन किया जाएगा। इसी के साथ कुल्लू की अनूठी देव संस्कृति और लोक परंपराओं के इतिहास में एक और अध्याय जुड़ गया। रथयात्रा से पहले सुल्तानपुर स्थित भगवान रघुनाथ जी के मंदिर में सैकड़ों देवी-देवताओं ने शीश नवाया। इसके बाद कुल्लू राज परिवार की राज्य दात्री माता हिडिंबा देवी के राजमहल पहुंचने पर परंपरानुसार रथयात्रा की तैयारियों और देव परंपराओं का निर्वहन किया गया। माता हिडिंबा के राजमहल पहुंचने के बाद भगवान रघुनाथ जी को पालकी में विराजमान कर रथ मैदान तक लाया गया।



सोने-चांदी से सजे रथ पर विराजे रघुनाथ

रंग-बिरंगे परिधानों और सोने-चांदी के आभूषणों से सुसज्जित भगवान रघुनाथ जी के रथ में भगवान रघुनाथ, माता सीता, लक्ष्मण व हनुमान की प्रतिमाओं को विराजमान किया गया। इसके बाद विधिवत पूजा-अर्चना हुई व पारंपरिक वाद्ययंत्रों की गूंज के बीच रथयात्रा शुरू हुई। सैकड़ों देवी-देवताओं की मौजूदगी में श्रद्धालुओं ने रघुनाथ जी के रथ को खींचा। इस दौरान पूरा ढालपुर मैदान जय श्रीराम और भगवान रघुनाथ जी के जयघोषों से गूंजता रहा। रथयात्रा में शामिल होने के लिए प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु पहुंचे, जबकि देश-विदेश से आए पर्यटकों ने भी इस अनूठी देव परंपरा को करीब से देखा। देवी-देवताओं के सोने-चांदी से सुसज्जित रथ, पारंपरिक वेशभूषा और प्राचीन वाद्य यंत्रों की ध्वनि ने वातावरण को अलौकिक बना दिया। विदेशी पर्यटकों के साथ-साथ देश और विदेश के मीडिया प्रतिनिधियों ने भी इस ऐतिहासिक आयोजन को अपने कैमरों में कैद किया। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने उत्सव का शुभारंभ किया।

कश्मीर, नॉर्थ-ईस्ट व नक्सल प्रभावित इलाकों में शांति : शाह

2029 तक देश नशामुक्त बनाएंगे, नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में 3,600 जवानों ने दिया बलिदान

एजेंसी, नई दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा के सामने लंबे समय से चली आ रही तीन बड़ी चुनौतियों कश्मीर, नॉर्थ-ईस्ट और नक्सलवाद से प्रभावित इलाकों में अब शांति है। उन्होंने इन क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की कार्रवाई और प्रयासों की सराहना की।

शाह ने नशे के खिलाफ देशव्यापी अभियान चलाने की अपील करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 31 दिसंबर 2029 तक भारत को नशामुक्त बनाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए पुलिस बलों को मिलकर काम करना होगा। राष्ट्रीय पुलिस स्मृति दिवस पर दिल्ली स्थित राष्ट्रीय पुलिस स्मारक में शाह ने शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा में पुलिसकर्मियों का योगदान महत्वपूर्ण है और उनके बलिदान को हमेशा याद रखा जाएगा।

गृहमंत्री ने नशे के खिलाफ देशव्यापी मोटरसाइकिल रैली को किया रवाना



गृहमंत्री ने 'नशे के खिलाफ लड़ाई' का संदेश देने वाली देशव्यापी मोटरसाइकिल रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया। पुलिस स्मृति दिवस कार्यक्रम में संसद सदस्य कृष्ण प्रसाद टेनेटी, राजीव कुमार, केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, खुफिया ब्यूरो के निदेशक महेश दीक्षित, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के महानिदेशक शत्रुजीत कपूर सहित अन्य केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के महानिदेशक और कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद करीब आठ दशकों में देश आज विश्व में एक सम्मानजनक स्थान पर खड़ा है। इसकी नींव में हमारे वीर जवानों का बलिदान है। कोई कल्पना भी नहीं कर सकता कि यदि इन जवानों ने आंतरिक सुरक्षा और देश की सीमाओं की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान न दिया होता, तो आज हम कहां खड़े होते।

देश की अर्थव्यवस्था को नशे से नुकसान

शाह ने कहा कि नशे का कारोबार आने वाली पीढ़ियों को खोखला कर रहा है। इससे अर्थव्यवस्था पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है और देशविरोधी संगठनों को आर्थिक मदद मिलती है। शाह ने बताया कि आजादी के बाद से अब तक ड्यूटी के दौरान 36,852 पुलिसकर्मी जान गंवा चुके हैं। इनमें इस साल शहीद हुए 154 पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि शहीदों के परिवारों के नुकसान की भरपाई नहीं की जा सकती, लेकिन पूरा देश उनके बलिदान के प्रति आभारी है।

पैरा एशियन गेम्स भारत के मेडल्स की संख्या हुई 62

एजेंसी, नई दिल्ली। एशियाई पैरा खेल-2026 के तीसरे दिन भारत ने 27 पदक जीतकर तालिका में छठे से पांचवें स्थान पर छलांग लगाई। भारतीय खिलाड़ियों ने अब तक 14 स्वर्ण, 22 रजत और 26 कांस्य सहित कुल 62 पदक अपने नाम किए हैं। तीसरे दिन भारतीय खिलाड़ियों ने खेलों के नए रिकॉर्ड बनाए, व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और गोला फेंक की एक स्पर्धा में तीनों पदक जीतकर अपना दबदबा कायम किया। गोला फेंक की पुरुष एफ-46 स्पर्धा में भारत ने तीनों पदक जीतकर इतिहास रचा। सचिन खिलारी ने अपने पहले ही प्रयास में 15.79 मीटर की दूरी तय कर स्वर्ण पदक जीता और खेलों का नया रिकॉर्ड बनाया। उनके सभी प्रयास 15 मीटर से अधिक के रहे। मोहम्मद यासिर ने 15.06 मीटर के सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ रजत, जबकि प्रवीण ने 13.83 मीटर के प्रयास से कांस्य पदक जीता। पुरुष एफ-53 गोला फेंक में आयुष वर्मा ने 8.16 मीटर की दूरी के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया।

साइमन टाउन में पूरा हुआ भारत-ब्राजील व दक्षिण अफ्रीका के बीच समुद्री अभ्यास



एजेंसी, नई दिल्ली। भारत-ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका के बीच समुद्री अभ्यास दक्षिण अफ्रीका के साइमन टाउन में पूरा हो गया। इस अभ्यास के जरिए भारतीय, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीकी नौसेनाएं पेशेवर बातचीत और समुद्री विकास की विस्तृत श्रृंखला बढ़ाने के लिए एक साथ आईं, जिसका उद्देश्य इंटरऑपरेबिलिटी को बढ़ाना, परिचालन सहयोग को मजबूत करना और तीन समुद्री बलों के बीच अधिक आपसी समझ को बढ़ावा देना था।

दक्षिण अफ्रीका के साइमन टाउन में दस दिनों से चल रहे इस समुद्री अभ्यास का समापन बंदरगाह और समुद्री चरण के साथ खत्म हुआ। इसमें हिस्सा लेने वाले नौसैनिकों ने प्रोफेशनल एक्सचेंज, ऑपरेशनल बातचीत और जॉइंट ट्रेनिंग में हिस्सा लिया, जिससे उन्हें समुद्र में एक-दूसरे के प्रोसेस, काबिलियत और ऑपरेशन के तरीकों के बारे में जानकारी मिली। इन गतिविधियों में हिस्सा लेने वाली नौसेनाओं के बीच जान-पहचान और भरोसा बनाने में मदद मिली, जिससे वे समुद्री इलाके में बेहतर तालमेल के साथ मिलकर काम कर सकें। समापन समारोह में इकट्ठा हुए लोगों को संबोधित करते हुए भारतीय युद्धपोत आईएनएस तरकश के कमांडिंग ऑफिसर ने बताया कि इस तरह के समुद्री अभ्यास लंबे समय से चले आ रहे कूटनीतिक रिश्तों को नौसेना सहयोग में बदलने के लिए एक खास प्लेटफॉर्म देते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसी एक्सरसाइज की असली ताकत न सिर्फ समुद्र में जॉइंट डेवलपमेंट करने में है, बल्कि शेयर्ड एक्सपीरियंस, प्रोफेशनल एक्सचेंज और आपसी सीख से लोगों के बीच बने रिश्तों में भी है।

जनसंघ से भाजपा तक का मंत्र राष्ट्र प्रथम : नितिन

कहा- डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने रखी राष्ट्रवादी राजनीति की नींव

भारतेन्दु संवाददाता, नई दिल्ली। भारतीय जनसंघ के 75 वर्ष पूरे होने पर बुधवार को गोल मार्केट में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि 21 अक्तूबर, 1951 को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कमल के निशान के साथ जिस दीप को जलाया था, वह आज विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी का सूर्य बन गया है।

जनसंघ से भाजपा तक की इस यात्रा का मूल मंत्र राष्ट्र प्रथम रहा है। 75 वर्ष की इस यात्रा का संकल्प ''त्याग से शिखर तक'' रहा और अब लक्ष्य 2047 तक विकसित भारत का निर्माण है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद देश में दो विचारधाराएं थीं। सत्ता में रहने वाली विचारधारा भारत को पश्चिम का अनुकरण करने की पक्षधर थी, जबकि दूसरी भारत की आत्मा, संस्कृति और गौरव के अनुरूप विकास चाहती थी। डॉ. मुखर्जी ने दूसरी विचारधारा को राजनीतिक स्वर देते हुए जनसंघ की स्थापना की। उन्होंने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 1953 में कश्मीर में निधन और 1968 में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की मुगलसराय में हुई रहस्यमय मृत्यु का उल्लेख करते हुए कहा कि इन घटनाओं के बावजूद संगठन की यात्रा नहीं रुकी। इस अवसर पर दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा सहित अन्य नेता उपस्थित थे।



जनसंघ से भाजपा तक की यात्रा कार्यकर्ताओं के त्याग का परिणाम : सीएम रेखा गुप्ता

राम मंदिर निर्माण और तीन तलाक के विरुद्ध कानून को भी उन्होंने जनसंघ की वैचारिक यात्रा की उपलब्धियों के रूप में गिनाया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि जनसंघ से भाजपा तक की 75 वर्षों की यात्रा असंख्य कार्यकर्ताओं के त्याग, तपस्या और समर्पण का परिणाम है। कभी दो संसदीय सीटों से शुरुआत करने वाली भाजपा आज देश की राजनीति में महत्वपूर्ण स्थान रखती है।

सीजेपी नेता सौरव-आशुतोष को सात दिन बाद जमानत

एजेंसी, नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के नेता सौरव दास और आशुतोष रांका को 7 दिन बाद दिल्ली की स्पेशल कोर्ट से जमानत मिल गई है। दोनों को 13 अक्तूबर को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया था। 8-10 सीजेपी समर्थकों के साथ दोनों नेता तिरंगा लेकर वहां पहुंचे थे। 12 अक्तूबर को सरकार ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने पर रोक लगा दी। इसके बावजूद 13 अक्तूबर को दोनों नेता तिरंगा लेकर वहां पहुंच गए। शांति नियम तोड़ने के आरोप में उन्हें 5 दिन के लिए जेल भेजा गया था। फिर 19 अक्तूबर को उनकी हिरासत 2 दिन और बढ़ा दी गई थी। इससे पहले बुधवार को ही दिल्ली हाईकोर्ट ने इस मामले में दखल देने से मना कर दिया। कोर्ट ने कहा था कि नेता पहले मजिस्ट्रेट का फैसला आने दें, फिर जरूरत पड़ने पर ऊपरी अदालत का दरवाजा खटखटाएं।

पुलिस में 1,600 पदों पर जल्द शुरू होगी भर्ती थानों का बजट होगा दोगुना : मुख्यमंत्री धामी

एजेंसी, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर राज्य पुलिस की विभिन्न इकाइयों में करीब 1,600 रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया जल्द शुरू करने की घोषणा की। उन्होंने थानों के वार्षिक बजट को चार करोड़ रुपए से बढ़ाकर आठ करोड़ रुपए करने सहित पुलिस विभाग के सुदृढ़ीकरण और कर्मियों के कल्याण के लिए आठ घोषणाएं कीं।

देहरादून स्थित पुलिस लाइन में पुलिस स्मृति दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने पुलिस और अर्धसैनिक बलों के बलिदानी जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की और बलिदानी पुलिसकर्मियों के परिजनों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा में पुलिस व अर्धसैनिक बलों की महत्वपूर्ण भूमिका है। पिछले एक वर्ष में देशभर में 154 जवानों ने कर्तव्य पालन के दौरान अपने प्राण न्योछावर किए, जिनमें उत्तराखंड पुलिस के उपनिरीक्षक विनोद कुमार भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि शहीद जवानों का त्याग और साहस पूरे देश के लिए गौरव का विषय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस थानों और चौकियों में कार्मिकों की आवश्यकता के अनुरूप पदों और व्यवस्थाओं की समीक्षा की जाएगी। विवेचकों को आधुनिक जांच किट उपलब्ध कराने के साथ ही प्रदेश के सभी पुलिस मॉडर्न स्कूलों को बेहतर बनाया जाएगा। इसके अलावा देहरादून में पुलिसकर्मियों के लिए ट्रांजिट हॉस्टल और बहुमंजिला बैरक का निर्माण तथा पुलिस अस्पताल का उच्चीकरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मी त्योहारों पर भी परिवारों से दूर रहकर लोगों की सुरक्षा में जुटे रहते हैं। उत्तराखंड की भौगोलिक परिस्थितियों और आपदाओं के दौरान पुलिस की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है।



पुलिस स्मृति दिवस पर सीएम ने की आठ घोषणाएं

संवेदनशील व्यवहार के साथ करें हर पीड़ित की सहायता : मुख्यमंत्री योगी

एजेंसी, गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन का आयोजन किया। लोगों से मुलाकात की, उनकी समस्याएं सुनीं और निस्तारण के लिए अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि सबकी समस्या का समाधान करते हुए जन कल्याण और नागरिकों के जीवन में खुशहाली लाना सरकार का संकल्प है।

सरकार के इस संकल्प के अनुरूप हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार करते हुए समस्याओं का निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री ने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक वह खुद पहुंचे और एक-एक कर सबकी समस्याएं सुनीं। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए संकल्पित है।



जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। यदि जमीन जायदाद से जुड़ा विवाद पारिवारिक हो तो संबंधित पक्षों को बैठाकर आपसी संवाद से निस्तारण कराया जाए। राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को मुख्यमंत्री ने पूरी पारदर्शिता व निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी मदद की जाए।

सुविधा मुख्यमंत्री सुक्खू ने शिमला के संजौली से रामपुर के लिए हेलीकॉप्टर सेवा का किया शुभारंभ

हमीरपुर, चंबा व पालमपुर के लिए 4 माह में शुरू होगी हेलीकॉप्टर सेवा

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने रामपुर प्रवास के दौरान किया वायदा निभाते हुए शिमला के संजौली से रामपुर के लिए हेलीकॉप्टर सेवा का शुभारंभ किया।

क्षेत्रीय संपर्क योजना उड़ान के अंतर्गत आरंभ हेली-हॉप हिमाचल हेलीकॉप्टर सेवा सप्ताह में तीन दिन उपलब्ध होगी। इस सेवा के तहत हेलीकॉप्टर प्रात: 9:55 बजे संजौली से उड़ान भरेगा और 10:30 बजे रामपुर पहुंचेगा। इसके बाद प्रात: 10:50 बजे रामपुर से रिकांगपिओ के लिए उड़ान होगी जो 11:25 बजे पहुंचेगी। वापसी में रिकांगपिओ से प्रात: 11:30 बजे उड़ान होगी और दोपहर 12:05 बजे हेलीकॉप्टर रामपुर पहुंचेगा। इसके बाद 12:10 बजे रामपुर से संजौली के लिए उड़ान होगी और दोपहर 12:45 बजे संजौली पहुंचेगी। यह सेवा सप्ताह में 3 दिन सोमवार, शुक्रवार और शनिवार को उपलब्ध होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार हमीरपुर, चंबा और पालमपुर के लिए चार माह में हेलीकॉप्टर सेवा शुरू करेगी।



उन्होंने कहा कि यह पहल महज एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचने का साधन नहीं, बल्कि पहाड़ों में बदलते वक्त, नई सोच और विकास की असीम संभावनाओं का प्रतीक है। इससे सफर का समय कम होगा, पर्यटन को नई गति मिलेगी, स्थानीय कारोबार को प्रोत्साहन मिलेगा और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने हिमाचल के हर कोने को हेलीकॉप्टर सेवा से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया है। लोगों को सुगम, सहज और समयबद्ध संपर्क सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए दृढ़ता से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिमला में हवाई कनेक्टिविटी को और सुदृढ़ करने के लिए जमीन चिन्हित करने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि हवाई सेवाओं का विस्तार किया जा सके। सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि इन उड़ानों के लिए व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण की पूरी राशि राज्य सरकार वहन कर रही है। इस पर सरकार द्वारा लगभग 35.70 लाख रुपए प्रतिमाह खर्च किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'हम प्रदेश में सभी जिला मुख्यालयों सहित कुल 16 हेलीपोर्ट के निर्माण और विकास पर भी काम कर रहे हैं, ताकि हवाई परिवहन सुविधाओं का और विस्तार किया जा सके।'

गग्गल हवाई अड्डे के विस्तार के लिए 2400 करोड़ वितरित, सभी जिला मुख्यालय जुड़ेंगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार कांगड़ा स्थित गग्गल हवाई अड्डे के विस्तार के लिए भी दृढ़ता से कार्य कर रही है। प्रदेश सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण के लिए अपने स्रोतों से 2400 करोड़ रुपए की राशि लोगों को वितरित की जा चुकी है। लोगों को पुनर्वास के लिए भी राशि उपलब्ध करवाई गई है। इस हवाई अड्डे के विस्तार के बाद इसे हेलीकॉप्टर सेवा के माध्यम से सभी जिला मुख्यालयों को जोड़ने के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करने में मदद भी मिलेगी। उन्होंने कहा कि हमारी सोच स्पष्ट है कि हिमाचल के दूरदराज क्षेत्रों को बेहतर संपर्क सुविधाओं से जोड़ें, लोगों का समय बचाएं और विकास के अवसरों को हर क्षेत्र तक पहुंचाया जाए।

मंत्री रोहित ठाकुर ने 90 लाख की गेओटा सड़क का लोकार्पण कर विकास को दी गति

रोहित ठाकुर ने सड़क निर्माण के साथ शिक्षा और ग्रामीण विकास पर दिया जोर

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता , शिमला। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने रोहडू उपमंडल की ग्राम पंचायत धराड़ा के गेओटा गांव के लिए लगभग 90 लाख रुपये की लागत से निर्मित दो किलोमीटर लंबे संपर्क मार्ग का लोकार्पण किया। इस सड़क के बनने से स्थानीय लोगों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलेगी और कृषि एवं बागवानी गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। इस दौरान उन्होंने सड़क का निरीक्षण कर निर्माण कार्य की स्थिति का जायजा भी लिया।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। सड़कें ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती और विकास का प्रमुख आधार हैं। उन्होंने बताया कि जुब्बल-नावर-कोटखाई विधानसभा क्षेत्र में वर्तमान सरकार के कार्यकाल के दौरान 203 सड़कों को स्वीकृति दी गई है। इनमें प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 29 और अन्य योजनाओं के अंतर्गत 17 सड़कें शामिल हैं। इस प्रकार कुल 46 सड़कों को स्वीकृति मिली है। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास ग्रामीण क्षेत्रों को बेहतर सड़क सुविधा उपलब्ध करवाने के साथ पुरानी सड़कों को भी चरणबद्ध तरीके से पक्का करना है।



रोहित ठाकुर ने गुणवत्तापूर्ण निर्माण के दिए निर्देश।

रोहित ठाकुर ने कहा कि सीमित वित्तीय संसाधनों के बावजूद प्रदेश सरकार विकास कार्यों को गति दे रही है। राजस्व घाटा अनुदान बंद होने, पुरानी पेंशन योजना लागू होने के बाद ऋण सीमा में कटौती, जीएसटी मुआवजे से जुड़ी चुनौतियों और प्राकृतिक आपदाओं के कारण राज्य के संसाधनों पर दबाव बढ़ा है। इसके बावजूद जनहित से जुड़ी योजनाओं और विकास परियोजनाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। मंत्री ने विधायक प्राथमिकता के तहत निर्माणाधीन शरौंथा-कराली-कांगर-कलगौंटीर संपर्क सड़क का भी निरीक्षण किया। करीब 6.2 किलोमीटर लंबी इस सड़क पर लगभग 7 करोड़ 33 लाख रुपये खर्च किए जा रहे हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में प्रदेश की उपलब्धियां

शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और शिक्षण संस्थानों में सुविधाओं के विस्तार के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण में हिमाचल प्रदेश ने 21वें स्थान से तीसरा स्थान हासिल किया है, जबकि प्रदर्शन श्रेणी सूचकांक में प्रदेश 18वें स्थान से पांचवें स्थान पर पहुंचा है। उन्होंने शत-प्रतिशत साक्षरता को भी शिक्षा क्षेत्र में किए गए प्रयासों का परिणाम बताया। इस दौरान मंत्री ने गेओटा-खलाई संपर्क सड़क के निर्माण की मांग पर सकारात्मक पहल करने का आश्वासन दिया। पशु चिकित्सालय भवन के निर्माण के प्रस्ताव को आगामी बजट में शामिल करवाने के लिए भी प्रयास करने की बात कही। शिक्षा मंत्री ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय शरौंथा के निर्माणाधीन भवन का निरीक्षण किया। लगभग 3 करोड़ 40 लाख रुपये की लागत से बन रहे इस भवन का करीब 50 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण में गुणवत्ता बनाए रखने और भवन का कार्य अप्रैल 2027 तक पूरा करने के निर्देश दिए।

शहीदों के सम्मान में हिमाचल पुलिस ने झुकाया शीश

भराड़ी पुलिस मैदान में समारोह, शहीदों के बलिदान और परिवारों के त्याग को किया याद

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश पुलिस ने बुधवार को शिमला के भराड़ी स्थित पुलिस मैदान में पुलिस स्मृति दिवस पूरे सम्मान और गंभीरता के साथ मनाया। इस अवसर पर देश और प्रदेश के नागरिकों की सुरक्षा, सम्मान तथा जीवन की रक्षा करते हुए कर्तव्य निर्वहन के दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर पुलिस जवानों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। समारोह का नेतृत्व पुलिस महानिदेशक अशोक तिवारी ने किया। इसमें पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों, विभिन्न इकाइयों के अधिकारियों और जवानों ने भाग लिया।



डीजीपी अशोक तिवारी ने शहीद परिवारों के सम्मान और कल्याण पर दिया जोर

समारोह के दौरान सशस्त्र सलामी, औपचारिक परेड, शहीद पुलिसकर्मियों के नामों का वाचन और पुष्पचक्र अर्पित करने की रस्में निभाई गईं। शहीदों के सम्मान में दो मिनट का मौन रखकर उनके अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा और बलिदान को याद किया गया। इस दौरान उन परिवारों के त्याग और पीड़ा को भी स्मरण किया गया, जिन्होंने देश और समाज की सुरक्षा के लिए अपने प्रियजनों को खोया है।

हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल ने अपने संदेश में पुलिस शहीदों को नमन करते हुए कानून-व्यवस्था बनाए रखने और राष्ट्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जोखिम उठाकर कर्तव्य निभाने वाले पुलिसकर्मियों के साहस और समर्पण की सराहना की। उन्होंने शहीदों के परिवारों के धैर्य और त्याग को भी नमन किया।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने अपने संदेश में कहा कि कर्तव्य निभाते हुए प्राण न्योछावर करने वाले वीर जवानों का बलिदान सदैव प्रेरणा देता रहेगा। उन्होंने एक पेशेवर, संवेदनशील, उत्तरदायी और जनहितैषी पुलिस बल की आवश्यकता पर जोर दिया, जो प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हो।

डीजीपी अशोक तिवारी ने कहा कि शहीदों के प्रत्येक नाम के पीछे साहस से भरा जीवन, अपूरणीय क्षति सहने वाला परिवार और ऐसा बलिदान है, जिसकी भरपाई कभी नहीं की जा सकती। इन वीरों ने वर्दी के सर्वोच्च आदर्शों को अपने जीवन में उतारा और दूसरों की सुरक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। उन्होंने शहीदों के परिवारों को नमन करते हुए कहा कि जहां राष्ट्र अपने वीरों को गर्व और सम्मान के साथ याद करता है, वहीं उनके परिवार हर दिन उनके बिछड़ने का दर्द सहते हैं। ऐसे में शहीद परिवारों का कल्याण, सम्मान और गरिमा सुनिश्चित करना पुलिस संगठन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल रहना चाहिए।

21 अक्टूबर को मनाया जाता है पुलिस स्मृति दिवस

पुलिस स्मृति दिवस प्रत्येक वर्ष 21 अक्टूबर को मनाया जाता है। यह दिवस वर्ष 1959 में लद्दाख के हॉट स्प्रिंग्स में चीनी सैनिकों के हमले में शहीद हुए 10 केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) जवानों की स्मृति में शुरू हुआ था। बाद में यह राष्ट्र की सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले सभी पुलिसकर्मियों के सम्मान का प्रतीक बन गया। डीजीपी ने कहा कि शहीदों को याद करना केवल उनके बलिदान का स्मरण करना नहीं, बल्कि उन आदर्शों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराना भी है, जिनके लिए उन्होंने जीवन समर्पित किया।

शिमला में अवैध पटाखा कारोबार पर प्रशासन सख्त

त्योहारों पर अवैध पटाखों की बिक्री रोकने को शिमला में विशेष टीमें गठित

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। त्योहारों के दौरान पटाखों और आतिशबाजी के अवैध परिवहन, भंडारण तथा बिक्री पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। जिला दंडाधिकारी अनुपम कश्यप ने इस संबंध में आदेश जारी कर तहसील और उपतहसील स्तर पर संयुक्त निरीक्षण समितियों का गठन किया है। ये समितियां अपने क्षेत्रों में निरीक्षण कर नियमों का पालन सुनिश्चित करेंगी।

संयुक्त निरीक्षण समितियों की अध्यक्षता संबंधित तहसीलदार करेंगे। इनमें नायब तहसीलदार, थाना प्रभारी, अग्निशमन विभाग, हिमाचल प्रदेश राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, राज्य कर एवं आबकारी विभाग, नगर निकायों अथवा पंचायती राज संस्थानों और राजस्व विभाग के प्रतिनिधि शामिल होंगे। आवश्यकता पड़ने पर उपमंडलाधिकारी अन्य अधिकारियों को भी विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में शामिल कर सकेंगे। संबंधित उपमंडलाधिकारी समितियों के कामकाज की निगरानी और समन्वय करेंगे। पुलिस अधीक्षक शिमला को जिला के प्रमुख प्रवेश मार्गों, सीमावर्ती क्षेत्रों, राष्ट्रीय राजमार्गों और अंतरजिला मार्गों पर विशेष जांच नाके तथा मोबाइल निरीक्षण दल स्थापित करने के निर्देश दिए गए हैं। इन स्थानों पर पटाखे ले जाने वाले वाहनों के विस्फोटक लाइसेंस, परिवहन परमिट, जीएसटी बिल, ई-वे बिल, सामग्री के स्रोत एवं गंतव्य और परिवहन की जा रही मात्रा की जांच होगी। सुरक्षा मानकों की भी पड़ताल की जाएगी। वैध दस्तावेजों के बिना पटाखे ले जाने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

बाजारों और अस्पतालों के आसपास पटाखा बिक्री पर प्रशासन की पैनी नजर

संयुक्त निरीक्षण समितियां पटाखों की बिक्री एवं भंडारण के लाइसेंस की वैधता जांचेंगी। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि आतिशबाजी केवल स्वीकृत और लाइसेंस प्राप्त परिसरों में ही रखी जाए। अग्निशमन उपकरणों, आपातकालीन व्यवस्थाओं, पर्यावरणीय मानकों और निर्धारित भंडारण क्षमता की भी जांच होगी। अवैध कारोबार सामने आने पर संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई के लिए रिपोर्ट भेजी जाएगी।

प्रशासन ने बिना अनुमति सड़क किनारे अस्थायी दुकानों और मोबाइल बिक्री केंद्रों पर पटाखे बेचने पर रोक सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। रात के समय पटाखों की थोक आवाजाही पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। बाजारों, भीड़भाड़ वाले शहरी क्षेत्रों, आवासीय कॉलोनियों, शिक्षण संस्थानों और अस्पतालों के आसपास औचक निरीक्षण किए जाएंगे। जन शिकायतों पर भी त्वरित कार्रवाई होगी। नियम तोड़ने वालों पर होगी कानूनी कार्रवाई

नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध विस्फोटक अधिनियम, 1884, विस्फोटक नियम, 2008 और अन्य संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी। सक्षम प्राधिकारी अवैध पटाखों का भंडार जब्त करने, परिसर सील करने, लाइसेंस निलंबित या रद्द करने और दोषियों के खिलाफ अभियोजन की कार्रवाई कर सकेंगे।

निरीक्षण रिपोर्ट देना अनिवार्य

संयुक्त निरीक्षण समितियों को निरीक्षण शुरू होने के तीन दिनों के भीतर प्रारंभिक रिपोर्ट संबंधित उपमंडलाधिकारी को सौंपनी होगी। इसके बाद त्योहारों के दौरान प्रत्येक सोमवार को साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। इसमें नियमों के उल्लंघन, जब्ती, अभियोजन और निवारक कार्रवाई का विवरण शामिल रहेगा। उपमंडलाधिकारी इन रिपोर्टों को संकलित कर उपायुक्त कार्यालय को भेजेंगे। जिला प्रशासन ने सभी संबंधित अधिकारियों को आदेशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

मैनेजमेंट इकोज 2.0 में विद्यार्थियों ने बिखेरे सांस्कृतिक रंग



भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। वल्लभ राजकीय महाविद्यालय मंडी के बीबीए विभाग की ओर से आयोजित दो दिवसीय वार्षिक उत्सव मैनेजमेंट इकोज 2.0 का पहला दिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों के नाम रहा। विद्यार्थियों ने नृत्य, गायन और मनोरंजक प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम की शुरुआत शास्त्रीय नृत्य से हुई। इसके बाद लोकनृत्य, बॉलीवुड डांस, पंजाबी प्रस्तुतियों और गायन ने समां बांधा। विद्यार्थियों की बॉयज फनी डांस प्रस्तुति विशेष आकर्षण रही। वहीं, पारंपरिक पहाड़ी नाटी के माध्यम से हिमाचली संस्कृति की झलक देखने को मिली। शाम को अर्चित बिष्ट, नितिन संतोषी और कबीर की प्रस्तुतियों ने विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाया। बीबीए विभाग की प्राध्यापिका डॉ. प्रवीण सोंखला के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में प्राध्यापिका परिणिता और सपना ने सहयोग दिया।

भाजपा के गुट गिनाने के बजाय अपनी सरकार की उपलब्धियां बताएं सुक्खू: जयराम ठाकुर

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें भाजपा के गुट गिनाने के बजाय अपनी पार्टी और सरकार को संभालने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री न तो सरकार और मंत्रिमंडल संभाल पा रहे हैं और न ही पार्टी को एकजुट रख पा रहे हैं। प्रदेश में विकास कार्यों से लेकर जनहित से जुड़े काम तक ठप पड़े हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री एक कल्याणकारी राज्य चलाने के बजाय शुल्क वसूलने वाली सरकार चला रहे हैं और प्रदेश की जनता की समस्याओं से ध्यान हटाने के लिए इधर-उधर की बातें कर रहे हैं।

शिमला से जारी बयान में जयराम ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री लंबे समय से गुटबाजी की राजनीति करते आए हैं और अब भी उनकी सरकार एक ही गुट तक सीमित दिखाई देती है। उन्होंने

प्रदेश की बदहाली, स्वास्थ्य सेवाओं और नशे के मुद्दे पर सुक्खू सरकार को घेरा

आरोप लगाया कि मंत्रिमंडल को दरकिनार कर मित्रमंडल के माध्यम से सरकार चलाई जा रही है। मुख्यमंत्री को भाजपा के पांच गुट गिनाने के बजाय अपने कार्यकाल के चार वर्षों के दौरान किए गए विकास कार्यों का हिसाब जनता के सामने रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार के पास उपलब्धियां गिनाने के लिए कुछ नहीं है, इसलिए भाजपा की योजनाओं और संस्थानों का जिक्र करके अपनी नाकामियों से ध्यान हटाने का प्रयास किया जा रहा है।

जयराम ठाकुर ने उड़ान योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि यह केंद्र सरकार की योजना है, जिसमें केंद्र का महत्वपूर्ण योगदान रहता है। उन्होंने कहा कि योजना के तहत हवाई सेवाएं शुरू करने में व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण का बड़ा हिस्सा केंद्र सरकार उपलब्ध करवाती है, जबकि राज्य सरकार का योगदान अपेक्षाकृत कम होता है। इसके बावजूद मुख्यमंत्री केंद्र सरकार के योगदान को स्वीकार करने और उसका आभार जताने से बच रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को सामान्य शिष्टाचार निभाते हुए केंद्र सरकार का धन्यवाद करना चाहिए। जयराम ठाकुर ने दावा किया कि हिमाचल प्रदेश में स्वास्थ्य, शिक्षा और ग्रामीण विकास सहित विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे कार्यों के लिए केंद्र सरकार से मिलने वाली आर्थिक सहायता महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

नेता प्रतिपक्ष ने प्रदेश सरकार पर अराजकता और भ्रष्टाचार को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए कहा कि आपदा में क्षतिग्रस्त हुई सड़कें अब तक पूरी तरह बहाल नहीं हो पाई हैं। प्रदेश में नशे की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है, जबकि स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति भी चिंताजनक है।

भरवाई स्कूल में सात दिवसीय एनएसएस शिविर शुरू

भरवाई स्कूल में 30 स्वयंसेवियों ने सात दिवसीय एनएसएस शिविर में लिया हिस्सा

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, भरवाई, ऊना। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला भरवाई में बुधवार को राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) का सात दिवसीय विशेष आवासीय शिविर शुरू हुआ। इसका शुभारंभ उपनिदेशक स्कूल शिक्षा (गुणवत्ता) एवं जिला परियोजना अधिकारी नीरज गर्ग और प्रधानाचार्य निर्मल कुमार ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान छात्राओं ने सरस्वती वंदना और स्वागत गीत प्रस्तुत किया। शिविर में जमा दो कक्षा के 30 स्वयंसेवी भाग ले रहे हैं। इस वर्ष शिविर की थीम नशा एवं टीबी मुक्त युवा रखी गई है। कार्यक्रम अधिकारी सुनील कुमार और सुरेश कुमारी के नेतृत्व में आयोजित शिविर में स्वयंसेवियों को अनुशासन, समाज सेवा और एनएसएस के उद्देश्यों की जानकारी दी जाएगी। सात दिनों तक विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ भी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करेंगे।



विद्यार्थियों को समाजसेवा और अनुशासन का पाठ पढ़ाएंगे विशेषज्ञ अधिकारी

इससे पहले उपनिदेशक नीरज गर्ग ने स्कूल का निरीक्षण कर शैक्षणिक गतिविधियों और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने उपस्थिति रजिस्टर सहित विभिन्न अभिलेखों की जांच की। स्कूल में सफाई व्यवस्था और रिकॉर्ड संतोषजनक पाए गए। उन्होंने कक्षाओं में विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी शैक्षणिक जानकारी परखी और शिक्षकों को शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों में प्रतिभा और आत्मविश्वास की कमी नहीं है। जरूरत उनकी क्षमताओं को निखारने की है। उन्होंने खेल मैदान, पुस्तकालय, वाद्य यंत्रों और कंप्यूटर प्रयोगशालाओं के संसाधनों को साझा करने पर जोर दिया। साथ ही प्रयोगशाला गतिविधियां बढ़ाने और जरूरत पड़ने पर दूसरे स्कूलों से शिक्षकों की सेवाएं लेने के निर्देश दिए। इस मौके पर प्रधानाचार्य निरीक्षण संवर्ग जसवंत सिंह, प्रवक्ता संजीव, टीजीटी मोहित कुमार सहित स्कूल का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

जलवायु-अनुकूल खेती से खाद्य सुरक्षा मजबूत करने पर वैज्ञानिक करेंगे मंथन

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता , शिमला। भाकृअनुप-केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला में 22 और 23 अक्टूबर को जलवायु सहनशीलता, खाद्य सुरक्षा एवं सतत कृषि के लिए अगली पीढ़ी की पादप स्वास्थ्य रणनीतियों पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की जाएगी। इसमें देशभर के कृषि वैज्ञानिक, शोधकर्ता, शिक्षाविद्, विद्यार्थी और कृषि उद्योग के प्रतिनिधि जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों तथा फसल रोगों की रोकथाम पर विचार-विमर्श करेंगे।

संगोष्ठी के संयोजक डॉ. संजीव शर्मा ने बताया कि इसका आयोजन विभिन्न कृषि एवं पादप रोग विज्ञान संस्थाओं के सहयोग से किया जा रहा है। उद्घाटन समारोह में महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर के पूर्व कुलपति डॉ. एसएस चाहल मुख्य अतिथि होंगे। उत्तर बंग कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. स्वरूप कुमार चक्रवर्ती और नौणी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एचएस बावेजा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

संगोष्ठी में जलवायु परिवर्तन से बढ़ते पादप रोगों, आणविक निदान, जैविक नियंत्रण, रोग प्रतिरोधी फसल किस्मों और पर्यावरण-अनुकूल फसल संरक्षण तकनीकों पर चर्चा होगी। कार्यक्रम में विशेषज्ञ व्याख्यान, तकनीकी सत्र, शोध पत्र प्रस्तुतियां और वैज्ञानिक पुरस्कार सत्र भी आयोजित किए जाएंगे। संस्थान के निदेशक डॉ. ब्रजेश सिंह ने बताया कि किसान, उद्योग, शोधकर्ता और नीति निर्माता संवाद कार्यक्रम के माध्यम से वैज्ञानिक अनुसंधान को खेतों तक पहुंचाने पर जोर दिया जाएगा। इससे किसानों को नवीन कृषि तकनीकों का लाभ दिलाने और टिकाऊ खेती को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी।आयोजन सचिव डॉ. संतोष वाटपाडे के अनुसार, देश के विभिन्न राज्यों के वैज्ञानिक और शोधकर्ता अपने शोध निष्कर्ष प्रस्तुत करेंगे। संगोष्ठी का उद्देश्य कृषि उत्पादकता बढ़ाने, फसलों को जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से बचाने और किसानों की आजीविका मजबूत करने के लिए प्रभावी समाधान तलाशना है।

जुब्बल में हत्या कर हादसे का रूप देने की कोशिश, नेपाल भागते दो आरोपी गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश के जुब्बल में पुलिस ने हत्या के मामले को सुलझाते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी नेपाल के निवासी हैं और वारदात के बाद नेपाल भागने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस ने उन्हें शिमला स्थित अंतरराज्यीय बस अड्डे (आईएसबीटी) से गिरफ्तार किया। मामले में आगामी जांच जारी है।

पुलिस के अनुसार, 18 अक्टूबर की रात साहिल अपने साथियों के साथ हटकोटी से मंडोल की ओर जा रहे थे। इस दौरान दोची के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग-705 पर एक व्यक्ति खून से लथपथ हालत में मिला। पुलिस और एंबुलेंस के मौके पर पहुंचने पर व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया गया। घटनास्थल के निरीक्षण के दौरान सड़क से नीचे नाले की ओर जाने वाले कच्चे रास्ते पर भी खून के निशान मिले। इसके बाद पुलिस थाना जुब्बल में 19 अक्टूबर को हत्या का मामला दर्ज किया गया।



शराब पीने के दौरान झगड़ा बना हत्या की वजह पुलिस ने सुलझाई गुत्थी

मृतक की पहचान 33 वर्षीय धीरेन्द्र थापा निवासी नेपाल के रूप में हुई, जो जुब्बल क्षेत्र में मजदूरी करते थे। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और स्थानीय स्तर पर जानकारी जुटाई। जांच में सामने आया कि घटना से पहले मृतक और दोनों आरोपी एक साथ बैठकर शराब पी रहे थे। इसी दौरान उनके बीच झगड़ा हुआ, जिसके बाद धीरेन्द्र की मौत हो गई। आरोप है कि दोनों ने शव को राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे छोड़कर घटना को सड़क दुर्घटना का रूप देने की कोशिश की। पुलिस के मुताबिक, वारदात के बाद दोनों आरोपियों ने अपने मोबाइल फोन बंद कर दिए और क्षेत्र से निकलने का प्रयास किया। वे खड़ापत्थर से पिकअप वाहन में लिफ्ट लेकर ठियोग के समीप पहुंचे और रात जंगल में बिताई।

पक्षीविविधता सांगला के कूपा डैम में विदेशी मेहमानों की दस्तक, 16 प्रजातियों की मौजूदगी से बढ़ा प्राकृतिक आकर्षण

कूपा डैम में 16 प्रजातियों के प्रवासी पक्षी हुए दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, सांगला, किन्नौर। हिमाचल प्रदेश के जनजातीय जिला किन्नौर की सांगला घाटी में स्थित कूपा डैम प्रवासी पक्षियों और प्रकृति प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र बन रहा है। यहां वन्यप्राणी विभाग की टीम ने पक्षी अवलोकन के दौरान 16 प्रजातियों की मौजूदगी दर्ज की। यह क्षेत्र की समृद्ध जैव विविधता और जलीय पक्षियों के लिए उपलब्ध प्राकृतिक आवासों के महत्त्व को दर्शाता है।

वन्यप्राणी परिक्षेत्र सांगला की टीम ने कूपा डैम और आसपास के संभावित पक्षी आवासों का सुबह नौ बजे से दोपहर दो बजे तक करीब पांच घंटे निरीक्षण किया। इस अभियान में वन खंड अधिकारी गोपाल नेगी, संतोष ठाकुर, वन मित्र कुमारी अल्पना और पक्षी विशेषज्ञ तेनजिन नेगी शामिल रहे। टीम ने विभिन्न स्थलों पर पक्षियों की मौजूदगी का अवलोकन कर प्रजातियों को दर्ज किया।

सर्वेक्षण के दौरान आइबिसबिल, यूरेशियन कूट, कॉमन टील, गार्गनी, ग्रेट कॉर्मोरेंट, नॉर्दर्न शोवेलर, फेरुजिनस डक, मल्लार्ड, नॉर्दर्न पिंटेल, गैडवाल, ब्लैक-विंग्ड स्टिल्ट, व्हाइट-कैप्ड रेडस्टार्ट, प्लंबियस वाटर रेडस्टार्ट, ब्राउन डिपर, कॉमन सैंडपाइपर और ग्रीन सैंडपाइपर प्रजातियां दर्ज की गईं। इनमें जलीय पक्षियों के साथ नदी और जलधाराओं के आसपास रहने वाले पक्षी भी शामिल हैं।

अक्तूबर से मार्च तक किन्नौर के कूपा डैम में प्रवासी पक्षियों का बसेरा रहेगा

उप अरण्यपाल सराहन वन्यप्राणी अशोक नेगी ने बताया कि प्रवासी पक्षी हर वर्ष अक्टूबर में यहां पहुंचते हैं और मार्च-अप्रैल तक ठहरते हैं। उन्होंने वन्यप्राणी परिक्षेत्र सांगला की टीमों को कूपा डैम सहित अन्य क्षेत्रों की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए हैं, ताकि पक्षियों की पहचान, गणना और संरक्षण के लिए आवश्यक कदम उठाए जा सकें।



सांगला घाटी की भौगोलिक स्थिति, बसपा नदी का प्राकृतिक परिवेश और आसपास के विविध आवास इसे पक्षी अवलोकन तथा जैव विविधता के अध्ययन के लिए महत्त्वपूर्ण बनाते हैं। कूपा डैम में पक्षियों की मौजूदगी से बर्डवॉचिंग, प्रकृति फोटोग्राफी और पर्यावरण आधारित पर्यटन को बढ़ावा देने की संभावनाएं भी सामने आई हैं। स्थानीय युवाओं को पक्षियों की पहचान और प्रकृति मार्गदर्शन से जोड़कर रोजगार के अवसर विकसित किए जा सकते हैं।

पक्षियों के संरक्षण के लिए जलस्रोतों को स्वच्छ रखना, प्लास्टिक कचरे को रोकना और पक्षियों को अनावश्यक रूप से परेशान न करना आवश्यक है। नियमित सर्वेक्षण और स्थानीय लोगों की भागीदारी से किन्नौर की प्राकृतिक धरोहर को सुरक्षित रखने में मदद मिल सकती है। कूपा डैम में प्रवासी पक्षियों की मौजूदगी स्थानीय पारिस्थितिकी और मौसमी बदलावों को समझने का अवसर भी प्रदान करती है। सर्दियों के मौसम में विभिन्न जलाशय पक्षियों के लिए भोजन और विश्राम के महत्त्वपूर्ण स्थल बन जाते हैं। ऐसे क्षेत्रों में नियमित पक्षी अवलोकन से यह जानकारी जुटाई जा सकती है कि कौन-सी प्रजातियां किस समय पहुंचती हैं और कितने समय तक यहां ठहरती हैं। वन्यप्राणी विभाग की ओर से किए जाने वाले सर्वेक्षण पक्षियों की प्रजातियों की पहचान और उनकी संख्या से संबंधित जानकारी जुटाने में सहायक होते हैं। इससे भविष्य में संरक्षण योजनाएं तैयार करने और संवेदनशील प्राकृतिक आवासों की पहचान करने में मदद मिल सकती है।

सुंदरनगर बालिका आश्रम में दशहरा उत्सव, बुराई पर अच्छाई की जीत

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। बालिका आश्रम सुंदरनगर में दशहरा उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में सीडीपीओ सुंदरनगर पूनम चौहान ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने बालिकाओं को दशहरा पर्व के धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व की जानकारी दी। पूनम चौहान ने कहा कि दशहरा बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। रावण के दस सिर काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार जैसी बुराइयों को दर्शाते हैं। उन्होंने बालिकाओं को इन बुराइयों का त्याग कर सत्य, सदाचार, नैतिक मूल्यों और सकारात्मक सोच अपनाने के लिए प्रेरित किया।

36 ग्राम चिट्टे की बरामदगी में डिजिटल साक्ष्यों से पकड़े गए तीन आरोपी

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। पुलिस ने नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चिट्टा बरामदगी के मामले में अब तक तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों की पहचान डिजिटल साक्ष्यों, कॉल डिटेल रिकॉर्ड और सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण के आधार पर की। पुलिस अब मादक पदार्थों की आपूर्ति श्रृंखला और मामले में अन्य संभावित संलिप्त व्यक्तियों की भूमिका की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, 13 अक्टूबर 2026 को शोघी चौकी के समीप नाकाबंदी के दौरान एक बस की तलाशी ली गई थी। इस दौरान बस के ऊपर रखे रैक में एक काले रंग का पिट्ठू बैग मिला, जिसमें से करीब 36 ग्राम चिट्टा यानी हेरोइन बरामद हुई। मौके पर बैग का मालिक नहीं मिलने के कारण पुलिस थाना पश्चिम, शिमला में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।

भारतेन्दु Classifieds

Lost and Found

I **Heera Wati** W/o Sh. Prem Raj R/o Sharma Niwas Near Shastri Bhawan Sanjauli Shimla Lost my Small Savings Agent Licence No 0452793 Somewhere Near Mall Road if Some One Found Please Return. to Above Address or. Contact. 86798 42781

विरासत महोत्सव में दिखेगी उत्तराखंड की लोक संस्कृति

अनिल थपलियाल



देहरादून। रीच संस्था की ओर से आयोजित होने वाला विरासत आर्ट एंड हेरिटेज फेस्टिवल-2026 इस बार नए और भव्य परिसर में आयोजित किया जाएगा। 23 अक्टूबर से छह नवंबर तक चलने वाले 15 दिवसीय महोत्सव का शुभारंभ छोलिया नृत्य और उप्रेती बहनों की लोक संगीत प्रस्तुति से होगा। इसका समापन अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त गायिका ऊषा उत्थुप की प्रस्तुति के साथ होगा।

संस्था के संस्थापक एवं अध्यक्ष आरके सिंह ने पत्रकार वार्ता में बताया कि इस बार महोत्सव का आयोजन देहरादून के निंबूवाला स्थित हिमालयन कल्चरल सेंटर में किया जाएगा। इसका उद्देश्य दर्शकों को बेहतर सुविधाओं के साथ भारतीय कला, संगीत और सांस्कृतिक विरासत का अनूठा अनुभव प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि संस्था विरासत महोत्सव को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए प्रयासरत है। महोत्सव के दौरान 29 कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे और थिएटर फेस्टिवल की भी शुरुआत होगी।

◆ छोलिया नृत्य और उप्रेती बहनों की प्रस्तुति से होगा महोत्सव का शुभारंभ

उद्घाटन समारोह में हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के प्रसिद्ध गायक पंडित साजन मिश्रा और स्वरांश मिश्रा भी प्रस्तुति देंगे। महोत्सव में उत्तराखंड की लोक परंपराओं के साथ देश की विभिन्न लोक कलाओं, नृत्य और संगीत का प्रदर्शन किया जाएगा। लोक नाट्य प्रस्तुति 'चक्रव्यूह', जौनसारी, कुमाऊंनी और गढ़वाली लोक नृत्य-संगीत प्रमुख आकर्षण रहेंगे।

राजनीतिक दलों की मौजूदगी में परखी जाएंगी ईवीएम-वीवीपैट

चुनावी मोड में चमोली, कल से ईवीएम की जांच

भारतेन्दु संवाददाता, गोपेश्वर

विधानसभा चुनाव-2027 की तैयारियों के तहत चमोली जिले में 23 अक्टूबर से ईवीएम और वीवीपैट मशीनों की प्रथम स्तरीय जांच शुरू होगी। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में होने वाली इस प्रक्रिया के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण का कार्यक्रम भी निर्धारित कर दिया गया है।

बुधवार को जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी गौरव कुमार ने मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर निर्वाचन तैयारियों की समीक्षा की।



जिले में 1,130 बैलेट यूनिट, 1,400 कंट्रोल यूनिट और 1,294 वीवीपैट मशीनें उपलब्ध।

उन्होंने कहा कि सभी प्रक्रियाएं निर्धारित मानकों और समयसीमा के अनुसार पूरी की जाएं। ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस में प्रतिदिन सुबह नौ से शाम सात बजे तक जांच होगी। सार्वजनिक अवकाश के दिनों में भी यह प्रक्रिया जारी रहेगी। जांच में शामिल होने वाले राजनीतिक दलों के अधिकृत प्रतिनिधियों को 22 अक्टूबर तक आवश्यक दस्तावेज जिला निर्वाचन कार्यालय में जमा कराने होंगे। जांच कक्ष में मोबाइल फोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाने पर प्रतिबंध रहेगा।

बैठक में बताया गया कि जिले में 1,130 बैलेट यूनिट, 1,400 कंट्रोल यूनिट और 1,294 वीवीपैट मशीनें उपलब्ध हैं। प्रशासन ने मशीनों की जांच में पारदर्शिता और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने पर जोर दिया। निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार मतदान केंद्रों का युक्तिकरण और पुनर्व्यवस्थापन दो नवंबर तक पूरा किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

रुद्रप्रयाग पुलिस ने शहीदों को दी भावभीनी श्रद्धांजलि



भारतेन्दु संवाददाता,रुद्रप्रयाग। पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर बुधवार को रिजर्व पुलिस लाइन रतूड़ा में रुद्रप्रयाग पुलिस की ओर से शहीद जवानों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। राष्ट्र की आंतरिक सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के दौरान अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों को याद किया गया। एक सितंबर 2025 से 31 अगस्त 2026 तक देशभर में कुल 154 पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों के अधिकारी एवं कर्मचारी कर्तव्य निर्वहन के दौरान वीरगति को प्राप्त हुए। कार्यक्रम में पुलिस उपाधीक्षक विकास पुंडीर, प्रतिसार निरीक्षक कैलाश चंद्र शर्मा सहित अन्य पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र एवं श्रद्धा सुमन अर्पित कर वीर जवानों को नमन किया। इस दौरान शोक सलामी भी दी गई। रुद्रप्रयाग पुलिस ने शहीदों के साहस, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्र के प्रति समर्पण को याद करते हुए कहा कि उनका बलिदान सदैव सभी के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा।

पौड़ी में 95 लाख से बनेगा ईको एडवेंचर पार्क



भारतेन्दु संवाददाता, पौड़ी। जिला मुख्यालय पौड़ी में बच्चों के लिए 95 लाख रुपये की लागत से ईको एडवेंचर पार्क विकसित किया जा रहा है। इस पार्क में बच्चों को साहसिक खेलों के माध्यम से आत्मविश्वास, संतुलन और एकाग्रता बढ़ाने का अवसर मिलेगा। पार्क में प्लेट ब्रिज, कमांडो नेट और टनल क्रॉसिंग जैसी रोमांचक गतिविधियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी। इन गतिविधियों के जरिए बच्चे नई चुनौतियों का सामना करना और कठिन परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखना सीख सकेंगे। पहाड़ी क्षेत्र के बच्चों को साहसिक खेलों से जोड़ने की दिशा में इसे महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। पार्क का उद्देश्य बच्चों को मनोरंजन के साथ शारीरिक सक्रियता और साहसिक अनुभव उपलब्ध कराना है। इससे बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ने के साथ उनकी शारीरिक क्षमता और निर्णय लेने के कौशल को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

गैरसैंण सत्र को औपचारिकता तक सीमित कर रही सरकार : प्रीतम

भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून। कांग्रेस नेता एवं चकराता विधायक प्रीतम सिंह ने गैरसैंण में विधानसभा सत्र आयोजित करने और कार्यमंत्रणा समिति की बैठक देहरादून में बुलाने के फैसले पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने इसे सरकार की कथनी और करनी में अंतर बताते हुए कहा कि भाजपा सरकार गैरसैंण को ग्रीष्मकालीन राजधानी के रूप में विकसित करने के प्रति गंभीर नहीं है। बुधवार को जारी बयान में प्रीतम सिंह ने कहा कि 27 और 28 अक्टूबर को भराड़ीसैंण (गैरसैंण) में विधानसभा सत्र प्रस्तावित है, जबकि सत्र की कार्यसूची तय करने के लिए कार्यमंत्रणा समिति की बैठक 24 अक्टूबर को देहरादून में बुलाई गई है। उन्होंने मांग की कि जब सत्र गैरसैंण में होना है तो समिति की बैठक भी वहीं आयोजित की जाए। प्रीतम सिंह ने दो दिवसीय सत्र की अवधि पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार, कानून-व्यवस्था, महिलाओं की सुरक्षा, पलायन और आपदा प्रभावित क्षेत्रों की समस्याओं सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। इतने कम समय में इन पर सार्थक चर्चा संभव नहीं है।



दो दिवसीय सत्र पर प्रीतम सिंह ने जताई आपत्ति

उत्तराखंड के 76 मदरसों को मान्यता, 114 के आवेदन पर प्रक्रिया जारी

उत्तराखंड के 206 मदरसों में शुक्रवार की छुट्टी होगी खत्म

भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून

उत्तराखंड में शिक्षा विभाग से मान्यता प्राप्त और मान्यता के लिए आवेदन करने वाले 206 मदरसों की साप्ताहिक अवकाश व्यवस्था में बदलाव किया जा रहा है। अब इन मदरसों में शुक्रवार के बजाय अन्य विद्यालयों की तरह निर्धारित साप्ताहिक अवकाश व्यवस्था लागू होगी। राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण ने इस संबंध में शिक्षा विभाग को पत्र लिखकर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इस कदम का उद्देश्य मदरसा शिक्षा व्यवस्था को निर्धारित शैक्षिक मानकों के अनुरूप बनाना और विद्यार्थियों को मुख्यधारा की शिक्षा से जोड़ना है। राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण के अध्यक्ष डॉ. सुरजीत सिंह गांधी के अनुसार, शिक्षा विभाग से मान्यता प्राप्त करने वाले या इसके लिए आवेदन करने वाले मदरसों को विभाग के निर्धारित नियमों और शैक्षिक व्यवस्था का पालन करना अनिवार्य है।



फाईल फोटो।

76 मदरसों को मिल चुकी मान्यता

प्रारंभिक शिक्षा निदेशक कुंवर सिंह रावत के अनुसार, जिन मदरसों को विद्यालय के रूप में मान्यता दी गई है, उन्हें राजकीय विद्यालयों में लागू नियमों का पालन करना होगा। नियमों का उल्लंघन करने वाले संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। प्रदेश में अब तक 76 मदरसों को शिक्षा विभाग से मान्यता मिल चुकी है। इनमें हरिद्वार के 44, ऊधमसिंह नगर के 24, देहरादून के छह और नैनीताल के दो मदरसे शामिल हैं। इसके अतिरिक्त 114 मदरसों ने मान्यता प्राप्त करने के लिए शिक्षा विभाग में आवेदन किया है। इस तरह कुल 206 मदरसे इस व्यवस्था के दायरे में हैं।

शैक्षिक नियमों का पालन जरूरी

इस कदम का उद्देश्य मदरसा शिक्षा व्यवस्था को निर्धारित शैक्षिक मानकों के अनुरूप बनाना और विद्यार्थियों को मुख्यधारा की शिक्षा से जोड़ना है। राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण के अध्यक्ष डॉ. सुरजीत सिंह गांधी के अनुसार, शिक्षा विभाग से मान्यता प्राप्त करने वाले या इसके लिए आवेदन करने वाले मदरसों को विभाग के निर्धारित नियमों और शैक्षिक व्यवस्था का पालन करना अनिवार्य है।

30 हजार से अधिक विद्यार्थी जुड़े शिक्षा की मुख्यधारा से

डॉ. सुरजीत सिंह गांधी के मुताबिक, प्रदेश के इन 206 मदरसों में पढ़ने वाले 30 हजार से अधिक विद्यार्थी मुख्यधारा की शिक्षा व्यवस्था से जुड़ चुके हैं। पहले इन संस्थानों में मुख्य रूप से धार्मिक शिक्षा दी जाती थी, लेकिन अब धार्मिक शिक्षा के साथ विद्यालयी शिक्षा भी प्रदान की जा रही है। प्राधिकरण का कहना है कि इस बदलाव से विद्यार्थियों को निर्धारित शैक्षिक मानकों के अनुरूप शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

मुख्य सचिव ने नवोदय विद्यालयों के कायाकल्प की बनाई योजना



अनिल थपलियाल

देहरादून। उत्तराखंड में राजीव गांधी नवोदय विद्यालयों को उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने बुधवार को सचिवालय में शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर इन विद्यालयों की शैक्षणिक व्यवस्था और आधारभूत सुविधाओं में व्यापक सुधार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यालयों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ बेहतर आवासीय सुविधाओं से युक्त बनाया जाए, ताकि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके।

◆ उत्कृष्ट शिक्षा केंद्र के रूप में विकसित होंगे नवोदय विद्यालय

नवोदय विद्यालयों के संचालन को बनेगा कानूनी ढांचा

मुख्य सचिव ने विद्यालयों के प्रभावी संचालन के लिए सोसाइटी गठित करने और राज्य स्तर पर उनकी अध्यक्षता में शासी निकाय बनाने पर जोर दिया। जिला स्तर पर जिलाधिकारियों की अध्यक्षता में समितियां गठित करने तथा सरकारी आवासीय विद्यालयों के संचालन के लिए कानूनी ढांचा तैयार करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने स्थायी प्रधानाचार्यों और समर्पित शिक्षकों की नियुक्ति सुनिश्चित करने को कहा। स्थायी भर्ती प्रक्रिया पूरी होने तक वैकल्पिक व्यवस्था के माध्यम से शिक्षण कार्य सुचारु रखने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के चयन में पारदर्शिता और प्रतिस्पर्धा का ध्यान रखा जाए। योग्य एवं अनुभवी शिक्षकों के साथ उच्च शिक्षा और शोध की पृष्ठभूमि वाले अभ्यर्थियों को प्राथमिकता देने की संभावनाओं पर भी विचार किया जाए। प्रवेश परीक्षा और प्रवेश प्रक्रिया इस प्रकार निर्धारित की जाए कि नया शैक्षणिक सत्र शुरू होने से कम से कम एक माह पहले प्रवेश पूरे हो जाएं।

मुख्यमंत्री की घोषणा के बावजूद मांगें पूरी नहीं, बीकेटीसी कर्मचारियों का आंदोलन जारी



◆ सेटलमेंट और समान वेतन के लिए कर्मचारियों की लड़ाई जारी

भारतेन्दु संवाददाता, बदरीनाथ। श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) में वर्षों से कार्यरत अस्थायी कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर कार्य बहिष्कार कर रहे हैं। 14 अक्टूबर से शुरू हुआ कार्य बहिष्कार अब दो घंटे से बढ़ाकर प्रतिदिन पांच घंटे कर दिया गया है। कर्मचारियों की मांग है कि सभी अस्थायी और स्थिर वेतन कार्मिकों के लिए वन टाइम सेटलमेंट तथा समान कार्य-समान वेतन का शासनादेश जारी किया जाए। समिति के मुख्य कार्याधिकारी ने धरनास्थल पर पहुंचकर कर्मचारियों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन कर्मचारी मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने पर अड़े हैं।

कर्मचारियों के अनुसार, केदारनाथ विधानसभा उपचुनाव 2024 के दौरान मुख्यमंत्री ने बीकेटीसी में कार्यरत अस्थायी कर्मचारियों के वन टाइम सेटलमेंट की घोषणा की थी। घोषणा संख्या 428/2024 के तहत इस व्यवस्था को लागू करने की मांग की जाती रही है। हालांकि, करीब दो वर्ष बीतने के बाद भी ठोस कार्रवाई नहीं होने से कर्मचारियों में नाराजगी है।

कार्य बहिष्कार से पहले कर्मचारी उच्चाधिकारियों को पत्र भेजकर मांगों पर कार्रवाई का आग्रह कर चुके हैं। 14 अक्टूबर से दो घंटे का बहिष्कार शुरू हुआ था, जिसे 19 अक्टूबर से बढ़ाकर पांच घंटे प्रतिदिन कर दिया गया। कर्मचारियों ने स्पष्ट किया है कि शासनादेश जारी होने तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

दलेर मेहंदी ने उत्तराखंड की आस्था से किया खिलवाड़

कुंजापुरी मेले में सुबोध उनियाल का सख्त रुख, जनता की आस्था और सम्मान के साथ समझौता नहीं!

विकास बलूनी

देहरादून। उत्तराखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री श्री सुबोध उनियाल जी ने बिल्कुल सही किया। जनता की भावनाओं, धार्मिक आस्था और कार्यक्रम की गरिमा का सम्मान होना चाहिए।

◗ क्या दलेर मेहंदी पर केस होना चाहिए?

अगर दिलेर मेहंदी जी की तबीयत खराब थी, तो उनकी परेशानी समझी जा सकती है। लेकिन सवाल यह है कि उत्तराखंड का कार्यक्रम क्यों प्रभावित हुआ? यह केवल एक मनोरंजन का कार्यक्रम नहीं था, बल्कि हमारी धार्मिक आस्था से जुड़ा आयोजन भी था। लोगों ने उम्मीदें लगाई थीं और आयोजकों ने भी तैयारियां की थीं।

अगर स्वास्थ्य कारणों से कार्यक्रम में शामिल होना संभव नहीं था, तो इसकी स्पष्ट जानकारी समय पर दी जानी चाहिए थी। आखिर जनता के पैसों और भावनाओं की भी कोई कीमत है। उत्तराखंड की जनता की आस्था और सम्मान के साथ समझौता नहीं होना चाहिए।

जनता की आस्था से खिलवाड़ पर जवाबदेही तय हो



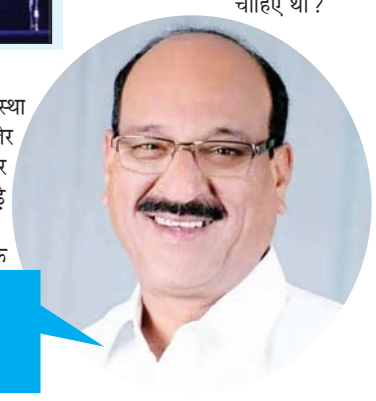
अगर दिलेर मेहंदी ने किसी कार्यक्रम में प्रस्तुति देने के लिए आयोजकों से भुगतान लिया है, तो तय शर्तों के अनुसार उन्हें अपनी प्रस्तुति देनी चाहिए। यदि किसी कारणवश प्रस्तुति नहीं हो पाती, तो अनुबंध की शर्तों के मुताबिक भुगतान वापसी या अन्य समाधान होना चाहिए।

क्या दलेर मेहंदी पर केस होना चाहिए? उत्तराखंड की जनता के पैसे और आस्था से खिलवाड़ पर जवाबदेही कौन तय करेगा? उत्तराखंड की जनता की आस्था से जुड़े कुंजापुरी मेले में दलेर मेहंदी की प्रस्तुति को लेकर उठे विवाद ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

अगर कलाकार ने कार्यक्रम के लिए लाखों रुपये लिए, तो क्या उसे तय शर्तों के अनुसार प्रस्तुति नहीं देनी चाहिए थी?

भुगतान लिया तो प्रस्तुति देना जरूरी

अगर दिलेर मेहंदी ने किसी कार्यक्रम में प्रस्तुति देने के लिए आयोजकों से भुगतान लिया है, तो तय शर्तों के अनुसार उन्हें अपनी प्रस्तुति देनी चाहिए। यदि किसी कारणवश प्रस्तुति नहीं हो पाती, तो अनुबंध की शर्तों के मुताबिक भुगतान वापसी या अन्य समाधान होना चाहिए।



कैबिनेट मंत्री श्री सुबोध उनियाल

आस्था 11 नवंबर को शीतकाल के लिए बंद होंगे केदारनाथ धाम के कपाट

केदारनाथ धाम पहुंचे 17.75 लाख श्रद्धालु

भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून

विश्व प्रसिद्ध श्री केदारनाथ धाम की यात्रा सुचारू रूप से संचालित हो रही है। इस वर्ष अब तक 17 लाख 75 हजार 59 श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शन कर चुके हैं। धाम के कपाट आगामी 11 नवंबर को शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे। यात्रा के शेष दिनों में भी श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन लगातार व्यवस्थाओं की निगरानी कर रहा है। पिछले एक सप्ताह से मौसम अनुकूल रहने के कारण यात्रा सामान्य रूप से चल रही है। इसके साथ ही धाम के लिए हेली सेवाओं का संचालन भी सुचारू बना हुआ है।

तीर्थयात्रियों को बेहतर सुविधाएं देने की तैयारी



जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग विशाल मिश्रा ने बताया कि इस वर्ष केदारनाथ धाम की यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। अब तक 17,75,059 श्रद्धालु धाम में माथा टेक चुके हैं। जिला प्रशासन का प्रयास है कि कपाट बंद होने तक देश के विभिन्न राज्यों से आने वाले तीर्थयात्रियों को सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक यात्रा अनुभव प्रदान किया जाए। इसके लिए संबंधित विभागों को आवश्यक व्यवस्थाएं बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए प्रशासन ने जारी की जरूरी सलाह

जिलाधिकारी ने तीर्थयात्रियों से अपील की कि केदारनाथ धाम की यात्रा पर रवाना होने से पहले मौसम का पूर्वानुमान और प्रशासन की ओर से जारी दिशा-निर्देशों की जानकारी अवश्य प्राप्त करें। उन्होंने श्रद्धालुओं को पर्याप्त गर्म कपड़े, जरूरी सामग्री और नियमित रूप से ली जाने वाली दवाइयां साथ रखने की सलाह दी। ठंड से बचाव के लिए आवश्यक तैयारियां करके यात्रा करने से श्रद्धालुओं को कठिन परिस्थितियों में परेशानी से बचने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन की प्राथमिकता प्रत्येक श्रद्धालु की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करना है।

पुलिस स्मृति दिवस पर उत्तरकाशी पुलिस ने शहीद जवानों को दी श्रद्धांजलि



अनिल थपलियाल

उत्तरकाशी। पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर मंगलवार को पुलिस लाइन ज्ञानसू स्थित शहीद स्मारक पर उत्तरकाशी पुलिस ने कर्तव्य निर्वहन के दौरान अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर पुलिस जवानों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। पुलिस अधीक्षक कमलेश उपाध्याय ने शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर अमर शहीदों को नमन किया। पुलिस उपाधीक्षक बड़कोट चंचल शर्मा सहित पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी पुष्प अर्पित कर शहीदों के बलिदान को याद किया।

वीर जवानों का सम्मान

कार्यक्रम में पुलिसकर्मियों ने राष्ट्र और समाज की सुरक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले जवानों के साहस, कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण को याद किया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पुलिस स्मृति दिवस उन वीर जवानों के त्याग और बलिदान का स्मरण कराता है, जिन्होंने देश की आंतरिक सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और आमजन की रक्षा करते हुए अपने कर्तव्य को सर्वोपरि रखा।

परिजनों से मिलीं एसपी

इस अवसर पर शहीद पुलिसकर्मी स्वर्गीय गिरवीर रमोला के परिजनों को सम्मानित किया गया। एसपी ने उनसे संवाद कर उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी ली तथा हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड पुलिस परिवार हर सुख-दुख में शहीदों के परिजनों के साथ खड़ा है।

कोटद्वार से पौड़ी जा रही बस खाई में गिरी, यात्रियों में मची चीख-पुकार



भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून। कोटद्वार-पौड़ी हाईवे पर बुधवार को भदालीखाल के पास गढ़वाल मोटर ओनर्स यूनियन (जीएमओयू) की बस अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। बस में चालक समेत करीब 30 यात्री सवार थे। गनीमत रही कि बस खाई में एक पेड़ से टकराकर रुक गई, जिससे बड़ा हादसा टल गया। सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। हादसे में एक-दो यात्रियों को हल्की चोटें आई हैं। किसी के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं है। जानकारी के अनुसार, जीएमओयू की हिमगिरी बस बुधवार दोपहर करीब एक बजे कोटद्वार से पौड़ी-श्रीनगर के लिए रवाना हुई थी। बस को कोटद्वार निवासी अशोक ममगाईं चला रहे थे। दुगड्डा से आगे गुमखाल के बीच भदालीखाल के पास अचानक बस का प्रेशर पाइप फट गया। इसके कारण बस आगे नहीं बढ़ सकी। सड़क पर पीछे की ओर ढलान होने से बस अनियंत्रित हो गई और बाईं ओर स्थित खाई में जा गिरी। अचानक हुए हादसे से यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। बस के पेड़ से टकराकर रुकने के बाद यात्रियों ने राहत की सांस ली।

न्यूज शॉर्ट्स

पंजाब के 24 लाख बुजुर्गों को पेंशन का सहारा

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत सितंबर 2026 तक 2507.98 करोड़ रुपये जारी किए हैं। इससे राज्य के 24.07 लाख बुजुर्गों को लाभ मिला है। सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि वित्त वर्ष 2026-27 के लिए योजना के तहत 4000 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है। 65 वर्ष या इससे अधिक आयु के पुरुष और 58 वर्ष या इससे अधिक आयु की महिलाएं, जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय 60 हजार रुपये से अधिक नहीं है, योजना के पात्र हैं।

पार्किंग विवाद में ड्राइवर की गोली मारकर हत्या

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। पंजाब के लुधियाना में ताजपुर रोड पर पार्किंग को लेकर हुए विवाद में 31 वर्षीय दरबारा सिंह उर्फ हैरी की गोली लगने से मौत हो गई। स्वजन उसे सीएमसी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक की पत्नी राजविंदर के अनुसार, मंगलवार रात कुछ युवक गाड़ी के शीशे टूटने की बात कहकर उसके पति को घर से बुलाकर ले गए थे। रात करीब तीन बजे उसे गोली लगने की सूचना मिली। पत्नी ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और इंसाफ की मांग की है।

ताज होटल में बिजनेसमैन की हुई मौत

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। सेक्टर-17 स्थित ताज होटल में बुधवार सुबह बिजनेसमैन दीपक मृत मिले। वह दो दिन से होटल में ठहरे थे। सुबह करीब छह बजे वेटर ने उन्हें कमरे में बेहोश पाया। अस्पताल पहुंचाने पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस को शुरुआती जांच में अधिक शराब पीने की आशंका है, हालांकि मौत का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है। शव को सेक्टर-16 अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है।

कच्चे कर्मचारियों की हड़ताल से बसें ठप

पीआरटीसी और पनबस कर्मचारियों की हड़ताल से यात्री परेशान, बसों का संचालन प्रभावित

भारतेंदु संवाददाता, जालंधर। अपनी मांगों को लेकर पीआरटीसी और पनबस के कच्चे कर्मचारियों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। कर्मचारियों के काम बंद करने से जालंधर में सरकारी बसों की आवाजाही प्रभावित हुई है। जालंधर डिपो-1 और डिपो-2 के करीब 300 कर्मचारी इस हड़ताल में शामिल बताए जा रहे हैं। इसके चलते बसों के नियमित संचालन पर असर पड़ा है और यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बस स्टैंड पर सुबह से ही यात्रियों को बसों का इंतजार करना पड़ा। कई यात्रियों को एक से दो घंटे तक बस नहीं मिली। रोजाना सरकारी बसों से सफर करने वाले लोगों के लिए अचानक पैदा हुई इस स्थिति ने मुश्किलें बढ़ा दी हैं। यात्रियों का कहना है कि उन्हें हड़ताल के बारे में पहले से कोई जानकारी नहीं थी। वे रोजाना की तरह अपने कामकाज और अन्य जरूरी कार्यों के लिए बस स्टैंड पहुंचे थे, लेकिन बसें नहीं चलने के कारण उन्हें काफी देर तक इंतजार करना पड़ा।

सरकारी बस सेवा प्रभावित होने का सबसे अधिक असर उन लोगों पर पड़ रहा है, जो रोजाना नौकरी, पढ़ाई और अन्य जरूरी कामों के लिए बसों पर निर्भर रहते हैं। बसों की कमी के कारण कई यात्रियों को समय पर अपने गंतव्य तक पहुंचने में परेशानी हो रही है। वहीं, कुछ लोगों को मजबूरन निजी वाहनों और अन्य परिवहन साधनों का सहारा लेना पड़ रहा है।



इससे उनकी यात्रा का खर्च भी बढ़ सकता है। बस स्टैंड पर मौजूद यात्रियों ने बताया कि सरकारी बसें आम जनता के लिए परिवहन का महत्वपूर्ण साधन हैं। खासकर कम आय वाले परिवारों के लोग सस्ती यात्रा के लिए सरकारी बसों पर निर्भर रहते हैं। ऐसे में लंबे समय तक बस सेवा प्रभावित रहने से उनकी रोजमर्रा की गतिविधियों पर असर पड़ सकता है। यात्रियों ने मांग की कि हड़ताल के कारणों का जल्द समाधान किया जाए, ताकि परिवहन व्यवस्था सामान्य हो सके। हड़ताल के कारण बस स्टैंड पर यात्रियों की भीड़ बढ़ने लगी है। कई लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए निजी बसों और अन्य साधनों की तलाश करनी पड़ रही है। यात्रियों का कहना है कि यदि हड़ताल लंबी खिंचती है, तो आने वाले दिनों में परेशानी और बढ़ सकती है। लोगों ने सरकार और परिवहन विभाग से अपील की है कि कर्मचारियों की समस्याओं का जल्द समाधान किया जाए।

कर्मचारियों की मांगों पर फैसला लेकर हड़ताल खत्म करवाने की अपील

हड़ताल के बीच यात्रियों ने सरकार से कर्मचारियों की मांगों पर जल्द विचार करने और समस्या का समाधान निकालने की अपील की है। उनका कहना है कि कर्मचारियों और सरकार के बीच विवाद का खामियाजा आम जनता को नहीं भुगतना चाहिए। सरकारी बस सेवा बाधित होने से लोगों का समय खराब हो रहा है और जरूरी काम भी प्रभावित हो रहे हैं। यात्रियों ने उम्मीद जताई कि संबंधित अधिकारी कर्मचारियों से बातचीत कर कोई रास्ता निकालेंगे, जिससे बसों का संचालन जल्द बहाल हो सके। फिलहाल हड़ताल के चलते जालंधर में सरकारी बस सेवाओं पर असर बना हुआ है। कर्मचारियों की मांगों पर सरकार की ओर से क्या निर्णय लिया जाता है और हड़ताल कब समाप्त होगी, इस पर यात्रियों की नजरें टिकी हैं। उनका कहना है कि कर्मचारियों की मांगों पर बातचीत के जरिए सहमति बनाकर सरकारी बसों का संचालन बहाल किया जाना चाहिए, ताकि आम जनता को राहत मिल सके और रोजमर्रा की यात्रा फिर से सामान्य हो सके। हड़ताल का असर शहर के परिवहन तंत्र पर भी दिखाई देने लगा है। यात्रियों को उम्मीद है कि संबंधित अधिकारी जल्द हस्तक्षेप कर समस्या का समाधान निकालेंगे और बस सेवाएं बहाल होंगी।

ई-केवाईसी नहीं होने से लुधियाना में दो लाख गैस कनेक्शन रद्द

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। देश की प्रमुख गैस कंपनियों इंडेन गैस, भारत गैस और हिंदुस्तान गैस की सख्ती का असर अब आम उपभोक्ताओं पर पड़ने लगा है। लुधियाना में ई-केवाईसी नहीं करवाने वाले करीब दो लाख घरेलू गैस उपभोक्ताओं के कनेक्शन रद्द किए जाने का मामला सामने आया है। इसके चलते कई परिवारों को रसोई गैस की आपूर्ति में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पहले से ही गैस सिलेंडर की उपलब्धता को लेकर चिंतित उपभोक्ताओं की मुश्किलें अब और बढ़ गई हैं। खासकर उन परिवारों के सामने संकट खड़ा हो गया है, जिनके लिए गैस कनेक्शन से जुड़ी औपचारिकताएं पूरी करना आसान नहीं है।

जानकारी के अनुसार, बड़ी संख्या में घरेलू गैस उपभोक्ताओं की ई-केवाईसी लंबित रहने के पीछे कई तरह की परिस्थितियां और मजबूरियां हैं। कुछ परिवारों में गैस कनेक्शन घर के उन युवाओं के नाम पर हैं, जो रोजगार या अन्य कारणों से विदेश में बस चुके हैं। ऐसे में उनके बुजुर्ग माता-पिता घरों में अकेले रहते हैं और कनेक्शन से संबंधित सत्यापन करवाने में उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। वहीं, जिन उपभोक्ताओं की मृत्यु हो चुकी है, उनके नाम पर चल रहे गैस कनेक्शनों की ई-केवाईसी भी लंबित है। इसके कारण



नए गैस कनेक्शन बंद होने से गृह प्रवेश और शादियों की खुशियों पर संकट

- **ई-केवाईसी की सख्ती से गैस संकट गहराया, नए कनेक्शन नहीं मिलने से बढ़ी परेशानी**

संबंधित परिवारों को सिलेंडर की आपूर्ति नहीं मिल पा रही है।

गैस कंपनियों का उद्देश्य घरेलू गैस के दुरुपयोग पर रोक लगाना और एक ही घर में कई कनेक्शन होने जैसी अनियमितताओं को नियंत्रित करना है। इसके लिए उपभोक्ताओं का सत्यापन, ई-केवाईसी पूरी करवाना और पंजीकृत मोबाइल नंबर के माध्यम से ही सिलेंडर बुक करने जैसी शर्तें लागू की गई हैं। हालांकि, इन नियमों को लागू करने के तरीके को लेकर उपभोक्ताओं की परेशानियां सामने आ रही हैं। लोगों का कहना है कि नियमों का पालन सुनिश्चित करने के साथ-साथ बुजुर्गों, दिवंगत उपभोक्ताओं के परिवारों और विदेश में रहने वाले कनेक्शनधारकों से जुड़ी समस्याओं का व्यावहारिक समाधान भी निकाला जाना चाहिए।

त्योहारों और विवाह-शादियों के मौसम में नए गैस कनेक्शन नहीं मिलना भी लोगों के लिए परेशानी का बड़ा कारण बन गया है। नए मकान में गृह प्रवेश करने वाले परिवारों और विवाह के बाद नया जीवन शुरू करने वाले जोड़ों को घरेलू गैस की व्यवस्था करने में दिक्कत आ रही है। सामान्य तौर पर परिवार में बेटे या बेटी की शादी होने पर नवविवाहित जोड़े के नाम पर अलग गैस कनेक्शन लिया जाता है, ताकि उन्हें अपना अलग घर बसाने में सुविधा हो।

टाइगर श्रॉफ फायरिंग कांड में अमृतसर कनेक्शन उजागर, हथियार तस्करी में चार गिरफ्तार



भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग की घटना की जांच में हथियारों की आपूर्ति के तार पंजाब के अमृतसर से जुड़ते नजर आ रहे हैं। मामले में पुलिस ने दो महिलाओं और दो युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान कुणाल (21), सुमित (19) और उत्तर प्रदेश की राधा (23) व बबीता (23), निवासी सोनीपत के रूप में बताई गई है। जांच से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, फायरिंग में इस्तेमाल किए गए पिस्तौल और 20 कारतूस अमृतसर से कथित तौर पर 'डेड लेटर बॉक्स' तकनीक के जरिये पहुंचाए गए थे। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के अनुसार, कुणाल और सुमित ने लॉरेंस गिरोह के सदस्य अनिल पंडित के निर्देश पर हथियारों का इंतजाम किया था। हालांकि, मामले में आरोपियों की भूमिका की पुष्टि जांच और न्यायिक प्रक्रिया के तहत होनी है। सूत्रों के अनुसार, कुणाल और सुमित करीब दो सप्ताह पहले अनिल पंडित के कहने पर अमृतसर गए थे। बताया जा रहा है कि अनिल पंडित ने उन्हें एक एन्क्रिप्टेड संदेश भेजने वाले अनुप्रयोग के माध्यम से हथियारों की लोकेशन बताई थी। दोनों युवकों को कथित तौर पर यह जानकारी नहीं थी कि निर्धारित स्थान पर हथियार किसने रखे थे। जांच में सामने आया है कि हथियार मिलने के बाद उन्हें राधा और बबीता के माध्यम से निशानेबाजों तक पहुंचाया गया। सूत्रों का दावा है कि इस काम के लिए अनिल पंडित ने करीब 70 से 80 हजार रुपये दिए थे। इसमें से 10 से 12 हजार रुपये दोनों महिलाओं को हथियार मुंबई पहुंचाने के लिए दिए गए थे।

पावरकॉम और ट्रांसको कर्मचारियों की दो दिवसीय हड़ताल से बिजली सेवाओं पर संकट

भारतेंदु संवाददाता, जालंधर। पावरकॉम और ट्रांसको से संबंधित विभिन्न कर्मचारी संगठनों की ओर से मंगलवार मध्यरात्रि से दो दिवसीय संघर्ष शुरू कर दिया गया है। कर्मचारी 21 और 22 अक्तूबर को सामूहिक छुट्टी पर रहकर अपनी मांगों के समर्थन में विरोध जता रहे हैं। कर्मचारियों के सामूहिक अवकाश के कारण बिजली आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका को देखते हुए विभाग ने अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश जारी किए हैं। विभाग का प्रयास है कि इस दौरान उपभोक्ताओं को बिजली संबंधी परेशानियों का सामना न करना पड़े और आपूर्ति व्यवस्था सुचारू बनी रहे।

इस संघर्ष में पीएसपीसीएल एम्प्लॉइज ज्वाइंट फोरम, बिजली मुलाजिम एकता मंच पंजाब, जेई कौंसिल, ग्रिड सब-स्टेशन एम्प्लॉइज यूनियन, कर्मचारी यूनाइटिड ऑर्गेनाइजेशन, पावरकॉम व ट्रांसको पेंशनर्ज यूनियन, पेंशनर्ज वेलफेयर फेडरेशन सहित कई



कर्मचारी संगठन शामिल हैं। इन संगठनों की ओर से दो दिनों तक सामूहिक छुट्टी पर रहने का ऐलान किया गया है। इसके चलते बिजली विभाग ने संभावित परिस्थितियों से निपटने के लिए आवश्यक तैयारियां शुरू कर दी हैं।

विभाग की ओर से सभी एक्सईएन, एसडीओ, डिवीजनल अधिकारियों और सब-डिवीजनल अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति की निगरानी करने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों को इंजीनियरों और ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों के साथ लगातार संपर्क बनाए रखने को कहा गया है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई की जा सके।

अमृतसर में आतंकी साजिश नाकाम, पांच गिरफ्तार

पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए हथियार भेजने वाले गिरोह का पर्दाफाश

भारतेंदु संवाददाता, अमृतसर। पंजाब में त्योहारों के दौरान अशांति फैलाने की कथित साजिश को अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने नाकाम करने का दावा किया है। पुलिस ने लोपोके क्षेत्र में हथियारों और विस्फोटक सामग्री की तस्करी से जुड़े मामले में पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया है। शुरुआती जांच में इस नेटवर्क के पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े होने की आशंका सामने आई है। पुलिस अब आरोपितों से पूछताछ कर पूरे नेटवर्क और इसके अन्य सदस्यों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपित कथित तौर पर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों के संपर्क में थे और इंटरनेट कॉल के माध्यम से उनसे बातचीत करते थे। आरोप है कि वे पाकिस्तान से ड्रोन के जरिये हथियार, गोला-



बारूद, हथगोले और अन्य विस्फोटक सामग्री मंगवाते थे। इसके बाद इस खेप को पंजाब के विभिन्न गांवों, कस्बों और शहरों में आपराधिक तत्वों तक पहुंचाया जाता था। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

पुलिस के मुताबिक, 20 अक्टूबर को इस मामले में केस दर्ज किया गया था। गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ आरोपित पाकिस्तान से ड्रोन के माध्यम से हथियारों और विस्फोटक सामग्री की खेप मंगवाकर आगे सप्लाई करते हैं। सूचना में यह भी बताया गया था कि आरोपित गांव कावें की ओर जा रहे हैं और उनके पास हथियार तथा विस्फोटक सामग्री मौजूद है।

सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पांचों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। उनकी पहचान गुरमुख सिंह उर्फ गामा, आर्यन, रोहित, गुरलाल सिंह और रशपाल सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपितों से जुड़े तथ्यों की जांच शुरू कर दी है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि पाकिस्तान से हथियारों की खेप किन रास्तों से पहुंचाई जाती थी और पंजाब में इसे किन लोगों तक पहुंचाया जाना था।

पेरिस से लौटे भगवंत मान को एयरपोर्ट पर तीन घंटे रोकने का आप ने लगाया आरोप

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी (आप) ने आरोप लगाया है कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को पेरिस से लौटने के बाद दिल्ली एयरपोर्ट पर करीब तीन घंटे तक रोका गया और उन पर 50 हजार रुपये का चालान किया गया। पार्टी ने इस घटना को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि अधिकारियों ने कथित तौर पर इसके पीछे 'ऊपर से भारी दबाव' होने की बात कही। पंजाब में आप के मीडिया प्रभारी बलतेज पन्नू ने सवाल उठाया कि क्या किसी अन्य राज्य के मुख्यमंत्री के साथ भी इस तरह का व्यवहार किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मान के साथ ऐसा इसलिए हो रहा है, क्योंकि वह पंजाब के मुख्यमंत्री हैं और राज्य की बेहतरी के लिए काम कर रहे हैं। हालांकि, एयरपोर्ट पर रोके जाने और चालान से संबंधित इन दावों पर संबंधित अधिकारियों का पक्ष सामने आना बाकी है।

- **विदेश यात्राओं की अनुमति रोकने और निवेश के मुद्दे पर केंद्र सरकार को घेरा**



मुख्यमंत्री के कथित अपमान पर आप ने केंद्र के रवैये पर उठाए सवाल

बलतेज पन्नू ने इस कथित घटना को मुख्यमंत्री की विदेश यात्राओं की अनुमति बार-बार नहीं दिए जाने के मुद्दे से भी जोड़ा। उन्होंने दावा किया कि भगवंत मान दुनिया के दूसरे सबसे बड़े खाद्य महोत्सव में पंजाब के प्रसिद्ध उत्पादों को प्रस्तुत करने के लिए पेरिस गए थे। पन्नू के अनुसार, इस यात्रा का उद्देश्य पंजाब के उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना और राज्य के लिए निवेश की संभावनाएं बढ़ाना था।

सत्ता में लौटे तो बिजली बिल माफ करेंगे चन्नी, जनता को किया वादा

भारतेंदु संवाददाता, जालंधर। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने बिजली उपभोक्ताओं को राहत देने का वादा करते हुए कहा है कि यदि उनकी सरकार दोबारा सत्ता में आती है, तो बिजली के बकाया बिल माफ करने का फैसला फिर से लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2021 में उनकी सरकार ने दो किलोवाट तक के बिजली कनेक्शन वाले उपभोक्ताओं के पुराने बकाया बिल माफ करने का निर्णय लिया था। अब दोबारा सरकार बनने पर इसी फैसले को लागू कर जरूरतमंद परिवारों को राहत पहुंचाई जाएगी। चन्नी ने कहा कि बिजली आम लोगों की बुनियादी जरूरत है और इसके बिलों का भुगतान करना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए कई बार मुश्किल हो जाता है। ऐसे में बकाया बिलों की माफी से उन्हें आर्थिक बोझ कम करने में मदद मिल सकती है।

- **चन्नी ने फिर सत्ता मिलने पर पुराने बिजली बिलों से राहत देने का किया ऐलान**



चन्नी ने बिजली बिल माफी योजना दोबारा लागू करने का दिया भरोसा

गरीब और जरूरतमंद परिवारों को राहत देने पर जोर

चन्नी ने अपनी पिछली सरकार के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी सरकार ने आम लोगों, गरीबों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के हितों को ध्यान में रखते हुए कई महत्वपूर्ण फैसले लिए थे। बिजली के बकाया बिल माफ करने की योजना भी इसी दिशा में उठाया गया कदम था। इसका उद्देश्य उन परिवारों को राहत देना था, जो सीमित आय के कारण अपने बिजली बिलों का समय पर भुगतान नहीं कर पा रहे थे।

जनहित के फैसलों को प्राथमिकता देने का भरोसा

पूर्व मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि दोबारा सत्ता में आने पर उनकी सरकार आम जनता की समस्याओं और जनहित से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देगी। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य केवल राजनीतिक घोषणाएं करना नहीं, बल्कि ऐसे निर्णय लेना है, जिनसे लोगों को वास्तविक आर्थिक राहत मिल सके। चन्नी ने बिजली के बकाया बिलों की माफी को जरूरतमंद उपभोक्ताओं के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि सरकार बनने पर इस फैसले को फिर से लागू करने की दिशा में कदम उठाए जाएंगे। उनके इस बयान से पंजाब में बिजली बिलों और घरेलू खर्चों से जुड़े मुद्दे एक बार फिर राजनीतिक चर्चा में आ सकते हैं। हालांकि, प्रस्तावित राहत का वास्तविक स्वरूप और पात्र उपभोक्ताओं से संबंधित शर्तें सरकार के निर्णय के बाद ही स्पष्ट होंगी।

वाहन चलाते समय मोबाइल का इस्तेमाल दुर्घटनाओं को दे सकता है न्योता

भारतेंदु संवाददाता, जालंधर। पुलिस कमिश्नरेट जालंधर की ओर से सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत पुलिस कमिश्नर सतिंदर सिंह ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने से बचें और अपनी सुरक्षा के साथ-साथ सड़क पर चल रहे अन्य लोगों की सुरक्षा का भी ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि वाहन चलाते समय मोबाइल फोन पर बात करना, संदेश पढ़ना या सामाजिक माध्यमों पर ध्यान देना गंभीर सड़क हादसों का कारण बन सकता है। कुछ सेकेंड की लापरवाही चालक और अन्य लोगों की जान जोखिम में डाल सकती है। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि वाहन चलाते समय चालक का पूरा ध्यान सड़क और आसपास के यातायात पर होना चाहिए। मोबाइल फोन पर आने वाले संदेश, फोन कॉल और सूचनाएं चालक का ध्यान भटका सकती हैं, जिससे दुर्घटना होने की आशंका बढ़ जाती है। इसलिए वाहन चालकों को गाड़ी चलाते समय संदेश पढ़ने या भेजने, सामाजिक माध्यमों को देखने और मोबाइल की सूचनाएं जांचने से पूरी तरह परहेज करना चाहिए। उन्होंने सलाह दी कि यात्रा शुरू करने से पहले मोबाइल फोन को सुरक्षित स्थान पर रख लें, ताकि वाहन चलाते समय बार-बार फोन देखने की आदत से बचा जा सके। यदि कोई जरूरी फोन कॉल या संदेश आता है तो वाहन को पहले किसी सुरक्षित स्थान पर रोकें और उसके बाद ही मोबाइल का इस्तेमाल करें। इससे चालक स्वयं भी सुरक्षित रहेगा और सड़क पर चल रहे दूसरे लोगों को भी खतरा नहीं होगा।

सीबीआई ने संभाली झोटा हत्याकांड की जांच, चंडीगढ़ पीजीआई में होगा पोस्टमार्टम



- **सीबीआई ने संभाली झोटा हत्याकांड की जांच, विशेष टीम ने मानसा पहुंचकर जुटाए साक्ष्य**

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब के मानसा में नशे के खिलाफ आवाज उठाने वाले ड्रग एक्टिविस्ट परविंदर सिंह झोटा की हत्या के मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने अपने हाथ में ले ली है। जांच की जिम्मेदारी संभालने के बाद एजेंसी ने मामले से जुड़े साक्ष्य जुटाने और घटना के पीछे के तथ्यों का पता लगाने की प्रक्रिया तेज कर दी है। इसके लिए सीबीआई ने विशेष जांच टीम का गठन किया है, जो मानसा पहुंचकर जांच में जुट गई है।

सीबीआई की टीम ने संबंधित पुलिस थाने से मामले का रिकॉर्ड अपने कब्जे में ले लिया है। अब एजेंसी इस मामले में जल्द ही नई प्राथमिकी दर्ज कर आगे की जांच शुरू करेगी। जांच दल का नेतृत्व वरिष्ठ डीआइजी कर रहे हैं। बुधवार को टीम ने मृतक के परिवार से मुलाकात की और उनके बयान दर्ज किए। जांच के दौरान घटनास्थल और वारदात से जुड़े अन्य पहलुओं की पड़ताल की जाएगी। मामले की गंभीरता को देखते हुए फोरेंसिक विशेषज्ञों, ड्रग कंट्रोल अधिकारियों और अन्य विशेषज्ञों को भी जांच में शामिल किया गया है। इनकी मदद से महत्वपूर्ण साक्ष्यों का विश्लेषण कर हत्या से जुड़े तथ्यों को सामने लाने का प्रयास किया जाएगा।

परविंदर सिंह झोटा के शव का पोस्टमार्टम चंडीगढ़ स्थित पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (पीजीआई) में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम करेगी। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया मजिस्ट्रेट की निगरानी में पूरी की जाएगी। इससे मामले में चिकित्सकीय साक्ष्य जुटाने और जांच को आगे बढ़ाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

झोटा की 13 अक्टूबर को हत्या कर दी गई थी। इसके बाद से ही उनका परिवार न्याय की मांग पर अड़ा हुआ था। परिजनों ने मामले में निष्पक्ष कार्रवाई और दोषियों को सजा दिलाने की मांग करते हुए शव का अंतिम संस्कार नहीं किया था। परिवार की मांग थी कि हत्या के मामले में उचित जांच हो और उन्हें न्याय मिले। अब सीबीआई द्वारा जांच अपने हाथ में लिए जाने के बाद अंतिम संस्कार किए जाने की संभावना है।

चंडीगढ़ निगम चुनाव में मोदी के चेहरे और केंद्र की योजनाओं पर भाजपा लगाएगी दांव

चंडीगढ़ निगम चुनाव में मोदी के चेहरे पर दांव खेलेगी भाजपा

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। चंडीगढ़ नगर निगम के दिसंबर में प्रस्तावित चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज होने लगी हैं। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी जहां अपनी चुनावी रणनीति तैयार करने में जुटी हैं, वहीं भारतीय जनता पार्टी इस बार भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चेहरे को आगे रखकर चुनाव मैदान में उतरने की तैयारी कर रही है। पार्टी स्थानीय मुद्दों के साथ केंद्र सरकार की योजनाओं, विकास कार्यों और राष्ट्रीय स्तर पर लिए गए फैसलों को चुनाव प्रचार का मुख्य आधार बनाएगी। भाजपा की रणनीति प्रधानमंत्री के नेतृत्व और केंद्र सरकार की उपलब्धियों के सहारे मतदाताओं तक पहुंचने की है।

इस बार का नगर निगम चुनाव कई मायनों में अहम माना जा रहा है। नीट परीक्षा को लेकर हुए विरोध प्रदर्शनों और मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) को लेकर राजनीतिक विवाद के बीच यह चुनाव होगा। कांग्रेस



दिसंबर में प्रस्तावित चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज।

और आम आदमी पार्टी लगातार एसआइआर का विरोध कर रही हैं। ऐसे में चुनाव प्रचार के दौरान राष्ट्रीय मुद्दों के साथ मतदाता सूची से जुड़े सवाल भी राजनीतिक बहस का हिस्सा बन सकते हैं।

चंडीगढ़ में नगर निगम चुनाव का महत्व केवल शहर तक सीमित नहीं है। इसके राजनीतिक परिणामों का असर पंजाब की राजनीति पर भी पड़ सकता है। पंजाब में जनवरी 2027 में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। ऐसे में चंडीगढ़ निगम चुनाव को राजनीतिक दलों के लिए आगामी विधानसभा चुनाव से पहले अपनी ताकत परखने के अवसर के रूप में देखा जा रहा है।

भाजपा का मानना है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और केंद्र सरकार के विकास कार्यों को जनता के बीच ले जाकर चुनाव में लाभ हासिल किया जा सकता है। पार्टी स्थानीय नेताओं की लोकप्रियता के बजाय राष्ट्रीय नेतृत्व और सरकार की उपलब्धियों को प्रमुखता देने की रणनीति पर काम कर रही है। इसके पीछे संगठन के भीतर पहले सामने आ चुके मतभेद और गुटबाजी भी एक वजह माने जा रहे हैं।

पिछले निगम चुनाव के दौरान पार्षदों के बीच आपसी खींचतान और कुछ नेताओं के बीच मतभेदों ने संगठन की एकजुटता को लेकर सवाल खड़े किए थे। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र पाल मल्होत्रा नए चेहरों को अवसर देने के पक्ष में बताए जा रहे हैं।

शादी के 29 दिन बाद नवविवाहित की मौत, पत्नी समेत चार पर केस दर्ज

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। पंजाब के लुधियाना में शादी के कुछ ही दिनों बाद ससुराल पक्ष की ओर से कथित तौर पर अपमानित किए जाने से आहत एक नवविवाहित युवक की जहरीली दवा निगलने के बाद मौत हो गई। युवक ने छह अक्टूबर को जहरीला पदार्थ निगल लिया था। गंभीर हालत में उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां 19 अक्टूबर 2026 को उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान हरदीप सिंह के रूप में हुई है। उसके पिता पृथी सिंह की शिकायत के आधार पर पुलिस ने पत्नी प्रभजोत कौर, सास, ससुर जगरूप सिंह और रिश्ते की बिचोलन बलजिंदर कौर उर्फ राणो के खिलाफ आत्महत्या के लिए विवश करने के आरोप में मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस को दिए बयान में पृथी सिंह ने बताया कि उनके बेटे हरदीप सिंह का विवाह 20 सितंबर को प्रभजोत कौर के साथ धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार हुआ था। विवाह के तीन दिन बाद 23 सितंबर को हरदीप अपनी पत्नी के साथ उसके मायके गांव घवद्दी गया था। पिता का आरोप है कि वहां पत्नी, सास-ससुर और बिचोलन बलजिंदर कौर ने मिलकर हरदीप को अपमानित किया और उसके मान-सम्मान के खिलाफ अभद्र शब्दों का इस्तेमाल किया। शिकायतकर्ता के अनुसार, इस घटना से हरदीप मानसिक रूप से परेशान हो गया था। हालांकि, इन आरोपों की पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी। परिजनों के अनुसार, छह अक्टूबर को हरदीप ने घर में रखी जहरीली दवा निगल ली।

आतंक के मददगारों को ढूंढ निकालेगी पुलिस : डीजीपी

आतंकवादियों और उनके समर्थकों पर शिकंजा कसने के लिए पुलिस का अभियान होगा तेज

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर



जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नलिन प्रभात ने बुधवार को आतंकवादियों और उनके समर्थकों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि उनके दिन अब गिने-चुने बचे हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस आतंकवाद का समर्थन करने वाले तत्वों की पहचान कर उन्हें कानून के अनुसार सजा दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को जड़ से उखाड़ फेंकना और उससे जुड़े नेटवर्क को ध्वस्त करना पुलिस की प्राथमिकता है।

पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए डीजीपी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद और उसे बढ़ावा देने वाले प्रत्येक तत्व के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने आतंकवाद के समर्थकों को चेतावनी देते हुए कहा कि वे दुनिया के किसी भी कोने में छिप जाएं, पुलिस उन्हें ढूंढ निकालेगी और कानून के तहत उनके खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में शांति और स्थिरता कायम रखने के लिए सुरक्षा एजेंसियां पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही हैं।

डीजीपी प्रभात ने लोगों से एकता, आपसी विश्वास और सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि विविधता में एकता भारत की पहचान है और सामाजिक सौहार्द जम्मू-कश्मीर की प्रगति का महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने लोगों से उन ताकतों के प्रति सतर्क रहने का आग्रह किया, जो क्षेत्र की शांति भंग करने का प्रयास करती हैं। साथ ही जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना और अन्य सुरक्षा बलों को सहयोग देने की अपील भी की।

◆कचरे से संसाधन और रोजगार बढ़ाने पर जोर

डीजीपी ने महिलाओं और बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों की रोकथाम को भी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि समाज के कमजोर वर्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और पीड़ितों को समय पर न्याय दिलाना पुलिस की जिम्मेदारी है। इसके लिए अपराधों की निगरानी और रोकथाम से जुड़े तंत्र को मजबूत करने की आवश्यकता है। उन्होंने संबंधित व्यवस्थाओं को प्रभावी बनाने और अपराधों के खिलाफ समय रहते कार्रवाई करने पर जोर दिया।

नशामुक्त जम्मू-कश्मीर के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए प्रभात ने कहा कि नशीले पदार्थों की तस्करी और अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान को और तेज करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि नशे का कारोबार केवल कानून-व्यवस्था से जुड़ी समस्या नहीं है, बल्कि यह युवाओं के भविष्य, परिवारों के कल्याण और समाज की नैतिक शक्ति को भी प्रभावित करता है। इसलिए इस चुनौती से निपटने के लिए पुलिस और समाज को मिलकर प्रयास करने होंगे।

शहीद पुलिसकर्मियों को दी श्रद्धांजलि

पुलिस स्मृति दिवस पर डीजीपी ने कर्तव्य निभाते हुए अपने प्राण न्योछावर करने वाले पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि सुरक्षित, शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण और समृद्ध जम्मू-कश्मीर का निर्माण करना है। उन्होंने शहीदों के परिवारों के कल्याण और उन्हें निरंतर सहायता उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। डीजीपी ने जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के जवानों के साहस, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की। उन्होंने सुरक्षा बलों के अभियानों की सफलता और जवानों की सुरक्षा की कामना करते हुए कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सभी सुरक्षा एजेंसियों का समन्वय और जनता का सहयोग बेहद महत्वपूर्ण है।

रेस कोर्स मस्जिद के बेदखली नोटिस पर गहराया विवाद

धार्मिक संपत्तियों की सुरक्षा और वक्फ स्वायत्तता पर मीरवाइज और आगा ने उठाए सवाल

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

◆वक्फ अधिकारियों की भूमिका पर सवाल धार्मिक नेताओं ने मांगी जवाबदेही।

श्रीनगर। कश्मीर के मीरवाइज डॉ. मौलवी मोहम्मद उमर फारूक और अंजुमन-ए-शरी-ए-शियान के अध्यक्ष आगा सैयद हसन मौसवी अल-सफावी ने नई दिल्ली की ऐतिहासिक रेस कोर्स मस्जिद को छह दिन के भीतर खाली करने के कथित नोटिस पर गंभीर चिंता जताई है। दोनों धार्मिक नेताओं ने वक्फ अधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि कानूनी रूप से मान्यता प्राप्त मस्जिद की सुरक्षा सुनिश्चित करने में संबंधित अधिकारी प्रभावी कदम क्यों नहीं उठा रहे हैं। उन्होंने धार्मिक संपत्तियों के संरक्षण और वक्फ संस्थाओं की स्वायत्तता बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया।

मीरवाइज डॉ. मौलवी मोहम्मद उमर फारूक ने इंटरनेट मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि रेस कोर्स मस्जिद वर्ष 1977 से अधिसूचित वक्फ संपत्ति है। इसके साथ ही इसे सूचीबद्ध विरासत स्थल का दर्जा भी प्राप्त है। ऐसे में मस्जिद को खाली करने के कथित नोटिस की खबरें धार्मिक संपत्तियों की सुरक्षा और उनके कानूनी अधिकारों को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। उन्होंने चिंता जताई कि ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व वाली संपत्तियों के संरक्षण के लिए निर्धारित व्यवस्थाओं के बावजूद ऐसी स्थिति पैदा होना उचित नहीं है।



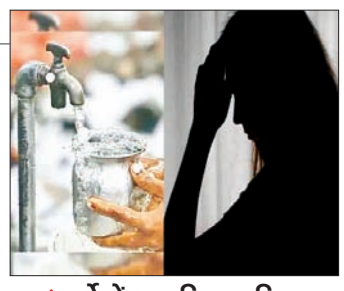
धार्मिक धरोहरों की सुरक्षा पर जोर

अंजुमन-ए-शरी-ए-शियान के अध्यक्ष आगा सैयद हसन मौसवी अल-सफावी ने भी मस्जिद को जारी किए गए कथित बेदखली नोटिस पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि वक्फ संपत्तियां धार्मिक आस्था के साथ-साथ ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व वाली धरोहरें हैं। इनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना संबंधित संस्थाओं और अधिकारियों की जिम्मेदारी है। ऐसी संपत्तियों में किसी भी तरह का मनमाना हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए। आगा हसन ने संबंधित अधिकारियों से मामले की समीक्षा करने, उचित कानूनी प्रक्रिया का पालन सुनिश्चित करने और मस्जिद की सुरक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाने का आग्रह किया।

मीरवाइज ने सवाल किया कि क्या मुस्लिम इबादतगाहों के लिए इस तरह की कार्रवाई सामान्य होती जा रही है। उन्होंने वक्फ संशोधनों और मुस्लिम धार्मिक संपत्तियों पर सरकारी नियंत्रण बढ़ाने के लिए नियुक्त नामित सदस्यों की भूमिका को लेकर अपना विरोध भी दोहराया। उनका कहना था कि यदि कानूनी मान्यता प्राप्त और ऐतिहासिक महत्व वाली मस्जिद की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं, तो अन्य धार्मिक संपत्तियों के संरक्षण की गारंटी कैसे दी जा सकती है। उन्होंने इस मामले को धार्मिक संस्थाओं के अधिकारों और उनकी स्वायत्तता से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय बताया।

कश्मीर के ग्रामीण इलाकों में पानी की कमी से महिलाएं परेशान

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर



◆सर्वे में 83 प्रतिशत परिवार प्रभावित, महिलाओं की सेहत और लड़कियों की पढ़ाई पर असर

कश्मीर के ग्रामीण इलाकों में पानी की कमी का असर अब महिलाओं की सेहत, रोजगार, लड़कियों की पढ़ाई और मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता पर भी पड़ने लगा है। कश्मीर विश्वविद्यालय के एक अध्ययन में सामने आया है कि सर्वे में शामिल 83 प्रतिशत परिवारों ने पानी की कमी का सामना किया, जबकि 94.7 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि पानी जुटाने की जिम्मेदारी के कारण उनके कामकाज के घंटे कम हो जाते हैं। अध्ययन के अनुसार, पानी लाने का मुख्य बोझ महिलाओं पर है, जिससे उन्हें शारीरिक और मानसिक थकान का सामना करना पड़ता है।

कश्मीर विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर विमेन स्टडीज एंड रिसर्च की वरिष्ठ सहायक प्रोफेसर डॉ. शाजिया मलिक के नेतृत्व में यह अध्ययन भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद की सहायता से संचालित 'नारी शक्ति एंड वाटर गवर्नेंस' परियोजना के तहत किया गया। इसमें बडगाम, पुलवामा और कुपवाड़ा जिलों के 70 से अधिक गांवों की 600 महिलाओं को शामिल किया गया।

अध्ययन के मुताबिक, सर्वे में शामिल 600 परिवारों में से 550 में पानी लाने की जिम्मेदारी महिलाओं पर थी। कुल 497 परिवारों ने पानी की कमी की बात कही, जबकि 589 महिलाओं ने पानी की बुनियादी सुविधाओं को अपर्याप्त बताया। वहीं, 122 परिवारों के लिए निकटतम जलस्रोत 500 मीटर से अधिक दूरी पर था। कई परिवारों को पानी लाने में आधे घंटे से ज्यादा समय लगता है।

सर्वे में 568 महिलाओं ने बताया कि पानी जुटाने के कारण उनके काम करने के घंटे कम हो जाते हैं। लगभग 87 प्रतिशत महिलाओं ने माना कि पानी की कमी से लड़कियों की शिक्षा प्रभावित होती है, जबकि करीब 91 प्रतिशत ने कहा कि इससे मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता बनाए रखना मुश्किल हो जाता है। अध्ययन में 95 प्रतिशत महिलाओं ने पानी से जुड़े कामों के कारण शारीरिक और मानसिक थकान की बात कही।

पिता और भाई की शहादत याद कर बेटी की आंखें छलकीं, मां भी रोई

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। कुछ जख्म ऐसे होते हैं, जिन्हें वक्त भी नहीं भर पाता। जम्मू के गांधीनगर पुलिस स्टेडियम में पुलिस स्मृति दिवस पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में ऐसा ही भावुक दृश्य देखने को मिला। बलिदानी हेड कांस्टेबल सोम नाथ शर्मा की बेटी मीनाक्षी शर्मा अपने पिता और भाई की तस्वीरों को देखकर आंसू नहीं रोक पाईं। पास खड़ी मां मोहिनी देवी भी पति और बेटे को याद कर भावुक हो उठीं। यह उस परिवार की कहानी है, जिसने देश की रक्षा करते हुए अपने दो प्रियजनों को खो दिया। मीनाक्षी शर्मा ने बताया कि उनके पिता हेड कांस्टेबल सोम नाथ शर्मा वर्ष 2002 में बम धमाके में बलिदान हो गए थे। पिता की शहादत के बाद परिवार को उम्मीद थी कि उनका बेटा गगन दीप शर्मा सहारा बनेगा, लेकिन उसने भी पिता के नक्शेकदम पर चलते हुए पुलिस की वर्दी पहनी और देशसेवा का रास्ता चुना। वर्ष 2007 में राजौरी जिले में हुए ग्रेनेड हमले में गगन दीप भी देश के लिए बलिदान हो गया। पांच बहनों के इकलौते भाई के जाने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। पिता के बाद भाई को खोने का दर्द आज भी परिवार के दिल में ताजा है। मीनाक्षी ने भावुक होकर कहा कि उनके भाई ने भारत माता की रक्षा को प्राथमिकता दी और देश के लिए अपना जीवन न्योछावर कर दिया।

सोनमर्ग में बिजली कटौती से पर्यटन कारोबार प्रभावित, व्यापारी परेशान

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर



होटल संचालकों और दुकानदारों को नुकसान, प्रशासन से नियमित बिजली आपूर्ति की मांग

गांदरबल जिले के विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल सोनमर्ग में बिजली की लंबी और अनियमित कटौती से पर्यटन कारोबार प्रभावित हो रहा है। इससे होटल संचालकों, दुकानदारों और स्थानीय सेवा प्रदाताओं की परेशानियां बढ़ गई हैं। शुरुआती सर्दियों के कारण तापमान में गिरावट के बीच बिजली आपूर्ति बाधित होने से पर्यटकों को भी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय कारोबारियों ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर बिजली आपूर्ति सुचारू बनाने की मांग की है।

होटल संचालकों के अनुसार, बिजली कटौती के कारण कमरों को गर्म रखने, गीजर चलाने, रोशनी और रसोई की व्यवस्था बनाए रखने में कठिनाई हो रही है। शाम के समय तापमान शून्य के करीब पहुंचने से गर्म पानी और हीटिंग की जरूरत बढ़ जाती है। ऐसे में होटल मालिकों को महंगे डीजल जनरेटरों का सहारा लेना पड़ रहा है, जिससे परिचालन खर्च बढ़ गया है।

स्थानीय होटल संचालक मुख्तार अहमद पठान ने कहा कि बिजली की अनियमित आपूर्ति के कारण कारोबार चलाना मुश्किल हो रहा है। बढ़ते खर्च के बावजूद पर्यटकों को किफायती दरों पर सुविधाएं देना चुनौती बन गया है। दुकानदारों और रेस्तरां संचालकों का कहना है कि शाम के समय बिजली न होने से बाजारों में अंधेरा रहता है और पर्यटकों की आवाजाही भी प्रभावित होती है।

सोनमर्ग व्यापार मंडल के अध्यक्ष फुरकान अहमद शेरा के अनुसार, बिजली विभाग ने क्षेत्र में छह घंटे की कटौती का कार्यक्रम घोषित किया है। उन्होंने कहा कि पर्यटन और स्थानीय आजीविका को बचाने के लिए नियमित बिजली आपूर्ति जरूरी है।

व्यापारियों ने बताया कि वे बिजली के बिलों का भुगतान कर रहे हैं, फिर भी उन्हें पर्याप्त आपूर्ति नहीं मिल रही। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कटौती के कार्यक्रम में बदलाव नहीं किया गया और विश्वसनीय आपूर्ति सुनिश्चित नहीं हुई, तो वे कारोबार बंद करने के लिए मजबूर होंगे।

रामनगर हादसे में बच्ची-महिला की मौत, दो परिवारों में मातम

रामनगर हादसे ने उजाड़े दो परिवार, मासूम ने खोई मां तो बच्ची की थमी सांसें

भारतेंदु संवाददाता, उधमपुर



पंचौड़ हादसे में चार वर्षीय तक्षिका और सुनीता की मौत, दो वर्षीय बच्चा

रामनगर के पंचौड़ में हुए दर्दनाक सड़क हादसे ने दो परिवारों की खुशियां छीन लीं। हादसे में चार वर्षीय तक्षिका और 24 वर्षीय सुनीता देवी की मौत हो गई। एक परिवार ने अपनी लाडली बच्ची को खो दिया, तो दूसरे परिवार के दो वर्षीय मासूम के सिर से मां का साया उठ गया। दोनों परिवारों में मातम पसरा है। अपनों को खोने का दर्द और परिजनों की बेबसी हादसे की भयावहता को बयां कर रही है।

चार वर्षीय तक्षिका के पिता राकेश कुमार अस्पताल के बाहर बेटी को याद कर फूट-फूटकर रोते रहे। छत्तराड़ी निवासी राकेश की आंखों में बेटी को खोने का गम साफ दिखाई दे रहा था। वह बार-बार अपनी लाडली को उठने के लिए कह रहे थे। जिस बेटी को अपनी आंखों के सामने बड़ा होते देखने के सपने उन्होंने संजोए थे, उसके हमेशा के लिए बिछुड़ जाने से वह पूरी तरह टूट गए। उनकी बेबसी देखकर वहां मौजूद लोगों की आंखें भी नम हो गईं।

राकेश कुमार ने रुंधे गले से बताया कि हादसे के बाद अस्पताल पहुंचने तक उनकी बेटी उनसे बातें कर रही थी। परिवार को उम्मीद थी कि समय पर उपचार मिलने से बच्ची की जान बच सकती है, लेकिन अस्पताल पहुंचने तक उनकी उम्मीद टूट गई। बेटी को बचाने की आस और उसे खोने का दर्द उनके चेहरे पर साफ झलक रहा था।

राकेश कुमार ने दूरदराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी और सड़कों की बदहाली पर सवाल उठाए। उनके अनुसार, घटनास्थल से रामनगर अस्पताल पहुंचने में करीब तीन घंटे लग गए। जब बच्ची की जान बचाने के लिए हर पल कीमती था, तब लंबा सफर परिवार की परेशानी बढ़ाता रहा।

बच्ची सहित पांच लोगों को रामनगर अस्पताल पहुंचाने वाले शादी लाल ने भी सड़क की खराब हालत पर नाराजगी जताई। उन्होंने बताया कि बच्ची रास्ते में ठीक से बातें कर रही थी और बार-बार पानी मांग रही थी। उनके अनुसार, जो सफर एक घंटे से भी कम समय में पूरा हो जाना चाहिए था, उसे तय करने में तीन घंटे लग गए। उनका मानना था कि सड़क बेहतर होती और बच्ची समय पर अस्पताल पहुंचती तो शायद उसकी जान बच सकती थी। हालांकि, बच्ची की मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। हादसे में 24 वर्षीय सुनीता देवी की मौत ने भी एक परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया। सुनीता अपने दो वर्षीय बच्चे के साथ थी।

बैंकों की सुस्ती से स्वरोजगार योजनाओं को झटका हजारों आवेदन लंबित

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर में स्वरोजगार योजनाओं के तहत ऋण वितरण की धीमी रफ्तार से युवाओं, कारीगरों और बुनकरों को परेशानी हो रही है। वित्त वर्ष 2025-26 की समीक्षा के अनुसार, कई योजनाओं में लक्ष्य के मुकाबले उपलब्धि काफी कम रही। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत 39,241 आवेदन बैंकों को भेजे गए, लेकिन 14,645 लाभार्थियों को ही ऋण स्वीकृत हुआ, जबकि 12,684 आवेदन लंबित रहे। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम में वित्तीय लक्ष्य का करीब 33 प्रतिशत ही हासिल हो पाया। कारीगरों और बुनकरों की ऋण योजना में 207 करोड़ रुपये के लक्ष्य के मुकाबले केवल 27.75 करोड़ रुपये वितरित किए गए। मिशन युवा के तहत भी 47,263 प्रायोजित मामलों में 18,753 लाभार्थियों को ऋण मिला। मुख्य सचिव ने बैंकों को लंबित मामलों का तेजी से निपटारा करने और पात्र युवाओं को अनावश्यक परेशानी से बचाने के निर्देश दिए।

कश्मीरी हस्तशिल्प को बढ़ावा देने के लिए एक हजार कारीगरों को प्रशिक्षण

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर



कश्मीर के पारंपरिक हस्तशिल्प को व्यापक बाजार तक पहुंचाने और कारीगरों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से हस्तशिल्प एवं हथकरघा निदेशालय, कश्मीर ने एक हजार से अधिक कारीगरों, बुनकरों, सहकारी समितियों और स्वयं सहायता समूहों को प्रशिक्षण दिया। इस पहल के तहत पारंपरिक उत्पादों की ब्रांडिंग, पैकेजिंग और भौगोलिक संकेतक (जीआई) लेबलिंग के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। इसका उद्देश्य कश्मीर की समृद्ध शिल्प परंपरा को आधुनिक बाजार की जरूरतों के अनुरूप विकसित करना और स्थानीय उत्पादों को व्यापक पहचान दिलाना है।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय की रैंप (आरएएमपी) पहल के अंतर्गत श्रीनगर स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (निफ्ट) में दस क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें विभिन्न पारंपरिक शिल्प से जुड़े लोगों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान कारीगरों को अपने उत्पादों की विशेषताओं को बेहतर ढंग से प्रस्तुत करने, आकर्षक पैकेजिंग अपनाने और बाजार में अलग पहचान बनाने के तरीके बताए गए।

कार्यक्रमों में सोजनी, क्रूएल और आरी कढ़ाई, अखरोट की लकड़ी पर नक्काशी, पेपर माशी, पश्मीना, ट्वीड और पट्टू बुनाई से जुड़े कारीगर शामिल हुए। इन पारंपरिक कलाओं का कश्मीर की सांस्कृतिक विरासत और स्थानीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण स्थान है। ऐसे में इनसे जुड़े उत्पादों को नए बाजारों तक पहुंचाना कारीगरों के लिए रोजगार और आय के अतिरिक्त अवसर पैदा कर सकता है।

प्रशिक्षण के दौरान निफ्ट के विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को ब्रांड निर्माण, उत्पादों की आकर्षक प्रस्तुति और उनकी प्रकृति के अनुरूप पैकेजिंग तैयार करने की जानकारी दी। उन्हें समझाया गया कि बेहतर पैकेजिंग से उत्पादों को सुरक्षित रखने और उनकी गुणवत्ता बनाए रखने में मदद मिलती है। वहीं, प्रभावी ब्रांडिंग ग्राहकों के बीच उत्पाद की पहचान बनाने और उसे दूसरे उत्पादों से अलग दिखाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

दिव्यांगों ने पेंशन बढ़ाने, आरक्षण देने और आयुक्त नियुक्त करने की उठाई मांग

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर



श्रीनगर के प्रेस एनक्लेव में जम्मू-कश्मीर हैंडीकैप्ड एसोसिएशन के बैनर तले दिव्यांगों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से मासिक दिव्यांग पेंशन बढ़ाकर 20 हजार से 30 हजार रुपये करने की मांग की। इसके अलावा शिक्षा, सरकारी नौकरियों और अन्य क्षेत्रों में आरक्षण देने के साथ जम्मू-कश्मीर में दिव्यांग आयुक्त नियुक्त करने की मांग भी उठाई। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि दिव्यांग समुदाय को आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक स्तर पर कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में सरकार को उनकी समस्याओं के समाधान के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए।

प्रेस एनक्लेव में पत्रकारों से बातचीत करते हुए एसोसिएशन के अध्यक्ष अब्दुल रशीद भट ने कहा कि प्रदर्शन का उद्देश्य दिव्यांग समुदाय की समस्याओं को सरकार के ध्यान में लाना और उनके कल्याण के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग करना है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगों को सम्मानजनक जीवन जीने के लिए आर्थिक सुरक्षा और समान अवसर उपलब्ध कराना जरूरी है। मौजूदा परिस्थितियों में बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए पेंशन की राशि बढ़ाई जानी चाहिए, ताकि दिव्यांग लोग अपनी दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ सम्मानपूर्वक जीवन व्यतीत कर सकें।

अब्दुल रशीद भट ने जम्मू-कश्मीर में दिव्यांग आयुक्त की नियुक्ति की मांग करते हुए कहा कि यह पद दिव्यांगों की शिकायतों के निवारण और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि आयुक्त की नियुक्ति होने से दिव्यांग समुदाय से जुड़े मामलों को प्रभावी ढंग से उठाने और उनका समाधान करने में मदद मिल सकती है। उन्होंने सरकार से इस दिशा में जल्द कदम उठाने की अपील की।

प्रदर्शनकारियों ने शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में दिव्यांगों को पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराने की मांग की। उनका कहना था कि दिव्यांग लोगों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए शिक्षा और रोजगार तक उनकी पहुंच सुनिश्चित करना जरूरी है। आरक्षण और अन्य आवश्यक सुविधाएं मिलने से उन्हें आगे बढ़ने तथा समाज की मुख्यधारा से जुड़ने में मदद मिलेगी।

आस्था नवरात्र के बाद घटी श्रद्धालुओं की संख्या, भैया दूज के बाद संख्या बढ़ने की उम्मीद

मौसम खुलते ही वैष्णो देवी यात्रा ने पकड़ी रफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, कटड़ा



मौसम सामान्य रहने और धूप खिलने के साथ ही मां वैष्णो देवी की यात्रा सुचारू रूप से जारी है। यात्रा मार्ग पर ठंडी हवाएं चलने के बावजूद श्रद्धालुओं के उत्साह में कोई कमी नहीं आई है। देश के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालु परिवार और मित्रों के साथ कटड़ा पहुंचकर पंजीकरण करवाने के बाद मां के भवन की ओर रवाना हो रहे हैं। बुधवार को भी कटड़ा से लेकर भवन तक यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। मौसम अनुकूल होने के कारण श्रद्धालुओं को यात्रा के दौरान किसी बड़ी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा।

बुधवार को दिनभर मौसम साफ रहा और धूप खिली रही। हालांकि, मौसम में बदलाव के कारण ठंडी हवाएं चलती रहीं, लेकिन श्रद्धालु मां के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ते रहे। यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए श्रद्धालुओं को हेलीकॉप्टर, बैटरी कार, रोपवे, घोड़ा, पिट्ठू और पालकी जैसी सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। इन सुविधाओं के माध्यम से श्रद्धालु अपनी सुविधानुसार मां के भवन तक पहुंच रहे हैं।

पवित्र शारदीय नवरात्र संपन्न होने के बाद मां वैष्णो देवी की यात्रा में श्रद्धालुओं की संख्या में कमी दर्ज की गई है। नवरात्र के दौरान प्रतिदिन लगभग 45 हजार से 50 हजार श्रद्धालु मां के दर्शन के लिए कटड़ा पहुंच रहे थे। वहीं, अब प्रतिदिन आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या घटकर करीब 22 हजार से 28 हजार के बीच रह गई है। दीपावली सहित अन्य त्योहार नजदीक होने के कारण आगामी दिनों में श्रद्धालुओं की संख्या में और गिरावट आने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि, भैया दूज के बाद यात्रा में फिर से तेजी आने की उम्मीद है।

मां वैष्णो देवी के दर्शन करने के बाद श्रद्धालु भैरव घाटी पहुंचकर बाबा भैरवनाथ के दर्शन भी कर रहे हैं। यात्रा पूरी करने के बाद श्रद्धालु वापस कटड़ा लौटते हैं और यहां के बाजारों में खरीदारी करते हैं। इससे कटड़ा के बाजारों में रौनक बनी हुई है और स्थानीय दुकानदारों को भी लाभ मिल रहा है। त्योहारों के नजदीक आने के साथ बाजारों में श्रद्धालुओं की खरीदारी गतिविधियां जारी हैं।

दोपहर तीन बजे तक 19 हजार श्रद्धालुओं ने कराया पंजीकरण

उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, बुधवार, 21 अक्टूबर को दोपहर तीन बजे तक करीब 19 हजार श्रद्धालु पंजीकरण करवाकर मां वैष्णो देवी के भवन की ओर रवाना हो चुके थे। इसके बाद भी कटड़ा पहुंचने और पंजीकरण करवाने वाले श्रद्धालुओं का सिलसिला जारी रहा। मौसम सामान्य रहने और यात्रा के लिए विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध होने से श्रद्धालु आसानी से मां के दर्शन कर रहे हैं। कटड़ा। मौसम साफ रहने और धूप खिलने से मां वैष्णो देवी की यात्रा सुचारू रूप से जारी है। ठंडी हवाओं के बावजूद श्रद्धालुओं के उत्साह में कमी नहीं आई है। शारदीय नवरात्र संपन्न होने के बाद श्रद्धालुओं की संख्या घटकर प्रतिदिन करीब 22 हजार से 28 हजार रह गई है। नवरात्र के दौरान यह संख्या 45 हजार से 50 हजार तक पहुंच रही थी। बुधवार को दोपहर तीन बजे तक करीब 19 हजार श्रद्धालु पंजीकरण करवाकर भवन की ओर रवाना हो चुके थे। श्रद्धालुओं को हेलीकॉप्टर, बैटरी कार, रोपवे, घोड़ा, पिट्ठू और पालकी जैसी सुविधाएं मिल रही हैं।

कहां से कहां आ गए हम

मनुष्य के जीवन में समय के साथ अनेक परिवर्तन आते रहते हैं। कभी हम कच्चे मिट्टी के घरों में रहकर भी खुश रहते थे, लेकिन आज गगनचुंबी इमारतों में रहने के बावजूद सुकून की तलाश में भटक रहे हैं। एक समय ऐसा भी था, जब हमारे पास साधन कम थे, लेकिन अपनों का साथ और रिश्तों में मिठास अधिक थी। आज सुख-सुविधाओं की कोई कमी नहीं है, फिर भी मन में खालीपन है। यदि हम अपने अतीत और वर्तमान की तुलना करें, तो समाज, शिक्षा, तकनीक, रहन-सहन और मानवीय संबंधों में बड़ा बदलाव दिखाई देता है।

विज्ञान और तकनीक ने हमारी दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। पहले दूर देश में बैठे व्यक्ति से बात करने के लिए पत्र लिखना पड़ता था और कई दिनों तक उत्तर की प्रतीक्षा करनी पड़ती थी। आज मोबाइल फोन और इंटरनेट के माध्यम से कुछ ही सेकंड में दुनिया के किसी भी कोने में बैठे व्यक्ति से बात कर सकते हैं और उसका चेहरा भी देख सकते हैं। चिकित्सा, परिवहन और शिक्षा के क्षेत्र में हुई प्रगति ने जीवन को सुविधाजनक बनाया है। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या केवल सुविधाओं का बढ़ना ही वास्तविक विकास है? क्या आधुनिक बनने की दौड़ में हम अपनी संवेदनाओं, संस्कारों और मानवीय मूल्यों को पीछे छोड़ते जा रहे हैं?

एक समय था, जब परिवार के सभी सदस्य एक साथ बैठकर भोजन करते थे। दादा-दादी की कहानियां बच्चों के लिए मनोरंजन के साथ शिक्षा का माध्यम भी होती थीं। त्योहारों पर पूरा परिवार एकत्रित होता था और पड़ोसी भी परिवार के सदस्यों की तरह सुख-दुख में साथ देते थे। आज कई घरों में एक ही छत के नीचे रहने वाले लोग अपने-अपने मोबाइल फोन में व्यस्त रहते हैं। बातचीत कम हो गई है और दूरियां बढ़ने लगी हैं। सोशल मीडिया पर हजारों मित्र होने के बावजूद वास्तविक जीवन में अपनी परेशानी साझा करने के लिए कोई अपना ढूंढ़ना मुश्किल हो गया है।



शिक्षा के क्षेत्र में भी बड़ा बदलाव आया है। आज ऑनलाइन कक्षाओं, डिजिटल पुस्तकालयों और आधुनिक तकनीक ने ज्ञान प्राप्त करना आसान बना दिया है। शिक्षा का उद्देश्य केवल अच्छे अंक प्राप्त करना और अधिक धन कमाना नहीं होना चाहिए, बल्कि एक अच्छा इंसान बनना भी होना चाहिए। यदि हम डिग्रियां प्राप्त कर लें, लेकिन दूसरों के प्रति सम्मान, ईमानदारी और सहानुभूति खो दें, तो हमारी शिक्षा अधूरी है।

आधुनिक जीवनशैली ने हमारी इच्छाओं को बढ़ा दिया है। हम एक-दूसरे से आगे निकलने, अधिक धन कमाने और बेहतर जीवन दिखाने की होड़ में लगे हैं। सफलता को महंगी गाड़ियों, बड़े घरों और महंगे कपड़ों से मापा जाने लगा है। इसी प्रतिस्पर्धा में हम अपने स्वास्थ्य, मानसिक शांति और परिवार के लिए समय निकालना भूल गए हैं। प्रकृति के साथ हमारा संबंध भी कमजोर हुआ है। विकास के नाम पर पेड़ों की कटाई, प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन भविष्य के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है।

हालांकि, अतीत की हर बात अच्छी नहीं थी और वर्तमान की हर बात बुरी भी नहीं है। पहले चिकित्सा सुविधाएं सीमित थीं, महिलाओं और वंचित वर्गों को अनेक अधिकारों से वंचित रखा जाता था तथा अवसरों तक पहुंच कठिन थी। आज विज्ञान, समानता, जागरूकता और लोकतांत्रिक मूल्यों ने समाज को बेहतर बनाने के अनेक अवसर दिए हैं। इसलिए आवश्यकता अतीत में लौटने की नहीं, बल्कि उसकी अच्छी बातों को वर्तमान की उपलब्धियों के साथ जोड़ने की है।

एआई निर्मित चित्र।



विजय शर्मा

हमें तकनीक का उपयोग करना चाहिए, लेकिन उसका गुलाम नहीं बनना चाहिए। आधुनिक शिक्षा प्राप्त करनी चाहिए, लेकिन अपने संस्कारों को नहीं भूलना चाहिए। धन कमाना चाहिए, लेकिन रिश्तों की कीमत पर नहीं। विकास करना चाहिए, लेकिन प्रकृति को नष्ट करके नहीं। हमें स्वयं से प्रश्न करना होगा कि इस महायात्रा में हमने क्या पाया और क्या खोया है। वास्तविक प्रगति वही है, जिसमें विज्ञान के साथ विवेक, सफलता के साथ संवेदनशीलता और आधुनिकता के साथ मानवीयता भी बनी रहे। यदि हम अपनी जड़ों से जुड़े रहते हुए भविष्य की ओर बढ़ें, तो हमारा विकास केवल बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक भी होगा। यही बदलाव हमारे जीवन को सचमुच सुंदर और सार्थक बना सकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

यदि दयालुता हमारा स्वभाव है, तो हिंसा कहां से आती है?

हर व्यक्ति का स्वाभाविक स्वरूप दयालु, प्रेमपूर्ण, करुणामय और आनंदमय होता है। कोई भी बच्चा बिना किसी कारण के नहीं रोता। वह तभी रोता है, जब उसे भूख लगी हो, नींद आ रही हो या वह किसी बात से भयभीत हो। इसी प्रकार, यदि कोई व्यक्ति हिंसक व्यवहार करता है, तो उसके पीछे भी कोई न कोई कारण अवश्य होता है। यदि किसी व्यक्ति में करुणा का अभाव है, तो उसके पीछे भी कोई कारण हो सकता है। जब हम उसकी समस्या की जड़ तक पहुँचने का प्रयास करते हैं, तो वहाँ अक्सर अकेलापन, भय, अस्वीकृति की भावना और अपनेपन का अभाव दिखाई देता है।

जब कोई व्यक्ति शारीरिक रूप से बीमार होता है, तो हम उसे अस्पताल भेजते हैं। लेकिन जब उसके व्यवहार में विकृति आ जाती है, तो हम उसे जेल भेज देते हैं। दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि जेल में भी उसे ऐसे साधन और तकनीकें नहीं मिल पातीं, जिनकी सहायता से वह अपने व्यवहार को सुधार सके, अपनी भावनाओं को समझ सके और उनमें सकारात्मक परिवर्तन ला सके।

आज दुनिया में होने वाली हिंसा के पीछे मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियाँ भी एक महत्त्वपूर्ण कारण हैं। मानसिक स्वास्थ्य विश्व के सामने खड़ी बड़ी चुनौतियों में से एक है। विकासशील और विकसित देशों से लेकर युद्धग्रस्त क्षेत्रों और शांतिपूर्ण समाजों तक, यह समस्या सभी को प्रभावित करती है। यह अत्यंत चिंताजनक है कि हर 42 सेकंड में एक व्यक्ति अपना जीवन समाप्त कर रहा है। असंख्य युवा या तो आक्रामक और हिंसक होते जा रहे हैं या अवसाद का शिकार बन रहे हैं। भारत अपनी समृद्ध आध्यात्मिक परंपरा और ध्यान की विधियों के माध्यम से इस संकट से निपटने में विश्व की सहायता कर सकता है।



एआई निर्मित चित्र।

सामान्यत: न तो घर में और न ही विद्यालय में हमें अपनी भावनाओं को संभालना सिखाया जाता है। कभी-कभी अकेलापन महसूस करना स्वाभाविक है। धन, परिवार और



गुरुदेव श्री श्री रविशंकर

मित्रों की मौजूदगी के बावजूद व्यक्ति भीतर से उदास और अकेला महसूस कर सकता है। आज अकेलापन मानसिक स्वास्थ्य की एक गंभीर चुनौती बन गया है, क्योंकि हमने स्वयं के साथ रहना और अपने भीतर शांति बनाए रखना नहीं सीखा है। यदि हम अपने भीतर शांति और आनंद अनुभव करना सीख लें, तो हमारी सकारात्मकता आसपास के लोगों तक भी पहुँचने लगेगी।

यहाँ हमारी श्वास स्वस्थ मन की कुंजी बन सकती है। स्वस्थ मन का लक्षण है चेहरे पर ऐसी मुस्कान, जिसे कोई छीन न सके, और भीतर ऐसा आत्मविश्वास, जिससे हम किसी भी चुनौती का सामना कर सकें। स्वस्थ मन आलोचना को स्वीकार करने के साथ-साथ रचनात्मक आलोचना करने का साहस भी देता है। यह निर्भय होने के साथ विनम्र बने रहने की क्षमता है।

हर भावना हमारे शरीर में विशेष संवेदनाएँ उत्पन्न करती है और उसका संबंध हमारी श्वास से भी होता है। उदासी में हमारी श्वास का ढंग अलग होता है, जबकि प्रसन्नता में वह अलग होता है। क्रोध, निराशा और ईर्ष्या जैसी भावनाओं को हम अक्सर भीतर दबाकर रखते हैं। ऐसे में श्वास पर ध्यान देना हमें अपने मन को समझने और भावनाओं को संतुलित करने में सहायता कर सकता है।

दुनिया भर में करोड़ों लोगों ने सरल श्वास तकनीकों और ध्यान को अपनाया है। सुदर्शन क्रिया जैसी विधियों ने अनेक लोगों को चिंता और निराशा से उबरने में सहायता दी है। ये तकनीकें हमें अपने मन का स्वामी बनना सिखाती हैं, ताकि हम अपनी भावनाओं के शिकार बनने के बजाय उन्हें समझकर जीवन में संतुलन, शांति और आनंद ला सकें।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

बच्चों को सुविधाएं नहीं, माता-पिता का समय भी चाहिए

यह कैसी विडंबना है कि आज कई माता-पिता बेहतर जीवन और अधिक सुविधाओं के लिए अपने छोटे बच्चों को आया के भरोसे छोड़ देते हैं और फिर खुद को समझाते हैं कि वे सब कुछ बच्चों के भविष्य के लिए ही कर रहे हैं। शाम को जब थकी हुई मां घर लौटती है तो कई बार बच्चा उसकी गोद में जाने के बजाय आया से लिपट जाता है। यह दृश्य केवल किसी एक घर की कहानी नहीं, बल्कि बदलती जीवनशैली की उस सच्चाई की ओर संकेत करता है, जहां आर्थिक सफलता की दौड़ में बच्चों के साथ बिताया जाने वाला समय लगातार कम होता जा रहा है।

पैसा कमाते-कमाते बच्चों का बचपन न खो दें



एआई निर्मित चित्र।

बच्चे के जीवन के शुरुआती वर्ष उसके भावनात्मक विकास के लिए बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। सुबह उठने से लेकर खाना खाने, खेलने, नहाने और सोने तक यदि हर जरूरत पूरी करने वाला व्यक्ति आया हो और माता-पिता केवल कुछ घंटों के लिए उपलब्ध हों, तो स्वाभाविक है कि बच्चे का भावनात्मक जुड़ाव उसी व्यक्ति से अधिक हो सकता है जिसके साथ वह दिन का अधिकांश समय बिताता है। माता-पिता का थका हुआ होकर देर रात घर लौटना इस दूरी को और बढ़ा सकता है। समस्या आया रखना मात्र नहीं है, बल्कि समस्या तब पैदा होती है जब माता-पिता अपनी जिम्मेदारी का बड़ा हिस्सा पूरी तरह किसी दूसरे व्यक्ति को सौंप देते हैं।

कामकाजी होना कोई गलत बात नहीं है। अनेक माता-पिता आर्थिक जरूरतों, परिवार की जिम्मेदारियों और बेहतर अवसरों के लिए काम करते हैं। ऐसे परिवारों में आया या देखभाल करने वाले व्यक्ति की भूमिका महत्वपूर्ण भी हो सकती है। लेकिन बच्चे की देखभाल और बच्चे की परवरिश एक जैसी नहीं होती। खाना खिला देना, नहला देना या सुला देना देखभाल है, जबकि उसके साथ संवाद करना, उसकी भावनाओं को समझना, सही-गलत बताना, कहानी सुनाना, अनुशासन सिखाना और सुरक्षा का भाव देना परवरिश का हिस्सा है। यह जिम्मेदारी माता-पिता से पूरी तरह अलग नहीं की जा सकती।



नरेंद्र भारती, वरिष्ठ पत्रकार

यह भी समझना जरूरी है कि आया स्वयं भी एक इंसान है। वह अपने परिवार और बच्चों से दूर रहकर किसी दूसरे परिवार के बच्चे की देखभाल कर रही हो सकती है। इसलिए उसे दोष देना उचित नहीं। समस्या उस व्यवस्था में है जिसमें आर्थिक सुविधा के कारण माता-पिता धीरे-धीरे अपने बच्चे के जीवन में उपस्थित रहने की जिम्मेदारी कम कर देते हैं। बच्चे को महंगे स्कूल, खिलौने, कपड़े और सुविधाएं मिल सकती हैं, लेकिन उसके विकास के लिए माता-पिता का समय, स्नेह और संवाद भी उतना ही आवश्यक है।

सबसे बड़ी चिंता तब होती है जब माता-पिता बच्चे की हर जरूरत को वस्तुओं से पूरा करने की कोशिश करते हैं। बड़ी गाड़ी, बड़ा घर और महंगा स्कूल बच्चे की भावनात्मक जरूरतों का विकल्प नहीं हो सकते। बच्चे को सबसे अधिक आवश्यकता अपने माता-पिता के साथ सुरक्षित और आत्मीय संबंध की होती है। बचपन लौटकर नहीं आता। आज जिस समय को नौकरी, मोबाइल और सामाजिक प्रतिष्ठा के पीछे छोड़ दिया जाता है, उसे भविष्य में पैसे देकर वापस नहीं पाया जा सकता।

इसलिए जरूरत काम छोड़ने की नहीं, बल्कि संतुलन बनाने की है। माता-पिता चाहे कितने भी व्यस्त हों, उन्हें रोज कुछ समय केवल बच्चे के लिए निकालना चाहिए। घर लौटने के बाद मोबाइल और दूसरी व्यस्तताओं से दूरी बनाकर बच्चे से बात करना, उसके साथ खेलना, उसकी बातें सुनना और रात में कहानी सुनाना छोटी बातें लग सकती हैं, लेकिन यही छोटी बातें बच्चे के मन में जीवनभर की सुरक्षा और अपनापन पैदा करती हैं। सप्ताह में कुछ समय परिवार के लिए तय किया जा सकता है, जिसमें बच्चे को माता-पिता का पूरा ध्यान मिले।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

घर में बेटियां होने पर ऐतराज, मुहल्ले में नौ देवियों की तलाश



एआई निर्मित चित्र।

हमारे देश में कन्या भ्रूण हत्या एक बेहद शर्मनाक और चिंताजनक सच बन गया है। यह समाज के लिए एक विकृत अभिशाप के समान है। कन्या भ्रूण हत्या के कारण समाज में लैंगिक असंतुलन बढ़ रहा है और बालिकाओं की संख्या में गिरावट देखने को मिल रही है। देश के किसी न किसी कोने में आज भी कन्या को जन्म लेने से पहले ही मां की कोख में मार दिया जाता है। कई निजी अस्पतालों और नर्सिंग होम में कानून की अनदेखी कर चोरी-छिपे भ्रूण का लिंग परीक्षण किया जाता है और पुत्र की चाह में कन्या भ्रूण की हत्या कर दी जाती है। यह न केवल जघन्य अपराध है, बल्कि मानवता को शर्मसार करने वाला कृत्य भी है। इस अवैध धंधे में शामिल लोग मोटी रकम वसूलकर समाज में फैली इस बुराई को बढ़ावा दे रहे हैं। कानून के अनुसार भ्रूण का लिंग परीक्षण और लिंग चयन प्रतिबंधित है, लेकिन इसके बावजूद इस पर पूरी तरह अंकुश नहीं लग पाया है।

कन्या भ्रूण हत्या के लिए जहां पुत्र की चाह रखने वाले परिवार जिम्मेदार हैं, वहीं ऐसे अस्पतालों और नर्सिंग होम की भूमिका भी कम नहीं है, जो पैसे के लालच में इस अपराध को अंजाम देते हैं।

आज आवश्यकता केवल कानून बनाने की नहीं, बल्कि लोगों की मानसिकता बदलने की है। हमारे समाज में लड़का पैदा होने पर उत्सव मनाया जाता है, जबकि लड़की के जन्म पर कई परिवारों में खुशी का अभाव दिखाई देता है। यह दोहरा व्यवहार अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। नवरात्रों के दौरान लोग कन्या पूजन के लिए दूसरों के घरों से बेटियों को आमंत्रित करते हैं और देवी दुर्गा, लक्ष्मी तथा सरस्वती की पूजा करते हैं, लेकिन अपने घर में बेटी के जन्म को लेकर असहज महसूस करते हैं। आखिर यह कैसा विरोधाभास है कि समाज एक ओर कन्या को देवी मानकर पूजता है और दूसरी ओर उसे जन्म लेने से पहले ही समाप्त करने का प्रयास करता है?

विडंबना यह भी है कि पढ़े-लिखे लोग भी पुत्र प्राप्ति की चाह में अंधविश्वास और अनुचित तरीकों का सहारा लेते हैं। वे यह भूल जाते हैं कि बुढ़ापे में माता-पिता का सहारा केवल बेटा ही नहीं, बल्कि बेटी भी बन सकती है। आज अनेक वृद्धाश्रम ऐसे बुजुर्गों से भरे हुए हैं, जिनकी अपनी संतानें उनकी देखभाल नहीं करतीं।



तुलसी राम डोगरा

ऐसे में पुत्र को ही बुढ़ापे का सहारा मानना गलत धारणा है। हिमाचल प्रदेश जैसे शिक्षित और देवभूमि कहलाने वाले राज्य में भी बदलती सामाजिक सोच तथा आधुनिक जीवनशैली के प्रभाव से लिंगानुपात में गिरावट चिंता का विषय है। महिलाओं को सम्मान देने वाली हमारी संस्कृति में कन्या भ्रूण हत्या जैसी कुप्रथा का बने रहना समाज की सोच पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

कविता

मेरे चले जाने के बाद।।

अतुल कुमार, गाँव गड़खल, तहसील कसौली, जिला सोलन, हि.प्र.

जब तुम मायके आओगी
कौन,तेरी चाय बनाएगा,
कौन तुम्हे, खाना खिलाएगा,
कौन तेरी गंभीर बात पर
अपनी राय बताएगा।।
कौन कहेगा, अब आई हो तो
टिक जाना एक दो रोज
कौन कहेगा,सुसराल में काम में
लगी रहती होगी अब थोड़ी
मायके में कर लो मौज।।
कौन तुझे बिस्तर पर चाय देगा,
कौन,सुबह देर तक सोने देगा,
कौन सुबह से थोड़ी फुर्सत चुरा कर
तेरे संग बैठेगा,
तुझसे बात करने से
काम में देर होती है तो होने देगा।।
कौन अलग से रखेगा
तेरे लिए एक डिब्बा आचार
जब चलने लगेगी तू कौन मुट्ठी बन्द कर के
रख देगा हाथ में
तीज त्योहार।।
कौन तुझे देख कर बिन कहे तेरा चेहरा पढ़ लेगा
तेरे दिल की बात समझेगा
तू गलत हो या सही हो
कौन तेरे लिए दुनिया से लड़ लेगा।।

संपादकीय

समय का महत्व

समय मनुष्य के जीवन की सबसे मूल्यवान संपत्ति है। संसार में धन, संपत्ति और अन्य संसाधनों को दोबारा प्राप्त किया जा सकता है, लेकिन बीता हुआ समय कभी लौटकर नहीं आता। यही कारण है कि समय को जीवन का सबसे बड़ा धन कहा गया है। जो व्यक्ति समय के महत्व को समझता है और उसका सही उपयोग करना जानता है, वह जीवन में अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ता है। इसके विपरीत, जो व्यक्ति समय को व्यर्थ गंवाता है, उसे बाद में पछताना पड़ सकता है। समय किसी के लिए नहीं रुकता। वह निरंतर आगे बढ़ता रहता है और अपने साथ जीवन के अवसरों को भी आगे ले जाता है।

मनुष्य के जीवन में समय का महत्व बचपन से ही शुरू हो जाता है। विद्यार्थी जीवन में समय का सदुपयोग शिक्षा, अनुशासन और अच्छे संस्कारों की नींव तैयार करता है। जो विद्यार्थी नियमित रूप से पढ़ाई करते हैं, समय पर अपना कार्य पूरा करते हैं और अपने दैनिक जीवन में अनुशासन बनाए रखते हैं, वे परीक्षा के समय अनावश्यक तनाव से बच सकते हैं। इसके विपरीत, पढ़ाई को लगातार टालने और अंतिम समय में तैयारी करने की आदत से कठिनाइयां बढ़ सकती हैं। इसलिए विद्यार्थियों को पढ़ाई, खेलकूद, आराम और अन्य गतिविधियों के लिए समय निर्धारित करना चाहिए।

समय का महत्व केवल विद्यार्थियों तक सीमित नहीं है। नौकरी करने वाले लोगों, व्यापारियों, किसानों, श्रमिकों और समाज के प्रत्येक व्यक्ति के लिए समय का उचित प्रबंधन आवश्यक है। किसान यदि सही समय पर बुवाई और कटाई नहीं करता, तो उसकी फसल प्रभावित हो सकती है। व्यापारी के लिए ग्राहकों की जरूरतों को समय पर पूरा करना महत्वपूर्ण होता है। इसी प्रकार, किसी कार्यालय में निर्धारित समय पर काम पूरा होने से व्यवस्था सुचारु रहती है। समय की पाबंदी व्यक्ति की जिम्मेदारी, गंभीरता और कार्य के प्रति समर्पण को भी दर्शाती है।

आज के डिजिटल युग में समय का महत्व और बढ़ गया है। मोबाइल फोन, सामाजिक माध्यमों और मनोरंजन के अनेक साधनों ने लोगों के जीवन को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन इनके अनियंत्रित उपयोग से समय की बर्बादी भी बढ़ सकती है। कई लोग कुछ मिनटों के लिए मोबाइल चलाना शुरू करते हैं और देखते ही देखते उनका काफी समय निकल जाता है। इसका असर पढ़ाई, काम, नींद और पारिवारिक जीवन पर पड़ सकता है। तकनीक का उपयोग तभी लाभदायक है, जब वह हमारे उद्देश्यों को पूरा करने में सहायता करे, न कि हमें अपने जरूरी कार्यों से दूर ले जाए। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने समय और डिजिटल गतिविधियों के बीच संतुलन बनाए रखना चाहिए।

समय का सदुपयोग करने के लिए सबसे पहले अपने लक्ष्यों को स्पष्ट करना आवश्यक है। जब व्यक्ति को यह पता होता है कि उसे क्या हासिल करना है, तो वह अपनी प्राथमिकताओं को बेहतर ढंग से तय कर सकता है। दिन की शुरुआत में जरूरी कार्यों की सूची बनाना, महत्वपूर्ण काम पहले पूरा करना और अनावश्यक गतिविधियों से बचना समय प्रबंधन के सरल तरीके हैं। हालांकि, समय का सदुपयोग करने का अर्थ यह नहीं है कि व्यक्ति हर समय काम ही करता रहे। पर्याप्त नींद, व्यायाम, मनोरंजन और परिवार के साथ बिताया गया समय भी जीवन के लिए जरूरी है। सही समय प्रबंधन वही है, जिसमें काम और विश्राम के बीच संतुलन बना रहे।

समय हमें धैर्य और निरंतरता का महत्व भी सिखाता है। जीवन में सफलता हमेशा तुरंत नहीं मिलती। कई बार लक्ष्य तक पहुंचने के लिए लंबे समय तक मेहनत करनी पड़ती है। ऐसे में नियमित प्रयास और धैर्य व्यक्ति को आगे बढ़ने की शक्ति देते हैं। जो लोग छोटी-छोटी उपलब्धियों को महत्व देते हुए लगातार काम करते हैं, वे धीरे-धीरे बड़े लक्ष्य की ओर बढ़ सकते हैं। इसके विपरीत, बार-बार काम टालने और अवसरों का इंतजार करते रहने से संभावनाएं हाथ से निकल सकती हैं। इसलिए सही समय पर निर्णय लेना और अवसर मिलने पर उसका उपयोग करना आवश्यक है।

समाज और राष्ट्र के विकास में भी समय की अहम भूमिका होती है। जब सरकारी संस्थाएं, शैक्षणिक संगठन और अन्य व्यवस्थाएं निर्धारित समय पर अपनी जिम्मेदारियां पूरी करती हैं, तो लोगों को बेहतर सुविधाएं मिलती हैं। किसी परियोजना को समय पर पूरा करने से धन और संसाधनों की बचत हो सकती है। वहीं, अनावश्यक देरी से लागत बढ़ सकती है और लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इस दृष्टि से समय की पाबंदी केवल व्यक्तिगत गुण नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी भी है।

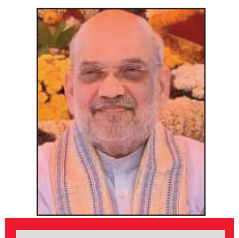
यह भी समझना जरूरी है कि समय का सदुपयोग करने के लिए हमेशा बड़े बदलावों की आवश्यकता नहीं होती। छोटी-छोटी आदतें भी महत्वपूर्ण परिणाम दे सकती हैं। सुबह समय पर उठना, कार्यों को टालने से बचना, निर्धारित समय पर भोजन करना और प्रतिदिन कुछ नया सीखने के लिए समय निकालना जीवन को व्यवस्थित बना सकता है। यदि व्यक्ति प्रतिदिन अपने समय का थोड़ा-सा हिस्सा भी उपयोगी कार्यों में लगाता है, तो लंबे समय में इसका सकारात्मक प्रभाव दिखाई दे सकता है।

-शिवांश धाकड़

आज की प्रमुख हस्ती

भाजपा का मजबूत चेहरा

अमित अनिलचंद्र शाह का जन्म 22 अक्टूबर 1964 को हुआ। वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करीबी सहयोगी हैं। वर्ष 2019 से वह भारत के केंद्रीय गृह मंत्री के रूप में कार्यरत हैं। जुलाई 2021 में उन्होंने केंद्रीय सहकारिता मंत्री का पद भी संभाला। इसके अतिरिक्त वह गुजरात की गांधीनगर लोकसभा सीट से सांसद हैं। भारतीय राजनीति में संगठनात्मक रणनीति और चुनाव प्रबंधन के क्षेत्र में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है।



अमित अनिलचंद्र शाह
जन्म : 22 अक्टूबर 1964

अमित शाह ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत छात्र राजनीति से की। कॉलेज के दिनों में वह अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) से जुड़े। वर्ष 1987 में उन्होंने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इसके बाद उन्होंने गुजरात में पार्टी संगठन के विस्तार और चुनावी गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाई। वर्ष 1997 में वह गुजरात की सरखेज विधानसभा सीट से विधायक चुने गए। इसके बाद उन्होंने 2012 तक इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। वर्ष 2012 में वह नारनपुरा विधानसभा क्षेत्र से विधायक बने और 2017 तक इस पद पर रहे।

गुजरात में नरेन्द्र मोदी के मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान अमित शाह ने वर्ष 2002 से 2012 तक राज्य सरकार में विभिन्न विभागों की जिम्मेदारी संभाली। इनमें गृह, कानून एवं न्याय, कारागार, परिवहन, आबकारी और संसदीय कार्य जैसे विभाग शामिल थे। इस दौरान उन्होंने राज्य की राजनीति और प्रशासन में अपनी भूमिका मजबूत की।

वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने अमित शाह को उत्तर प्रदेश का प्रभारी बनाया। उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों में से भाजपा और उसके सहयोगियों ने 73 सीटें जीतीं। इस प्रदर्शन के बाद जुलाई 2014 में उन्हें भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया गया। वह 2020 तक इस पद पर रहे। उनके अध्यक्षीय कार्यकाल में भाजपा ने कई राज्यों में विधानसभा चुनाव लड़े और संगठन विस्तार पर जोर दिया। वर्ष 2017 में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात और मणिपुर में पार्टी को चुनावी सफलता मिली। हालांकि, विभिन्न राज्यों में पार्टी को हार का सामना भी करना पड़ा।

'भारतेन्दु शिखर'

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

हमीरपुर मे ड्राइविंग स्कूलों की चल रही मनमानी या विभागीय असूलों की मेहरबानी

ड्राइविंग स्कूलों की निगरानी पर सवाल, टेस्ट के दौरान प्रशिक्षण वाहन खड़े रहने से अभ्यर्थियों की ट्रेनिंग पर संशय

सुरेंद्र कटोच ,भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हमीरपुर में चलाए जा रहे ड्राइविंग स्कूलों की व्यवस्था और उनकी निगरानी करने वाले परिवहन विभाग की कार्यप्रणाली संभवत: सवालों के घेरे में आती दिख रही है। शहर से सटे एक निजी ड्राइविंग ट्रेनिंग स्कूल को लेकर सामने आई शिकायत ने स्कूल के संचालन से लेकर आरटीओ कार्यालय की जांच प्रक्रिया तक पर सवाल खड़े कर दिए हैं।



शिकायत में इंस्ट्रक्टर को मालिक दर्शाने, प्रशिक्षण वाहन को ड्राइविंग टेस्ट के लिए इस्तेमाल करने और वाहन के दस्तावेजों में कथित विसंगतियों की जांच की मांग की गई है। आरोपों की पुष्टि होना बाकी है, लेकिन मामला विभागीय निगरानी की प्रभावशीलता पर सवाल उठाता है। हमीरपुर में ड्राइविंग ट्रेनिंग स्कूलों की निगरानी व्यवस्था पर बड़ा सवाल बनती दिख रही है।

वाहन संख्या एचपी 67 ।3100 जो कि टू डीएल/ 96 के अंर्तगत पंजीकरण, स्वामित्व, वाहन श्रेणी में कथित बदलाव, मोटर वाहन कर और विभागीय रिकॉर्ड की जांच की मांग ने परिवहन विभाग की कार्यप्रणाली को कठघरे में खड़ा करने वाली बहस छेड़ दी है। सवाल केवल यह नहीं कि एक वाहन के दस्तावेज सही हैं या नहीं, बल्कि यह भी है कि ड्राइविंग प्रशिक्षण देने वाले संस्थानों के कामकाज की नियमित निगरानी आखिर किस तरह हो रही है। मिली जानकारी के अनुसार हमीरपुर आरटीओ के अधीन 46 ड्राइविंग प्रशिक्षण केंद्र हैं।

इनमें 39 एलएमवी, छह एचटीवी और एक एचआरटीसी प्रशिक्षण केंद्र शामिल बताया गया है। इस तरह 45 केंद्र निजी क्षेत्र से जुड़े हैं। इतने संस्थानों की जिम्मेदारी संभाल रहे विभाग के सामने यह स्पष्ट करने की चुनौती है कि लाइसेंस, नवीनीकरण, प्रशिक्षकों की योग्यता, प्रशिक्षण वाहनों और विद्यार्थियों के रिकॉर्ड की जांच कितनी नियमितता से की जाती है। शिकायत में दावा किया गया है कि एचपी 67 ।3100 स्कूल संचालक के बजाय इंस्ट्रक्टर के नाम पर पंजीकृत है।

वाहन की श्रेणी में आवश्यक अनुमोदन के बिना बदलाव होने की आशंका भी जताई गई है। इसके अलावा वाहन पोर्टल पर कर भुगतान की स्थिति, फार्म नंबर 24 और कार्यालय में उपलब्ध दस्तावेजों के बीच संभावित अंतर की जांच मांगी गई है। ये आरोप अभी प्रमाणित नहीं हैं, लेकिन मूल रिकॉर्ड का मिलान कर सच्चाई सामने लाना विभाग की जिम्मेदारी है।

केंद्रीय मोटर वाहन नियम, 1989 के नियम 24, 25 और 27 ड्राइविंग स्कूलों के लाइसेंस, नवीनीकरण तथा संचालन से संबंधित शर्तें निर्धारित करते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या संबंधित संस्थानों के लाइसेंस और प्रशिक्षण व्यवस्था का नियमित सत्यापन किया जा रहा है। क्या निरीक्षण रिपोर्ट उपलब्ध हैं। यदि नियमों का पालन हो रहा हैए तो विभाग को रिकॉर्ड के आधार पर स्थिति स्पष्ट करने में संकोच नहीं होना चाहिए। टेस्ट में खड़ी रहेंगी गाडिय़ां तो अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण कौन देगा: हाल ही में चल रहे ड्राईविंग टैस्ट के दौरान पाया गया कि प्रशिद्वाण वाहन को ही सारा दिन संबंधित अधिकारियों के समक्ष ही टैस्ट ड्राईविंग के लिए खड़ा रखा गया।

जब ड्राइविंग स्कूल के प्रशिक्षण वाहन सारा दिन ड्राइविंग टेस्ट के लिए खड़े रहते हैं, ऐसे में स्कूल में प्रशिक्षण ले रहे अभ्यर्थियों को कौन और किस वाहन में प्रशिक्षण देता है। नियमों के मुताबिक, ड्राइविंग स्कूलों में प्रशिक्षण की अवधि 60 दिन निर्धारित है या फिर 60 दिनों में 45 घंटे वाहन चलाना सिखाया जाता है।

साथ ही यह अवधि प्रतिदिन पांच किलोमीटर के सफर की रहती है, लेकिन जब प्रशिक्षण वाहन टेस्ट के लिए खड़े रहेंगे, तो प्रशिक्षण की प्रशिक्षण की अवधि ड्राईविंग स्कूल वाले कैसे पूरा करते है और संबंधित अधिकारी भी इसे कैसे पुख्ता करते है।

इस बारे आरटीओ राजीव ठाकुर ने बताया कि ड्राइविंग स्कूल मे अनियमिताओं की शिकायत बारे अभी कोई जानकारी नहीं है! यदि ऐसा कुछ है तो जांच की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

10 अप्रैल, 2027 को आयोजित होगी कक्षा नौवीं व ग्यारहवीं की पार्श्व प्रवेश परीक्षा

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। पीएमश्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय कोठीपुरा में कक्षा नौवीं और 11वीं में रिक्त सीटों के लिए पार्श्व प्रवेश परीक्षा-2027 का आयोजन 10 अप्रैल, 2027 को किया जाएगा। विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य राकेश कटोच ने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी 22 अक्तूबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन में सुधार के लिए 23 से 25 अक्तूबर तक पोर्टल खुला रहेगा।

केंद्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला में यूपीएससी और एचपीएससी परीक्षाओं के लिए निःशुल्क प्रशिक्षण

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के डा. आंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र में अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और पीएम केयर्स चिल्ड्रन स्कीम के पात्र लाभार्थियों को यूपीएससी और एचपीएससी परीक्षाओं की निशुल्क कोचिंग दी जाएगी। आवेदन की अंतिम तिथि 20 नवंबर, 2026 है। प्रवेश परीक्षा के अंकों के आधार पर 100 उम्मीदवारों का चयन होगा। चयनित अभ्यर्थियों को एक वर्ष तक प्रतिमाह चार हजार रुपये वजीफा भी दिया जाएगा।

दीपावली सहित प्रमुख त्योहारों पर ग्रीन पटाखों की बिक्री व इस्तेमाल की अनुमति

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। त्योहारी सीजन को देखते हुए डीसी हेमराज बैरवा ने कांगड़ा जिले में पटाखों की बिक्री और इस्तेमाल को लेकर एडवाइजरी जारी की है। दीपावली पर रात 8 से 10 बजे तक, गुरुपर्व पर सुबह 4 से 5 और रात 9 से 10 बजे तक आतिशबाजी की अनुमति होगी। क्रिसमस और नववर्ष पर रात 11:55 से अगले दिन 12:30 बजे तक पटाखे चलाए जा सकेंगे। केवल ग्रीन पटाखों की अनुमति होगी। नियम उल्लंघन पर कार्रवाई होगी।

अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा 2026 में नाबार्ड द्वारा विभिन्न हस्तनिर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी का शुभारंभ

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा 2026 में राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने स्वयं सहायता समूहों और किसान उत्पादक संगठनों के उत्पादों की प्रदर्शनी एवं बिक्री के लिए स्टॉल लगाए। इनका उद्घाटन कुल्लू के विधायक एवं दशहरा मेला समिति के अध्यक्ष सुंदर सिंह ठाकुर ने किया। इस अवसर पर नाबार्ड की जिला विकास प्रबंधक अनीता देवी भी मौजूद रहीं। प्रदर्शनी का उद्देश्य स्थानीय उत्पादों, पारंपरिक खाद्य पदार्थों और हस्तशिल्प को बढ़ावा देना, ग्रामीण उद्यमिता को प्रोत्साहित करना तथा उत्पादकों को विपणन के बेहतर अवसर उपलब्ध करवाना है।

लाहौल-स्पीति में नवनिर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों के लिए होंगे बुनियादी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

भारतेन्दु संवाददाता, केलांग। लाहौल-स्पीति में नवनिर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों की क्षमता विकास के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अश्वनी कुमार के अनुसार, लाहौल में चार बैचों में 31 अक्टूबर से 24 नवंबर तक जिला परिषद भवन केलांग में प्रशिक्षण होगा। इसमें 236 प्रतिनिधि भाग लेंगे। स्पीति में काजा स्थित अतिरिक्त उपायुक्त कार्यालय में दो बैचों में 86 प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यक्रम का समय सुबह 10 से शाम 5 बजे तक रहेगा। प्रतिभागियों को आधार कार्ड और उससे लिंक मोबाइल फोन साथ लाना अनिवार्य है।

पत्रकारिता केवल समाचार ही नहीं, समाज का आईना और लोकतंत्र की आवाज

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बरमाणा। पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला बरमाणा में चल रहे सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) शिविर के दूसरे दिन विद्यार्थियों के लिए पत्रकारिता विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। शिविर में 23 छात्राओं और 18 छात्रों सहित कुल 41 स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं।



बौद्धिक सत्र में पत्रकार कश्मीर ठाकुर ने बतौर रिसोर्स पर्सन शिरकत की और स्वयंसेवकों को पत्रकारिता के महत्व तथा सामाजिक जिम्मेदारियों के बारे में जानकारी दी। कश्मीर ठाकुर ने 'पत्रकारिता: समाज का आईना और लोकतंत्र की आवाज' विषय पर विचार साझा करते हुए कहा कि पत्रकारिता केवल समाचार लिखने या घटनाओं की जानकारी देने तक सीमित नहीं है। यह समाज की समस्याओं, उपलब्धियों और जनहित से जुड़े मुद्दों को तथ्यों के आधार पर सामने लाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। पत्रकारों की जिम्मेदारी है कि वे किसी भी खबर को प्रकाशित या प्रसारित करने से पहले उसकी सत्यता की जांच करें और निष्पक्षता बनाए रखें। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए सत्य, निष्पक्षता, तथ्य-जांच और जवाबदेही को पत्रकारिता के मूल आधार बताया।

उन्होंने कहा कि खबरों के माध्यम से आम जनता की समस्याओं को उचित मंच मिलता है और व्यवस्था को जवाबदेह बनाने में मदद मिलती है। जिम्मेदार पत्रकारिता समाज में जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने में भी अहम भूमिका निभाती है। डिजिटल युग में सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव पर चर्चा करते हुए उन्होंने स्वयंसेवकों को भ्रामक खबरों और अपुष्ट सूचनाओं से सावधान रहने की सलाह दी।

औद्योगिक नीति में देरी से उद्योगों और रोजगार पर संकट : विपिन परमार

भारतेन्दु संवाददाता, पालमपुर। भाजपा के वरिष्ठ नेता, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं सुलह के विधायक विपिन सिंह परमार ने प्रदेश सरकार से नई औद्योगिक नीति तत्काल घोषित करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि पुरानी नीति की अवधि समाप्त होने के बाद नई नीति को लेकर बनी अनिश्चितता से प्रदेश के उद्योगों और रोजगार पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका है।

सरकार को बिजली, परिवहन और ऋण संबंधी रियायतों के भविष्य पर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। विपिन सिंह परमार ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में उद्योग केवल निवेश और उत्पादन का माध्यम नहीं हैं, बल्कि हजारों परिवारों की आजीविका और युवाओं के रोजगार का आधार भी हैं। प्रदेश में लगभग 30 हजार छोटे-बड़े उद्योग संचालित होने की खबरें हैं। ऐसे में औद्योगिक नीति को लेकर समय पर निर्णय न लेना चिंता का विषय है।



उन्होंने कहा कि औद्योगिक नीति के तहत मिलने वाली बिजली, परिवहन और ऋण संबंधी रियायतें उत्पादन लागत कम करने तथा निवेश को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। हिमाचल की भौगोलिक परिस्थितियां मैदानी राज्यों से अलग हैं। यहां कच्चे माल की ढुलाई और तैयार उत्पादों को बाजार तक पहुंचाने में उद्योगों को अतिरिक्त चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। प्रोत्साहनों को लेकर अनिश्चितता रहने से नए निवेश, मौजूदा इकाइयों के विस्तार और रोजगार सृजन पर असर पड़ सकता है।

सरकाघाट के अतुल ठाकुर को भाजपा ने दिया सम्मान

भारतेन्दु संवाददाता, सरकाघाट। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा (भाजयुमो) की नवनियुक्त राष्ट्रीय टीम में हिमाचल प्रदेश के सरकाघाट विधानसभा क्षेत्र की परसदा हवानी पंचायत निवासी अतुल ठाकुर को राष्ट्रीय मीडिया सह-प्रभारी नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति से प्रदेश के संगठनात्मक क्षेत्र में उत्साह है। अतुल ठाकुर का संगठनात्मक सफर वर्ष 2012 में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से शुरू हुआ। वर्ष 2014-15 में वे चंडीगढ़ के राजकीय महाविद्यालय, सेक्टर-46 के कैंपस अध्यक्ष रहे। इसके बाद उन्होंने चंडीगढ़ महानगर के संयुक्त सचिव और पंजाब प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य के रूप में जिम्मेदारी निभाई। नवंबर 2016 से उन्होंने एबीवीपी के पूर्णकालिक कार्यकर्ता के रूप में कार्य किया। हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान वे अल्पकालिक विस्तारक भी रहे। शिमला में संगठनात्मक आंदोलनों और घेराव रैली में उनकी सक्रिय भागीदारी रही। वर्तमान में अतुल ठाकुर हिमाचल प्रदेश भाजयुमो के प्रदेश प्रवक्ता हैं। राष्ट्रीय मीडिया सह-प्रभारी के रूप में वे युवा मोर्चा की गतिविधियों, कार्यक्रमों और युवाओं से जुड़े मुद्दों को देशभर में प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने में योगदान देंगे।

अनुराग सिंह ठाकुर ने हरीश द्विवेदी की माताजी के निधन पर अर्पित की श्रद्धांजलि

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी की माता स्वर्गीय यशोदा देवी के त्रयोदशी संस्कार में शामिल होकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं।



◆अनुराग ठाकुर ने यशोदा देवी को श्रद्धांजलि अर्पित की

अनुराग सिंह ठाकुर ने स्वर्गीय यशोदा देवी को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि किसी भी परिवार के लिए माता को खोना अपूरणीय क्षति होती है। माता का स्नेह, त्याग और मार्गदर्शन परिवार के सदस्यों के जीवन में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। उनके निधन से परिवार को हुई क्षति को शब्दों में व्यक्त करना कठिन है। ऐसे दुखद समय में परिवार के साथ संवेदना और सहानुभूति साझा करना मानवीय कर्तव्य है। उन्होंने हरीश द्विवेदी और उनके समस्त परिवार के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की कि उन्हें इस कठिन समय में दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। साथ ही दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने की कामना की।

त्रयोदशी संस्कार के अवसर पर दिवंगत आत्मा को याद करते हुए उनके प्रति श्रद्धा व्यक्त की गई। इस अवसर पर परिवार के सदस्यों और उपस्थित लोगों ने भी स्वर्गीय यशोदा देवी को श्रद्धांजलि अर्पित की। अनुराग ठाकुर ने कहा कि जीवन में अपनों को खोने का दुख बेहद गहरा होता है। ऐसे समय में परिवार और शुभचिंतकों का साथ संबल प्रदान करता है। उन्होंने शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं दोहराते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

उन्होंने ईश्वर से कामना की कि स्वर्गीय यशोदा देवी की आत्मा को शांति मिले और परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने का धैर्य एवं साहस प्राप्त हो। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने भी दिवंगत यशोदा देवी के जीवन को स्मरण करते हुए उनके प्रति श्रद्धा व्यक्त की। सभी ने शोक संतप्त परिवार को इस कठिन घड़ी में संबल देने और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

धनेतर स्कूल में खेल मुकाबलों के दौरान विद्यार्थियों ने दिखाया उत्साह

भारतेन्दु संवाददाता, जोगिंदर नगर। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, खेल भावना और टीम वर्क को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आईफ्लेक्स इंटरनेशनल स्कूल, धनेतर में इंटर-हाउस खेल प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें सिल्वर ओक, मालवरी, गुलमोहर और पाइन हाउस के विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। प्रतियोगिता में कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, एथलेटिक्स, हाई जंप, लॉन्ग जंप तथा 50 मीटर और 100 मीटर दौड़ सहित विभिन्न स्पर्धाएं करवाई गईं। विद्यार्थियों ने अपनी फुर्ती, शारीरिक क्षमता, अनुशासन और खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कबड्डी के मुकाबलों में खिलाड़ियों के बीच रोमांचक प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। इस स्पर्धा में पाइन हाउस ने विजेता बनने का गौरव हासिल किया। अन्य खेलों में भी विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। दौड़ और लंबी व ऊंची कूद की स्पर्धाएं आकर्षण का केंद्र रहीं।

हमीरपुर ग्रामीण में चिकित्सा तकनीक की बड़ी दस्तक

◆दसमल के पार्वती अस्पताल में रोबोट से घुटना प्रत्यारोपण

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। बड़े शहरों में उपलब्ध आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं अब ग्रामीण क्षेत्रों तक भी पहुंचने लगी हैं। हमीरपुर के दसमल स्थित पार्वती अस्पताल में 18 और 19 अक्तूबर को रोबोट की मदद से आठ घुटना प्रत्यारोपण सर्जरी की गईं। इस पहल से ग्रामीण क्षेत्र में उन्नत चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। सर गंगाराम अस्पताल के सहयोग से संचालित पार्वती अस्पताल, सर गंगाराम ट्रस्ट सोसायटी की पहली ग्रामीण पहल है।



यहां घुटना प्रत्यारोपण के लिए जॉनसन एंड जॉनसन मेडटेक की डेप्यू सिंथेसिस कंपनी द्वारा प्रदर्शन के आधार पर उपलब्ध करवाई गई वीईएलवाईएस रोबोटिक-असिस्टेड सॉल्यूशन (वीआरएएस) तकनीक का इस्तेमाल किया गया। डॉ. निपुण राणा ने बताया कि दोनों दिनों में आठों सर्जरी सफलतापूर्वक पूरी की गईं। उनके अनुसार, रोबोटिक तकनीक से घुटना प्रत्यारोपण के दौरान हड्डी की तीनों महत्वपूर्ण कटिंग अधिक सटीकता से करने में मदद मिली।

इस प्रक्रिया में पारंपरिक उपकरणों के बजाय रोबोटिक प्रणाली का उपयोग किया गया। डॉ. राणा ने सर्जरी में सहयोग देने वाले एनेस्थीसियोलॉजिस्ट डॉ. कासिफ रजा, ऑपरेशन थिएटर के तकनीशियनों, नर्सिंग स्टाफ और प्रशासनिक टीम का आभार जताया।

बफड़ी गांव में अग्निकांड से दो गौशालाएं जलकर राख

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर

विधानसभा क्षेत्र हमीरपुर की ग्राम पंचायत बफड़ी के वार्ड नंबर पांच में बुधवार सुबह अचानक आग लगने से दो गौशालाएं जलकर राख हो गईं। हादसे में जय सिंह और लता देवी के परिवारों को भारी आर्थिक नुकसान पहुंचा। हालांकि, ग्रामीणों की सूझबूझ से गौशालाओं में बंधे पशुधन को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे बड़ा नुकसान होने से बच गया।

ग्रामीणों के अनुसार, गौशालाओं से धुआं उठता देख आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और पशुओं को बाहर निकाला। परिजनों और ग्रामीणों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन लपटें तेज होने के कारण गौशालाओं को काफी नुकसान पहुंचा। सूचना मिलने पर अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। अग्निकांड की जानकारी मिलते ही हमीरपुर सदर के विधायक आशीष शर्मा घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने नुकसान का जायजा लेते हुए



प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और उन्हें फौरी राहत राशि प्रदान की।

विधायक ने कहा कि संकट की इस घड़ी में वह प्रभावित परिवारों के साथ खड़े हैं। उन्होंने प्रशासन को नुकसान का जल्द आकलन करने और नियमानुसार सहायता उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। वहीं, वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ. पुष्पेंद्र वर्मा ने भी मौके पर पहुंचकर प्रभावित परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने निजी तौर पर आर्थिक सहायता प्रदान की और प्रशासन के माध्यम से हर संभव मदद दिलाने का आश्वासन दिया। डॉ. वर्मा ने पशुधन को सुरक्षित बचाने वाले ग्रामीणों और आग बुझाने में जुटे अग्निशमन कर्मियों के प्रयासों की सराहना की।

सारली के पारस ठाकुर का राज्य स्तरीय कबड्डी टीम में चयन

भारतेन्दु संवाददाता, जोगिंद्रनगर। उपमंडल जोगिंद्रनगर के सारली गांव निवासी पारस ठाकुर का चयन राज्य स्तरीय अंडर-14 कबड्डी प्रतियोगिता के लिए हुआ है। पारस पीएम श्री सीबीएसई स्कूल, जोगिंद्रनगर में नौवीं कक्षा के विद्यार्थी हैं। उनकी इस उपलब्धि से क्षेत्र में खुशी का माहौल है। पारस ने पिछले माह आयोजित अंडर-14 खेल प्रतियोगिता में कबड्डी में बेहतर प्रदर्शन किया था। इसके आधार पर उनका चयन जोनल प्रतियोगिता के लिए हुआ। भराड़ू स्कूल में आयोजित जोनल खेल प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन के बाद उन्होंने जिला स्तरीय प्रतियोगिता में जगह बनाई। जिला स्तर पर भी अपनी प्रतिभा साबित करते हुए पारस ने राज्य स्तरीय टीम में स्थान हासिल किया। राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन सिरमौर जिले के राजगढ़ में 26 से 28 सितंबर तक होना निर्धारित है। इससे पहले मंडी जिले के बल्ह क्षेत्र स्थित ढावण स्कूल में 22 और 23 सितंबर को दो दिवसीय कोचिंग शिविर आयोजित किया जाएगा।

बलद्वाड़ा मिनी सचिवालय के उद्घाटन पर सियासी संग्राम; एक भवन, दो उद्घाटन

भाजपा-कांग्रेस ने अलग-अलग काटे फीते, सीएम पहले ही कर चुके थे भवन का उद्घाटन, आमने-सामने आए दोनों दलों के नेता

रितेश चौहान, भारतेन्दु संवाददाता, सरकाघाट। बलद्वाड़ा मिनी सचिवालय के उद्घाटन को लेकर बुधवार को जमकर सियासी ड्रामा देखने को मिला। एक ही भवन का शुभारंभ करने के लिए भाजपा और कांग्रेस के नेता अपने-अपने समर्थकों के साथ पहुंच गए। पहले भाजपा विधायक दिलीप ठाकुर ने फीता काटकर भवन का शुभारंभ किया, फिर कांग्रेस महासचिव पवन ठाकुर ने भी अलग से फीता काट दिया। दोनों दलों के कार्यकर्ताओं की आमने-सामने नारेबाजी से माहौल तनावपूर्ण हो गया। पुलिस के हस्तक्षेप से स्थिति संभली और बड़ा टकराव टल गया। हैरानी की बात यह रही कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू 14 महीने पहले ही इस भवन का उद्घाटन कर चुके हैं। ऐसे में एक ही भवन के शुभारंभ को लेकर भाजपा और कांग्रेस के अलग-अलग कार्यक्रमों ने राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया। क्षेत्र में दिनभर इस घटनाक्रम की चर्चा होती रही। विधायक दिलीप ठाकुर का जोरदार स्वागत, समर्थकों ने कंधों पर उठाया सरकाघाट के विधायक दिलीप ठाकुर के बलद्वाड़ा पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। उत्साहित कार्यकर्ताओं ने विधायक को कंधों पर उठाकर मिनी सचिवालय परिसर तक पहुंचाया। इसके बाद विधायक ने फीता काटकर भवन का शुभारंभ किया। मिनी सचिवालय की पार्किंग में आयोजित जनसभा में भाजपा कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों की भीड़ जुटी। विधायक दिलीप ठाकुर ने लोगों को संबोधित करते हुए उन्हें बधाई दी और भाजपा सरकार की नीतियों व विकास कार्यों का उल्लेख किया। उन्होंने मिनी सचिवालय को क्षेत्रवासियों के लिए महत्वपूर्ण सुविधा बताया। भाजपा विधायक की जनसभा चल ही रही थी कि कांग्रेस महासचिव पवन ठाकुर भी अपने समर्थकों के साथ मिनी सचिवालय पहुंच गए। इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा की जनसभा के सामने नारेबाजी शुरू कर दी। दोनों दलों के समर्थकों के आमने-सामने आने से माहौल तनावपूर्ण हो गया। स्थिति बिगड़ने की आशंका को देखते हुए पुलिस ने हस्तक्षेप किया और कांग्रेस कार्यकर्ताओं को भवन की ऊपरी मंजिल पर पहुंचाया। इसके बाद कांग्रेस महासचिव पवन ठाकुर ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में फीता काटकर मिनी सचिवालय का दोबारा शुभारंभ किया।

जनता का सवाल—जब सीएम उद्घाटन कर चुके थे, तो फिर यह ड्रामा क्यों?

इस पूरे घटनाक्रम को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी देखने को मिली। लोगों का कहना था कि जब मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू पहले ही भवन का उद्घाटन कर चुके हैं, तो फिर दोनों दलों के नेताओं के अलग-अलग फीते काटने का क्या औचित्य है? जनता के लिए बनी सुविधा को राजनीतिक प्रतिष्ठा का मुद्दा बनाने के बजाय नेताओं को इसके सुचारु संचालन पर ध्यान देना चाहिए। एक ही भवन के शुभारंभ को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच हुए इस घटनाक्रम ने विकास कार्यों पर राजनीतिक श्रेय लेने की होड़ को भी चर्चा में ला दिया।

विकास की सुविधा या सियासी श्रेय की लड़ाई?

बलद्वाड़ा मिनी सचिवालय का उद्देश्य लोगों को प्रशासनिक सुविधाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध करवाना है, लेकिन बुधवार को भवन के शुभारंभ को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच हुई खींचतान ने इसे राजनीतिक चर्चा का केंद्र बना दिया। अब सवाल यह है कि जनता को बेहतर सुविधाएं देने की प्राथमिकता आगे रहेगी या भवन के श्रेय को लेकर सियासी खींचतान जारी रहेगी।

अधिकारियों को बुलाकर भवन जनता को समर्पित किया: विधायक दिलीप



भाजपा विधायक दिलीप ठाकुर ने कहा कि निर्वाचित जनप्रतिनिधि होने के नाते उन्होंने सभी अधिकारियों को बुलाया। विधिवत पूजा-अर्चना करने के बाद कार्यालयों के लिए फ्लोर आवंटित किए और भवन को जनता को समर्पित किया। उनके अनुसार, इस पहल का उद्देश्य मिनी सचिवालय की सुविधाएं लोगों तक पहुंचाना है।

मुख्यमंत्री ने दिया था बजट, भाजपा कर रही गुमराह: पवन ठाकुर



कांग्रेस महासचिव पवन ठाकुर ने कहा कि बलद्वाड़ा मिनी सचिवालय के लिए बजट मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने उपलब्ध करवाया था। उन्होंने कहा कि बुधवार को उन्होंने कार्यालयों की शिफ्टिंग और भवन के उपयोग की शुरुआत के उद्देश्य से कार्यक्रम किया। पवन ठाकुर ने भाजपा पर लोगों को गुमराह करने का आरोप भी लगाया।

नारनौल में मंगलमुखी समाज के प्रधान ने फांसी लगाकर दी जान

◆ मौत से पहले वीडियो में लगाए गंभीर आरोप

भारतेन्दु संवादाता, नारनौल। हरियाणा के नारनौल में मंगलमुखी किन्नर समाज के प्रधान विनोद सैनी ने मंगलवार रात अपने डेरे पर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। वह डेरे में फंदे से लटके मिले। जान देने से पहले उन्होंने एक वीडियो बनाया था, जिसमें किन्नर समाज के कुछ लोगों पर गंभीर आरोप लगाते हुए उन्हें अपनी मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, विनोद सैनी ने आत्महत्या से पहले बनाया गया वीडियो अपने कुछ परिचितों को भेजा था। वीडियो देखने के बाद परिचित तुरंत डेरे पर पहुंचे। उन्होंने विनोद सैनी को फंदे से नीचे उतारा और उपचार के लिए एक निजी अस्पताल ले गए। हालांकि, अस्पताल में चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि विनोद सैनी को सामान्य पुरुष होने, शादीशुदा होने और चार बच्चों का पिता होने के कारण पिछले करीब दो वर्षों से मंगलमुखी किन्नर समाज के कुछ लोगों के विरोध का सामना करना पड़ रहा था। इस मुद्दे को लेकर उनके और समाज के कुछ लोगों के बीच विवाद चल रहा था।

विवाद के चलते जिले में कई बार कहासुनी, झगड़े और विरोध प्रदर्शन भी हो चुके थे। मूल रूप से रोहतक के रहने वाले विनोद सैनी पिछले करीब सात वर्षों से नारनौल में मंगलमुखी किन्नर समाज के प्रधान के रूप में कार्यरत थे। उनकी मौत के बाद सामने आए वीडियो में लगाए गए आरोपों की अभी पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस वीडियो में कही गई बातों और विवाद से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नारनौल में किन्नर समाज के प्रधान की मौत, जांच जारी

पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि विनोद सैनी ने वीडियो में किन लोगों पर आरोप लगाए हैं और विवाद की वास्तविक वजह क्या थी। जांच के दौरान उनके परिचितों और समाज से जुड़े लोगों से पूछताछ की जा सकती है। पुलिस वीडियो की सामग्री को जांच का अहम हिस्सा मान रही है। अधिकारियों का कहना है कि मामले में सामने आने वाले तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर ही किसी की जिम्मेदारी तय की जाएगी। फिलहाल पुलिस ने घटना से जुड़े सभी पहलुओं की पड़ताल शुरू कर दी है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों से जुड़े तथ्यों को स्पष्ट करने में मदद मिल सकती है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि जांच पूरी होने से पहले किसी भी तरह की अपुष्ट जानकारी या आरोपों को सच मानकर प्रसारित न करें।

हरियाणा सरकार के विकास के दावे झूठे : भूपेंद्र हुड्डा

पूर्व मुख्यमंत्री बोले, भाजपा सरकार के दो साल के कामकाज का रिपोर्ट कार्ड वास्तविकता से दूर

भारतेन्दु संवादाता, गुरुग्राम। हरियाणा विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने भाजपा सरकार के दो साल के कामकाज पर सवाल उठाते हुए उसके विकास संबंधी दावों को झूठा बताया। उन्होंने कहा कि विदेशी निवेश आकर्षित करने और युवाओं को रोजगार देने के दावे करने वाली सरकार के कार्यकाल में हरियाणा विकास के मामले में आगे बढ़ने के बजाय पीछे चला गया है।

हुड्डा ने कहा कि सरकार अपने दो साल के कार्यकाल को उपलब्धियों से भरा बता रही है, लेकिन प्रदेश की वास्तविक स्थिति इन दावों से अलग है। उन्होंने बेरोजगारी के मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए दावा किया कि हरियाणा में बेरोजगारी दर 37 प्रतिशत है। वहीं, विकास दर के मामले में राज्य 14वें स्थान पर पहुंच गया है।



उन्होंने कहा कि ये आंकड़े सरकार के विकास और रोजगार संबंधी दावों पर सवाल खड़े करते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने विदेशी निवेश को लेकर भी सरकार से सवाल किए। उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2014 से अब तक प्रदेश में केवल 20 हजार करोड़ रुपये का निवेश हुआ है। हुड्डा के अनुसार, सरकार निवेश और औद्योगिक विकास को लेकर बड़े दावे कर रही है, लेकिन इन दावों के अनुरूप परिणाम सामने नहीं आए हैं। उन्होंने कहा कि निवेश की स्थिति स्पष्ट होनी चाहिए, ताकि प्रदेश में रोजगार और आर्थिक विकास की वास्तविक तस्वीर सामने आ सके।

हुड्डा ने सरकार से विकास कार्यों का हिसाब मांगा

हुड्डा ने कहा कि प्रदेश सरकार को अपनी उपलब्धियों का प्रचार करने के बजाय जनता के सामने विकास कार्यों की वास्तविक स्थिति रखनी चाहिए। रोजगार के अवसर बढ़ाने, औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहित करने और किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए ठोस कदम उठाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाना और किसानों को आर्थिक सुरक्षा देना किसी भी सरकार की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। प्रदेश में निवेश बढ़ने से ही नए उद्योग स्थापित होंगे और रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

हुड्डा ने किसानों से जुड़े मुद्दों को भी उठाया। उन्होंने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) और बिजली के निजीकरण को लेकर सरकार की नीतियों पर सवाल खड़े किए। उनके अनुसार, किसानों के हितों की रक्षा और आम लोगों को सुविधाएं उपलब्ध करवाना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता को विकास, रोजगार और किसानों के कल्याण के संबंध में स्पष्ट जवाब मिलना चाहिए। केवल घोषणाओं और उपलब्धियों के दावों से जनता की समस्याओं का समाधान नहीं हो सकता। हुड्डा ने भाजपा सरकार के दो साल के कार्यकाल को लेकर उसके रिपोर्ट कार्ड पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार को रोजगार, निवेश, विकास दर और किसानों से जुड़े मुद्दों पर अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

त्योहारों से पहले मिलावटखोरों पर शिकंजा

रोहतक में 80 किलो खराब मावा जब्त

मिठाइयों, तेल और दूध की गुणवत्ता जांचने के लिए विभाग ने अभियान किया तेज

भारतेन्दु संवादाता, रोहतक। त्योहारों के सीजन में खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग ने जांच अभियान तेज कर दिया है। इसी कड़ी में मंगलवार को रोहतक के कच्चा बेरी रोड स्थित एक गोदाम में कार्रवाई की गई। यहां फ्रिज में रखा 80 किलो मावा मिला, जिसे जांच में खराब पाए जाने के बाद मौके पर ही नष्ट करवा दिया गया। विभाग ने अलग-अलग खाद्य पदार्थों के 10 नमूने लेकर जांच के लिए अधिकृत प्रयोगशाला भेजे हैं। रिपोर्ट आने के बाद संबंधित प्रतिष्ठानों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।



जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. लक्ष्मी नरवाल ने बताया कि विभाग की ओर से खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच की जा रही है। मंगलवार को दूध और पनीर के नमूने भी लिए गए। इन नमूनों को प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजा गया है। जांच रिपोर्ट से खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की स्थिति स्पष्ट होगी। यदि किसी प्रतिष्ठान में खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन पाया जाता है, तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने सोमवार को भी विभिन्न खाद्य पदार्थों की जांच की थी। इस दौरान कुकी, ब्राउनी, काजू कतली, खोवा बर्फी, गुलाब जामुन, काजू, छुआरे, इस्तेमाल किए गए खाद्य तेल, डोडा बर्फी और चमचम के नमूने लिए गए थे। विभाग का उद्देश्य त्योहारों के दौरान बाजार में बिकने वाले खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच करना और लोगों के स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक खाद्य सामग्री की बिक्री पर रोक लगाना है।

त्योहारों के दौरान मिठाइयों और अन्य खाद्य पदार्थों की मांग बढ़ने के कारण उनकी गुणवत्ता पर निगरानी रखना महत्वपूर्ण हो जाता है। ऐसे में खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से की जा रही जांच के तहत अलग-अलग प्रतिष्ठानों से नमूने एकत्र किए जा रहे हैं। कच्चा बेरी रोड स्थित गोदाम में 80 किलो मावा नष्ट करवाने और अन्य खाद्य पदार्थों के नमूने प्रयोगशाला भेजने की कार्रवाई इसी अभियान का हिस्सा है। अब प्रयोगशाला की रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने स्पष्ट किया है कि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता से जुड़े मामलों में नियमों के अनुसार कदम उठाए जाएंगे।

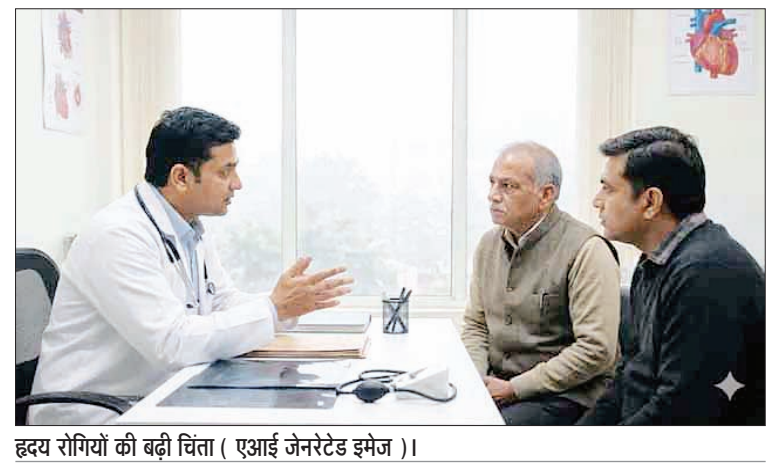
रेवाड़ी विधायक अफसरों पर भड़के, महीनेभर में उखड़ी सड़क

भारतेन्दु संवादाता, रेवाड़ी। हरियाणा के रेवाड़ी से भाजपा विधायक लक्ष्मण सिंह यादव अपनी ही सरकार के अधिकारियों की कार्यप्रणाली से नाराज हैं। मामला शहर के सेक्टर चार में करीब डेढ़ करोड़ रुपये की लागत से बनाई जा रही सीसी रोड से जुड़ा है। सड़क निर्माण के एक महीने के भीतर ही इसकी सतह से रोड़ी निकलनी शुरू हो गई है। स्थानीय लोगों ने इसकी शिकायत विधायक से की थी। विधायक ने नगर परिषद के अधिकारियों और डीएमसी को सड़क की खराब हालत पर ध्यान देने के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ। दोबारा शिकायत मिलने पर विधायक ने अधिकारियों के रवैये पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि यह बड़े दुर्भाग्य की बात है कि बार-बार कहने के बावजूद अधिकारी मामले पर ध्यान नहीं दे रहे। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि अधिकारी या तो इसे गंभीरता से नहीं ले रहे या फिर किसी का आशीर्वाद लेकर बैठे हैं। विधायक की टिप्पणी को केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह से जोड़कर देखा जा रहा है, क्योंकि नगर परिषद की चेयरपर्सन को उनका समर्थक माना जाता है। हालांकि, इस संबंध में डीएमसी और नगर परिषद चेयरपर्सन से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनकी ओर से फोन का जवाब नहीं मिला। फिलहाल सड़क की खराब गुणवत्ता को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नई सड़क से रोड़ी निकलना निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े करता है। लोगों को उम्मीद थी कि शिकायत के बाद संबंधित अधिकारी मौके का निरीक्षण कर जरूरी कदम उठाएंगे, लेकिन अब तक राहत नहीं मिलने से नाराजगी बढ़ रही है।

◆ रेवाड़ी में सड़क निर्माण की गुणवत्ता पर उठे सवाल

गुरुग्राम में हृदय रोगियों की बढ़ी चिंता

प्रदूषण और मौसम बदलाव बना खतरा



हृदय रोगियों की बढ़ी चिंता (एआई जेनरेटेड इमेज)।

भारतेन्दु संवादाता, गुरुग्राम। बदलते मौसम और प्रदूषण से गुरुग्राम में हृदय रोगियों की चिंता बढ़ गई है। मौसम में उतार-चढ़ाव और खराब हवा का असर केवल सांस संबंधी बीमारियों तक सीमित नहीं है, बल्कि दिल के मरीजों की परेशानी भी बढ़ा सकता है। जिला नागरिक अस्पताल के हृदय आरोग्य केंद्र में पिछले आठ दिनों के दौरान 381 मरीज उपचार के लिए पहुंचे हैं। मरीज सीने में तकलीफ और सांस लेने में परेशानी जैसी शिकायतों के साथ अस्पताल पहुंच रहे हैं।

मंगलवार को विजयादशमी की छुट्टी के दिन भी ओपीडी में 12 मरीजों ने उपचार के लिए संपर्क किया। वहीं, सांस संबंधी परेशानी के चलते तीन मरीजों को आपातकालीन विभाग में लाया गया। सेक्टर-10 स्थित जिला नागरिक अस्पताल में विशेष रूप से उन लोगों की सेहत को लेकर चिंता है, जो पहले से हृदय या सांस संबंधी बीमारियों से जूझ रहे हैं। बदलते मौसम और प्रदूषण के बीच ऐसे मरीजों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है।

विशेषज्ञों ने लोगों को स्वास्थ्य संबंधी लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करने और परेशानी बढ़ने पर समय रहते चिकित्सकीय सलाह लेने की अपील की है। सीने में दर्द या सांस लेने में गंभीर परेशानी होने पर तुरंत चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए। हृदय रोगी नियमित जांच कराएं और प्रदूषण से बचाव के लिए सावधानी बरतें।

यूपीएससी में 596वीं रैंक हासिल करने वाली उपासना यादव बनीं जींद की नई एसपी

2017 बैच की आईपीएस अधिकारी उपासना यादव को मिली नई जिम्मेदारी

भारतेन्दु संवादाता, जींद। हरियाणा में पुलिस विभाग में बड़े स्तर पर फेरबदल किया गया है। प्रदेश सरकार ने छह भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) और 28 हरियाणा पुलिस सेवा (एचपीएस) अधिकारियों के तबादले किए हैं।

इस प्रशासनिक बदलाव के तहत आईपीएस अधिकारी उपासना यादव को जींद का नया पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है। वहीं, जींद के मौजूदा एसपी कुलदीप सिंह को एसपी सीआईडी मुख्यालय के पद पर स्थानांतरित किया गया है। उन्हें एसपी एटीएस का अतिरिक्त कार्यभार भी सौंपा गया है। उपासना यादव वर्ष 2017 बैच की आईपीएस अधिकारी हैं। वह हरियाणा के रेवाड़ी जिले के नांगल मूंदी गांव की रहने वाली हैं। भारतीय पुलिस सेवा में चयन के बाद उन्हें हरियाणा कैडर आवंटित किया गया था। सिविल सेवा परीक्षा में सफलता हासिल करने के बाद उन्होंने हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय पुलिस अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त किया। उपासना यादव अपने सेवाकाल के दौरान कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा चुकी हैं। वह प्रशिक्षण अवधि में कुरुक्षेत्र में थाना प्रभारी और पुलिस उपाधीक्षक के रूप में कार्य कर चुकी हैं। इसके अलावा, उन्होंने हिसार में सहायक पुलिस अधीक्षक (एएसपी) के पद पर भी सेवाएं दी हैं। वर्तमान में वह सीआईडी में पुलिस अधीक्षक के रूप में कार्यरत थीं।



रेवाड़ी की बेटी उपासना यादव बनीं जींद की नई पुलिस अधीक्षक।

उपासना यादव ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा में अखिल भारतीय स्तर पर 596वीं रैंक हासिल की थी। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी में उनकी रैंक 95वीं रही थी। परीक्षा में सफलता के बाद उन्होंने पुलिस सेवा में अपना करियर शुरू किया और विभिन्न पदों पर जिम्मेदारियां निभाईं।

पानीपत के कपड़ा निर्यातकों को रिसाइकिल धागे का हिसाब रखना होगा

भारतेन्दु संवादाता, पानीपत। पुराने कपड़ों, फैक्ट्रियों की कतरन और टेक्सटाइल कचरे से नए उत्पाद तैयार करने वाले उद्योगों को अब रिसाइकिल धागे की मात्रा का पूरा ब्योरा रखना होगा। विदेशी खरीदार तैयार उत्पाद की गुणवत्ता, रंग और कीमत के साथ यह भी जानना चाहते हैं कि उसमें पुराने कपड़ों से बने धागे और नए धागे का कितना प्रतिशत इस्तेमाल हुआ है। यूरोपीय बाजार में बढ़ती मांग के चलते निर्यातकों के लिए उत्पादन से लेकर पैकिंग तक का डिजिटल रिकॉर्ड व्यवस्थित रखना जरूरी हो गया है। पानीपत में पुराने कपड़ों और फैक्ट्री की कतरन से रेशे तैयार कर दोबारा धागा बनाया जाता है। इससे कारपेट, बाथ मैट, कंबल, दरियां और चादरें जैसे उत्पाद तैयार किए जाते हैं। पानीपत से हर साल करीब 15 हजार करोड़ रुपये के टेक्सटाइल उत्पादों का निर्यात होता है, जिसमें लगभग 5500 करोड़ रुपये का कारोबार यूरोपीय देशों से जुड़ा है। उद्योगपतियों के अनुसार, उत्पाद में 60 प्रतिशत रिसाइकिल और 40 प्रतिशत नया धागा इस्तेमाल होने पर इसका स्पष्ट रिकॉर्ड रखना आवश्यक है। निर्यातकों को विदेशी खरीदारों की बदलती मांग के अनुसार पारदर्शिता बढ़ानी होगी।

गैस कनेक्शन कटने का डर दिखाकर 1.64 लाख की ठगी, बिहार से दो गिरफ्तार

व्हाट्सएप पर फर्जी लिंक भेजकर खाते से उड़ाए 1.64 लाख रुपए

भारतेन्दु संवादाता, गुरुग्राम। साइबर ठग लोगों को डराकर उनके बैंक खातों से रकम निकालने के लिए नए-नए तरीके अपना रहे हैं। गुरुग्राम में गैस कनेक्शन काटने का डर दिखाकर एक व्यक्ति से 1.64 लाख रुपये की साइबर ठगी का मामला सामने आया है। इस मामले में साइबर थाना पूर्व की टीम ने कार्रवाई करते हुए बिहार के बांका जिले से दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है।



एआई चित्र

पुलिस के अनुसार, पीड़ित को व्हाट्सएप पर एक संदेश भेजा गया था। इसमें गैस कनेक्शन काटे जाने की चेतावनी देकर एक लिंक दिया गया। संदेश पर भरोसा कर पीड़ित ने लिंक पर क्लिक कर दिया। इसके बाद उसके खाते से 1.64 लाख रुपये निकल गए। ठगी का पता चलने पर मामले की शिकायत पुलिस से की गई, जिसके बाद जांच शुरू की गई।

जांच के दौरान साइबर थाना पूर्व की टीम ने बिहार के बांका जिले में दबिश देकर दो आरोपितों को गिरफ्तार किया। उनकी पहचान सठियारी गांव निवासी निर्मल उर्फ विजय कुमार और पिपराडीह गांव निवासी गोपी कुमार यादव के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल किए गए दो मोबाइल फोन और दो सिम कार्ड बरामद किए हैं। इस मामले में फर्जी एपीके लिंक का इस्तेमाल किया गया था।

गैस कनेक्शन के नाम पर ठगी

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपितों ने फर्जी एपीके लिंक के जरिए साइबर ठगी की वारदात को अंजाम दिया था। व्हाट्सएप पर गैस कनेक्शन काटने की चेतावनी देकर पीड़ित को लिंक भेजा गया, ताकि वह डरकर बिना जांच किए उस पर क्लिक कर दे। इसके बाद उसके बैंक खाते से 1.64 लाख रुपये निकल गए। शिकायत मिलने के बाद साइबर थाना पूर्व की टीम ने मामले की जांच शुरू की और बिहार के बांका जिले में दबिश देकर दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके कब्जे से दो मोबाइल फोन और दो सिम कार्ड बरामद किए हैं। पुलिस अब मामले में आरोपितों की भूमिका और ठगी में इस्तेमाल किए गए फर्जी लिंक से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है।

बेटी के जन्म की खुशी के बीच अशोक मलिक ने एशियाई पैरा खेलों में जीता रजत पदक

नन्हीं परी के नाम की जीत, पिता बनते ही चमकी किस्मत

भारतेन्दु संवादाता, गोहाना। घर में बेटी की किलकारी गूंजी तो हजारों किलोमीटर दूर जापान में पिता अशोक मलिक ने देश का नाम रोशन कर दिया। पत्नी गीतिका के बेटी को जन्म देने के तीन दिन बाद ही पैरा पावरलिफ्टर अशोक ने एशियाई पैरा खेलों में रजत पदक जीतकर परिवार की खुशियों को दोगुना कर दिया।

एक ओर परिवार में नन्हीं परी के आगमन का जश्न था, वहीं दूसरी ओर जापान में अशोक देश के लिए पदक जीतने के इरादे से मैदान में दमखम दिखा रहे थे। उनकी इस उपलब्धि ने परिवार के लिए इस पल को और भी यादगार बना दिया। अशोक अभी तक अपनी बेटी का चेहरा ठीक से नहीं देख पाए हैं, लेकिन उन्होंने अपनी इस जीत को नन्हीं परी के नाम कर दिया है। बेटी के जन्म और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में पदक जीतने की खुशी उनके लिए खास मायने रखती है। अशोक ने तय किया है कि भारत लौटने के बाद वह अपनी बेटी को रजत पदक पहनाकर उसके जन्म की खुशी मनाएंगे।



◆ जापान में चमके अशोक मलिक, घर में गूंजी बेटी की किलकारी

बेटी के जन्म पर जीता रजत

अशोक मलिक की इस उपलब्धि से उनके परिवार और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। बेटी के जन्म के साथ मिला यह पदक उनके लिए दोहरी खुशी लेकर आया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करते हुए रजत पदक जीतना उनकी मेहनत और लगन को दर्शाता है। अशोक की इस सफलता से अन्य खिलाड़ियों को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। अब उन्हें भारत लौटने और अपनी नन्हीं बेटी से मिलने का इंतजार है।

कायाकल्प पानीपत जंक्शन को आधुनिक बनाने के लिए अधिकारियों ने किया निरीक्षण

पानीपत रेलवे स्टेशन का 65 करोड़ से बदलेगा स्वरूप

भारतेन्दु संवादाता, पानीपत। पानीपत रेलवे जंक्शन को आधुनिक सुविधाओं से लैस करने की तैयारी शुरू हो गई है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत करीब 65 करोड़ रुपये की लागत से स्टेशन का पुनर्विकास किया जाएगा। इस परियोजना के पूरा होने के बाद यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और स्टेशन पर आवागमन पहले की तुलना में अधिक सुविधाजनक होगा।

योजना के तहत स्टेशन भवन का निर्माण किया जाएगा। इसके साथ ही यात्रियों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। खासतौर पर बुजुर्गों और दिव्यांग यात्रियों को प्लेटफार्म तक पहुंचने में होने वाली परेशानियों को कम करने पर जोर दिया जाएगा। स्टेशन पर लिफ्ट और एस्केलेटर जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजना है, जिससे यात्रियों को सीढ़ियों के सहारे प्लेटफार्म तक पहुंचने की परेशानी से राहत मिलेगी। बुधवार को मुख्य परियोजना निदेशक नवीन अग्रवाल पानीपत रेलवे स्टेशन का निरीक्षण करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने प्लेटफार्म नंबर पांच सहित स्टेशन के विभिन्न हिस्सों का जायजा लिया। उन्होंने प्रस्तावित विकास कार्यों की जानकारी भी ली और स्टेशन के पुनर्विकास से जुड़ी योजनाओं का निरीक्षण किया। अमृत भारत स्टेशन योजना का उद्देश्य रेलवे स्टेशनों को आधुनिक स्वरूप देना और यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। इसके तहत स्टेशन भवन, यात्री सुविधाओं और आवागमन व्यवस्था में सुधार किया जाता है। पानीपत रेलवे जंक्शन का पुनर्विकास भी इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। पानीपत रेलवे जंक्शन पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्री पहुंचते हैं। ऐसे में स्टेशन के आधुनिकीकरण से यात्रियों को अधिक सुविधाजनक वातावरण मिलने की उम्मीद है।



65 करोड़ से बदलेगी पानीपत स्टेशन की तस्वीर।

पानीपत स्टेशन का होगा कायाकल्प

स्टेशन के पुनर्विकास से यात्रियों को सुविधाजनक और व्यवस्थित आवागमन की सुविधा मिलने की उम्मीद है। आधुनिक व्यवस्थाओं के विकसित होने से प्लेटफार्म पर पहुंचने और स्टेशन परिसर में आवाजाही करने में आसानी होगी। खासकर बुजुर्गों, दिव्यांगों और बच्चों के साथ यात्रा करने वाले लोगों को इसका लाभ मिल सकता है। परियोजना के तहत प्रस्तावित सुविधाओं का उद्देश्य यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाना और स्टेशन को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप तैयार करना है। निरीक्षण के दौरान विकास कार्यों से जुड़े विभिन्न पहलुओं का जायजा लिया गया। आने वाले समय में निर्माण कार्य आगे बढ़ने के साथ पानीपत रेलवे जंक्शन के स्वरूप में बदलाव देखने को मिल सकता है।

एशियन पैरा खेल में शैलेश कुमार और शरथ मकनहल्ली ने जीते कांस्य पदक

लंबी कूद में शैलेश ने महेंद्र को पछाड़ा, शरथ का शानदार प्रदर्शन

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत के शैलेश कुमार और शरथ मकनहल्ली ने एशियाई पैरा खेल-2026 में पैरा एथलेटिक्स में कांस्य पदक जीतकर देश का मान बढ़ाया। शैलेश ने पुरुषों की लंबी कूद टी-42/टी-61/टी-63 स्पर्धा में, जबकि शरथ ने पुरुषों की 1500 मीटर टी-12 दौड़ में तीसरा स्थान हासिल किया। शैलेश कुमार ने लंबी कूद में 5.57 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर कांस्य पदक अपने नाम किया। उन्होंने अपने हमवतन महेंद्र गुर्जर को महज एक सेंटीमीटर से पीछे छोड़ा। महेंद्र ने 5.56 मीटर की छलांग के साथ चौथा स्थान हासिल किया।



शैलेश ने पांचवें प्रयास में 5.57 मीटर की छलांग लगाई। जापान के हाजिमे कोंडो ने 6.51 मीटर की खेलों की रिकॉर्ड छलांग के साथ स्वर्ण, जबकि थाईलैंड के फलाथिप खाम्ता ने 6.41 मीटर के प्रदर्शन के साथ रजत पदक जीता। भारत के शरथ मकनहल्ली ने पुरुषों की 1500 मीटर टी-12 स्पर्धा में चार मिनट 11.01 सेकंड का समय लेकर कांस्य पदक जीता। यह उनका सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। शरथ ने हांगझोऊ-2023 एशियाई पैरा खेलों में इसी स्पर्धा का रजत पदक जीता था।

उज्बेकिस्तान के फखरिद्दीन खम्राएव ने चार मिनट 7.48 सेकंड के खेलों के रिकॉर्ड समय के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया। जॉर्डन के नबील मकाबलेह ने चार मिनट 7.97 सेकंड में दौड़ पूरी कर रजत पदक जीता। टी-12 वर्ग में सीमित दृष्टि वाले खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं। वहीं, लंबी कूद की संयुक्त स्पर्धा में निचले अंगों से संबंधित दिव्यांगता वाले खिलाड़ी भाग लेते हैं। दोनों खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन से भारत की पदक तालिका में इजाफा हुआ और अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का गौरव बढ़ा।

शैलेश की छलांग और शरथ की दौड़ ने दिलाया कांस्य

एशियाई पैरा खेलों में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन लगातार चर्चा में है। शैलेश कुमार ने लंबी कूद में चुनौतीपूर्ण मुकाबले के बीच कांस्य पदक हासिल किया। उन्होंने पांचवें प्रयास में 5.57 मीटर की छलांग लगाकर पदक सुनिश्चित किया। उनके और महेंद्र गुर्जर के प्रदर्शन के बीच केवल एक सेंटीमीटर का अंतर रहा। वहीं, शरथ मकनहल्ली ने 1500 मीटर टी-12 दौड़ में चार मिनट 11.01 सेकंड का समय दर्ज कर कांस्य पदक जीता। यह उनके मौजूदा सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। शरथ इससे पहले हांगझोऊ में आयोजित 2023 एशियाई पैरा खेलों में इसी स्पर्धा में रजत पदक जीत चुके हैं। इस बार भी उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। दोनों खिलाड़ियों की उपलब्धि भारतीय पैरा एथलेटिक्स के लिए महत्वपूर्ण है। उनके पदक देश के खिलाड़ियों के हौसले को बढ़ाने के साथ आगामी प्रतियोगिताओं के लिए प्रेरणा भी देंगे।

दिल्ली की 16 जेलों में लगेंगे 840 वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सिस्टम

हर महीने 15 करोड़ रुपए की बचत से घटेगा पुलिस का खर्च

एजेंसी, नई दिल्ली



दिल्ली की जेलों में कैदियों की अदालत में पेशी की प्रक्रिया में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। कैदियों को पेशी के लिए जेल से अदालत तक ले जाने के बजाय अब वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेश किया जा सकेगा। इसके लिए दिल्ली की 16 जेलों में कुल 840 वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सिस्टम लगाए जाएंगे। इस परियोजना पर करीब 38 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

नई व्यवस्था लागू होने से दिल्ली पुलिस को हर महीने लगभग 15 करोड़ रुपये की बचत होने की उम्मीद है। फिलहाल कैदियों को अदालत में पेश करने के लिए जेल से कोर्ट तक लाने-ले जाने में पुलिसकर्मियों की तैनाती करनी पड़ती है। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के साथ वाहनों और अन्य संसाधनों का भी इस्तेमाल होता है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा मिलने के बाद इस प्रक्रिया में लगने वाले समय और संसाधनों की बचत हो सकेगी। इस व्यवस्था का एक बड़ा फायदा कैदियों की सुरक्षा से भी जुड़ा है। कैदियों को जेल से अदालत तक ले जाने के दौरान सुरक्षा संबंधी जोखिम बने रहते हैं।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेशी होने पर ऐसे जोखिम कम किए जा सकेंगे। साथ ही पुलिसकर्मियों को कैदियों की आवाजाही में लगाने की जरूरत भी घटेगी और उन्हें अन्य जरूरी जिम्मेदारियों के लिए उपलब्ध कराया जा सकेगा। करीब 38 करोड़ रुपये की लागत से तैयार होने वाली यह परियोजना जेल प्रशासन और न्यायिक प्रक्रिया को तकनीकी रूप से मजबूत करने की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है। 840 सिस्टम स्थापित होने के बाद कैदी जेल में रहते हुए ही अदालत की कार्यवाही में शामिल हो सकेंगे।

कैदियों की पेशी पर हर महीने 15 करोड़ रुपए बचाएगी पुलिस

इसके अलावा, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा से अदालतों में पेशी के लिए कैदियों को ले जाने के दौरान होने वाली व्यवस्थागत परेशानियों में भी कमी आने की उम्मीद है। कैदियों की आवाजाही के लिए पुलिसकर्मियों की तैनाती, वाहनों की व्यवस्था और सुरक्षा संबंधी तैयारियां करनी पड़ती हैं। नई प्रणाली लागू होने के बाद इन कार्यों पर निर्भरता कम होगी और पुलिस बल का इस्तेमाल अन्य महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों के लिए किया जा सकेगा। इस परियोजना से जेलों और अदालतों के बीच तकनीकी समन्वय बेहतर बनाने में भी मदद मिलेगी। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कैदियों को अदालत की कार्यवाही में शामिल करने से पेशी की प्रक्रिया को अधिक सुगम बनाया जा सकेगा। इससे जेल प्रशासन को भी कैदियों की पेशी से जुड़ी व्यवस्थाओं को संभालने में सहूलियत मिलेगी। दिल्ली की 16 जेलों में 840 वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सिस्टम स्थापित करने की योजना को खर्च में कमी और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। करीब 38 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना से दिल्ली पुलिस को हर महीने लगभग 15 करोड़ रुपये की बचत होने का अनुमान है। हालांकि, व्यवस्था की वास्तविक उपयोगिता इसके प्रभावी संचालन और तकनीकी सुविधाओं की उपलब्धता पर निर्भर करेगी। नई प्रणाली से जेल में बंद कैदियों को अदालत की कार्यवाही में शामिल होने के लिए जेल परिसर से बाहर ले जाने की आवश्यकता भी कम हो सकेगी।

दिल्ली के विधायकों का साल में दो बार होगा स्वास्थ्य परीक्षण, स्पीकर की अध्यक्षता में फैसला

एजेंसी, नई दिल्ली

12 नवंबर से दिल्ली में स्वास्थ्य जांच शिविर शुरू

दिल्ली विधानसभा के वर्तमान विधायकों का अब साल में दो बार स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाएगा। बुधवार को विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। इस पहल का उद्देश्य विधायकों के स्वास्थ्य की नियमित निगरानी करना, संभावित बीमारियों की समय रहते पहचान करना और जरूरत पड़ने पर उन्हें उचित चिकित्सकीय परामर्श व उपचार उपलब्ध कराना है।



बैठक में संत परमानंद अस्पताल के महाप्रबंधक और दिल्ली विधानसभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता की पहल पर पिछले वर्ष विधायकों के लिए वार्षिक स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्था शुरू की गई थी। अब इसे बढ़ाकर साल में दो बार करने का फैसला लिया गया है। विधायकों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए 12 से 19 नवंबर तक संत परमानंद अस्पताल के सहयोग से शिविर आयोजित किया जाएगा। जांच प्रक्रिया को व्यवस्थित और सुचारु रूप से पूरा करने के लिए इसे दो बैचों में बांटा गया है। पहले बैच का स्वास्थ्य परीक्षण सुबह 8:30 बजे और दूसरे बैच का सुबह 9:30 बजे शुरू होगा।

इस समय-सारिणी के माध्यम से सभी वर्तमान विधायकों की जांच सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा। अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने निर्देश दिए कि सभी विधायकों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण तय व्यवस्था के अनुसार कराया जाए। इससे उनके स्वास्थ्य की स्थिति का समय-समय पर आकलन किया जा सकेगा और किसी बीमारी के शुरुआती लक्षण सामने आने पर आवश्यक कदम उठाए जा सकेंगे। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि सार्वजनिक जीवन में सक्रिय जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारियां व्यापक होती हैं।

दिल्ली में कृषि भूमि के सर्किल रेट बढ़ाने की तैयारी, 18 साल बाद बदल सकती हैं दरें

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली में कृषि और आवासीय भूमि के सर्किल रेट बढ़ाने की मांग पर जल्द चर्चा होने जा रही है। दिल्ली सरकार ने सर्किल रेट में बढ़ोतरी की योजना तैयार कर ली है। अब इस प्रस्ताव पर केंद्र सरकार के स्तर पर विचार किया जाएगा। इसे लेकर केंद्रीय आवासन एवं शहरी विकास मंत्रालय ने 23 अक्टूबर को बैठक बुलाई है। इस बैठक में भूमि की नई दरें तय करने और सर्किल रेट में संशोधन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा होने की संभावना है। फिलहाल दिल्ली में कृषि भूमि का सर्किल रेट 53 लाख रुपये प्रति एकड़ निर्धारित है।

दिल्ली में 2008 से लागू कृषि भूमि के सर्किल रेट में बदलाव की तैयारी

यह दर वर्ष 2008 से लागू है और तब से इसमें कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। इस कारण सर्किल रेट को मौजूदा परिस्थितियों के अनुरूप संशोधित करने की मांग लगातार उठ रही है। किसानों की मांग है कि कृषि भूमि का सर्किल रेट बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये प्रति एकड़ किया जाए। इसके लिए मौजूदा दर में करीब 20 गुना तक वृद्धि की मांग की जा रही है। दिल्ली सरकार ने सर्किल रेट बढ़ाने की योजना तैयार कर ली है, लेकिन नई दरों को लागू करने से पहले संबंधित स्तरों पर विचार-विमर्श जरूरी है। 23 अक्टूबर को होने वाली बैठक को इसी दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसमें कृषि और आवासीय भूमि के नए सर्किल रेट पर चर्चा होनी है।

दिल्ली में इंस्टाग्राम पोस्ट और लड़की को लेकर विवाद, चाकू मारकर छात्र की हत्या

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली के पीतमपुरा में किशोर की हत्या के बाद जांच में जुटी पुलिस

चाकूबाजी में घायल दूसरे किशोर का अस्पताल में कराया गया उपचार

बाहरी दिल्ली के पीतमपुरा इलाके में लड़की और इंस्टाग्राम पोस्ट को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। चौधरी डेयरी के क्यू ब्लॉक के पास चाकू से किए गए हमले में नौवीं कक्षा के एक छात्र की मौत हो गई, जबकि दूसरा किशोर घायल हो गया। मामले में मौर्या एन्क्लेव थाना पुलिस ने चार नाबालिगों को पकड़ा है। पुलिस ने आरोपितों की निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल खून से सना खंजर भी बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार, 20 अक्टूबर को पीतमपुरा इलाके में चाकूबाजी की सूचना मिली थी। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। हमले में घायल आशु और अरुण को उपचार के लिए बीएसए अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने अरुण को मृत घोषित कर दिया, जबकि आशु भी चाकू लगने से घायल हुआ था। घटना के बाद पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच तेज कर दी। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि दोनों पक्षों के बीच एक लड़की को लेकर विवाद चल रहा था। इसके अलावा, इंस्टाग्राम पर पोस्ट और कमेंट को लेकर भी उनके बीच कहासुनी होने की बात सामने आई है।



एआई चित्र

पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि सोशल मीडिया पर शुरू हुआ विवाद किस तरह हिंसक झड़प तक पहुंचा। पुलिस ने मामले में चार नाबालिगों को पकड़ा है। उनसे पूछताछ के आधार पर वारदात में इस्तेमाल किए गए खंजर को बरामद किया गया। पुलिस घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ने के साथ विवाद के पीछे की परिस्थितियों का पता लगाने में जुटी है। इस घटना ने किशोरों के बीच बढ़ते विवाद और सोशल मीडिया पर होने वाली कहासुनी के गंभीर परिणामों की ओर ध्यान खींचा है। हालांकि, मामले में विवाद के वास्तविक कारणों और हमले में प्रत्येक की भूमिका को लेकर जांच जारी है।

सीलमपुर रोड रेज हत्याकांड में एलएलबी छात्र गिरफ्तार

तीन दिन से फरार आरोपी को स्पेशल सेल ने दबोचा, पिस्टल और चार कारतूस बरामद

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली के सीलमपुर में रोड रेज के दौरान युवक की गोली मारकर हत्या करने के मामले में फरार चल रहे आरोपी मोहम्मद गाजी उर्फ गाजी अब्बास को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल और चार कारतूस भी बरामद किए हैं। आरोपी ब्रह्मपुरी का रहने वाला है और एलएलबी की पढ़ाई कर रहा है।

पुलिस के अनुसार, 14 अक्टूबर की शाम दिल्ली के गौतमपुरी इलाके में गली नंबर आठ के बाहर गोलीबारी की वारदात हुई थी। इस दौरान सीलमपुर निवासी वसीम गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी थी और आरोपी की तलाश की जा रही थी।



सीलमपुर रोड रेज हत्या मामले में आरोपी एलएलबी छात्र गिरफ्तार।

मामले की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल आरोपी की तलाश में जुटी थी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मोहम्मद गाजी उर्फ गाजी अब्बास को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल और चार कारतूस बरामद हुए। पुलिस अब बरामद हथियार की जांच करने के साथ यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि वारदात में इसी हथियार का इस्तेमाल किया गया था या नहीं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह मामला रोड रेज से जुड़ा है। हालांकि, विवाद किन परिस्थितियों में शुरू हुआ और गोली चलाने की नौबत कैसे आई, इसकी विस्तृत जानकारी जांच के बाद सामने आएगी।

हत्या की वजह तलाश रही पुलिस

पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है, ताकि हत्या के पीछे की पूरी वजह और वारदात से जुड़े अन्य पहलुओं का पता लगाया जा सके। जांच के दौरान यह भी पता लगाया जाएगा कि आरोपी के पास हथियार कहां से आया और क्या उसका पहले भी किसी आपराधिक गतिविधि से संबंध रहा है। पुलिस घटना के समय मौजूद लोगों से पूछताछ कर साक्ष्य जुटाने का प्रयास कर रही है।

अधिकारियों के अनुसार, मामले में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

फिलहाल पुलिस बरामद पिस्टल और कारतूस की जांच कर रही है। जांच पूरी होने के बाद ही गोलीबारी से जुड़े घटनाक्रम और आरोपी की भूमिका के संबंध में स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

पति के फर्जी हस्ताक्षर कर बेटे को ऑस्ट्रेलिया ले गई पत्नी

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली के तिलक नगर क्षेत्र में एक व्यवसायी ने अपनी पत्नी पर दो वर्षीय बेटे को बिना सहमति ऑस्ट्रेलिया ले जाने का आरोप लगाया है। पति का आरोप है कि पत्नी ने बेटे के वीजा आवेदन से जुड़े दस्तावेजों पर उसके फर्जी हस्ताक्षर किए और उसका पासपोर्ट भी चुरा लिया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर धोखाधड़ी और अपहरण का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्रेटर नोएडा निवासी दमनजीत सिंह ने पुलिस को बताया कि उनकी पत्नी आठ जून को ऑस्ट्रेलिया से आए अपने पिता से मिलने तिलक नगर स्थित मायके गई थी। वह अपने साथ बेटे को भी ले गई और कुछ दिनों में लौटने की बात कही थी। हालांकि, करीब दो सप्ताह तक वह फोन और संदेशों के जरिए वापसी टालती रही।

आइजीआइ एयरपोर्ट से छह माह में 3 .85 करोड़ यात्रियों ने किया सफर

एजेंसी, नई दिल्ली



इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (आइजीआइ) पर यात्रियों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में एयरपोर्ट से 3.85 करोड़ यात्रियों ने सफर किया। यह पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के मुकाबले करीब पांच प्रतिशत अधिक है। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय, दोनों श्रेणियों में यात्री यातायात बढ़ा है। एयरपोर्ट का संचालन करने वाली कंपनी जीएमआर एयरपोर्ट्स की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल से सितंबर 2026 के बीच कुल 3.85 करोड़ यात्रियों ने आइजीआइ एयरपोर्ट से यात्रा की। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की इसी अवधि में यह संख्या 3.67 करोड़ थी।

इस तरह एक साल में यात्रियों की संख्या में करीब 18 लाख का इजाफा हुआ है। आंकड़ों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में घरेलू यात्रियों की संख्या 2.81 करोड़ रही। वहीं, अंतरराष्ट्रीय यात्रियों का आंकड़ा 1.04 करोड़ तक पहुंच गया। इससे स्पष्ट है कि एयरपोर्ट पर घरेलू उड़ानों के साथ विदेश जाने और वहां से आने वाले यात्रियों की आवाजाही भी बढ़ी है। यात्रियों की संख्या में यह वृद्धि हवाई यात्रा की बढ़ती मांग को दर्शाती है। दिल्ली का आइजीआइ एयरपोर्ट देश के प्रमुख विमानन केंद्रों में शामिल है। यहां से देश के विभिन्न शहरों के साथ कई अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए उड़ानों का संचालन होता है।

पहली छमाही के आंकड़े एयरपोर्ट पर यात्री यातायात में सकारात्मक रुझान की ओर संकेत करते हैं। हालांकि, आने वाले महीनों में यात्रियों की संख्या में कितनी वृद्धि होती है, यह अगली अवधि के आंकड़ों से स्पष्ट होगा। एयरपोर्ट पर यात्रियों की बढ़ती संख्या के साथ उड़ानों की मांग में भी इजाफा होने की संभावना है। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की आवाजाही में वृद्धि से विमानन क्षेत्र की गतिविधियों को गति मिल सकती है। आगामी छमाही के आंकड़ों से यात्री यातायात की स्थिति और स्पष्ट होगी।

दिल्ली खादी बोर्ड ने कौशल विकास योजना के तहत जारी किया 1 .15 करोड़ का टेंडर

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली सरकार कारीगरों और युवाओं को रोजगारपरक कौशल से जोड़ने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने जा रही है। दिल्ली खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड ने दिल्ली खादी कौशल विकास योजना के तहत प्रशिक्षण एजेंसियों के चयन के लिए 1.15 करोड़ रुपये का टेंडर जारी किया है। इसके माध्यम से बेकरी, हेयर स्टाइलिंग और मेकअप आर्टिस्ट जैसे तीन क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया जाएगा।

योजना का उद्देश्य इच्छुक लोगों को व्यावहारिक कौशल प्रदान करना और उन्हें रोजगार तथा स्वरोजगार के अवसरों के लिए तैयार करना है। बेकरी के प्रशिक्षण से प्रतिभागी खाद्य उत्पाद तैयार करने से जुड़ी दक्षताएं सीख सकेंगे। वहीं, हेयर स्टाइलिंग और मेकअप के क्षेत्र में प्रशिक्षण लेकर वे सौंदर्य सेवाओं से जुड़े काम में अपना भविष्य बना सकते हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करने के लिए योग्य एजेंसियों का चयन टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा।

इच्छुक एजेंसियां 10 नवंबर


एआई चित्र

को दोपहर दो बजे तक ऑनलाइन बोली जमा कर सकेंगी। इसके बाद निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार एजेंसियों का चयन किया जाएगा। टेंडर में विभिन्न प्रकार की पात्र संस्थाओं को आवेदन करने का मौका दिया गया है।

कौशल प्रशिक्षण के लिए टेंडर जारी

टेंडर में सोसायटी, गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ), ट्रस्ट और साझेदारी फर्मों को आवेदन करने का अवसर दिया गया है। इसके अलावा निजी एवं सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियां, सरकारी संस्थान, सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयां, विश्वविद्यालय और मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण संस्थान भी बोली प्रक्रिया में हिस्सा ले सकेंगे। बोर्ड की ओर से निर्धारित शर्तों के आधार पर पात्र एजेंसियों का चयन किया जाएगा। चयनित एजेंसियां प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करने में सहयोग करेंगी। इस पहल से बेकरी, हेयर स्टाइलिंग और मेकअप के क्षेत्र में रुचि रखने वाले लोगों को व्यावहारिक प्रशिक्षण मिलने की उम्मीद है।

सख्ती मौलिक अधिकारों के उल्लंघन का आरोप लगाकर हाईकोर्ट पहुंचे थे दोनों नेता

हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी के बाद सौरव-आशुतोष ने याचिका ली वापस

एजेंसी, नई दिल्ली

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेता सौरव दास और आशुतोष रांका ने न्यायिक हिरासत बढ़ाने के स्पेशल एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट (एसईएम) के फैसले को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी। हालांकि, सुनवाई के दौरान अदालत की सख्त टिप्पणियों के बाद दोनों नेताओं ने अपनी याचिका वापस ले ली।



बुधवार को न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ ने मामले पर सुनवाई की। दोनों नेताओं की ओर से पेश अधिवक्ता अभिक चिमिनी ने दलील दी कि 14 अक्टूबर को ट्रायल कोर्ट ने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा था। उन्होंने हिरासत की प्रक्रिया और उसे अपनाए जाने के तरीके पर सवाल उठाए। सुनवाई के दौरान अदालत ने दोनों नेताओं के आचरण पर कड़ी टिप्पणी की। पीठ ने कहा कि यह उनके द्वारा की गई दूसरी ऐसी घटना है और उन्होंने एक बॉन्ड तोड़ा है। अदालत ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि उन्हें ऐसे नतीजे भुगतने पड़ सकते हैं, जिन्हें बाद में बदला नहीं जा सकेगा। हाईकोर्ट की इन टिप्पणियों के बाद सौरव दास और आशुतोष रांका ने अपनी याचिका वापस लेने का फैसला किया। दोनों नेताओं ने स्पेशल एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट के उस निर्णय को चुनौती दी थी, जिसके तहत उनकी न्यायिक हिरासत बढ़ाई गई थी।

मामले में याचिका वापस लिए जाने के बाद हिरासत के फैसले को लेकर हाईकोर्ट में आगे सुनवाई नहीं हुई। अदालत की सख्त टिप्पणियों के बाद दोनों नेताओं ने कानूनी चुनौती आगे न बढ़ाने का निर्णय लिया और याचिका वापस ले ली।

दिल्ली में प्रदूषण रोकने के लिए नए नियम लागू

कार्यालयों के समय में भी बदलाव किया जाएगा। एमसीडी के कार्यालय सुबह 8:30 बजे से शाम 5 बजे तक, जबकि दिल्ली सरकार के कार्यालय सुबह 10 बजे से शाम 6:30 बजे तक संचालित होंगे। इसके अलावा पेट्रोल पंपों पर केवल वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसीसी) वाले वाहनों को ही ईंधन देने का प्रावधान किया गया है।1 नवंबर से 31 जनवरी तक दिल्ली के बाहर पंजीकृत गैर-बीएस-6 वाणिज्यिक वाहनों के प्रवेश पर भी रोक रहेगी। हालांकि सीएनजी, इलेक्ट्रिक, आपातकालीन सेवाओं और सरकारी कार्यों से जुड़े वाहनों को इससे छूट दी जाएगी। खुले में कूड़ा और बायोमास जलाने पर भी सख्ती की जाएगी। सरकार का कहना है कि पहले से नियम तय करने से विभागों, निर्माण एजेंसियों और आम लोगों को तैयारी का पर्याप्त समय मिलेगा।

न्यूज ब्रीफ

बिजली बोर्ड पेंशनर्स ने लंबित वित्तीय लाभ जारी करने की उठाई मांग



भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। एचपीएसईबी लिमिटेड पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन की कांगड़ा इकाई की द्विमासिक बैठक होटल सागर गैलरी, मटौर में आरबी मेहता की अध्यक्षता में हुई। बैठक में पेंशनर्स ने स्वर्गीय चंद्र सिंह मड़ियाल के निधन पर शोक जताते हुए दो मिनट का मौन रखा। बैठक में एक जनवरी 2016 से मई 2022 के बीच सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों के लंबित वित्तीय लाभ जारी न होने पर रोष व्यक्त किया गया। पेंशनर्स ने सरकार और बिजली बोर्ड से ग्रेच्युटी, लीव एनकैशमेंट, कम्यूटेशन, सर्विस पीरियड एरियर, पेंशन एरियर और 15 प्रतिशत महंगाई भत्ता जल्द जारी करने की मांग की। इसके अलावा बिजली बोर्ड में पुरानी पेंशन योजना बहाल करने की मांग भी उठाई गई। एसोसिएशन ने चेतावनी दी कि मांगें शीघ्र पूरी नहीं होने पर पेंशनर्स सड़कों पर उतरकर आंदोलन करने को मजबूर होंगे। बैठक में एचडी चौधरी, एसके चड्ढा, शेष राज चौधरी, तरसेम कोडल सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी कर्मियों के मानदेय में 14 वर्षों से एक रुपए की भी वृद्धि नहीं: मोहित वर्मा

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। आंगनबाड़ी वर्कर्स व हेल्पर्स यूनियन, सीटू की अर्की परियोजना इकाई की बैठक बिमला ठाकुर की अध्यक्षता में हुई। बैठक में 23 अक्तूबर को प्रदर्शन करने और एक-दो दिसंबर को दिल्ली में होने वाले घेराव में सोलन से सैकड़ों कर्मियों के भाग लेने का निर्णय लिया गया। सीटू जिला महासचिव मोहित वर्मा ने कहा कि आंगनवाड़ी कर्मियों के मानदेय में 14 वर्षों से वृद्धि नहीं हुई है। उन्होंने मानदेय बढ़ाने और कर्मचारी का दर्जा देने की मांग की। बैठक में ग्रेच्युटी, ईपीएफ, तीन हजार रुपये मासिक पेंशन, सेवानिवृत्ति आयु 65 वर्ष करने तथा मेडिकल अवकाश की सुविधा देने की मांग उठाई गई। इसके अलावा फोन रिचार्ज, लंबित बिलों के भुगतान, नए स्मार्टफोन, आयुष्मान कार्ड में पूरे परिवार को शामिल करने और पारदर्शी स्थानांतरण नीति लागू करने की मांग भी की गई। यूनियन ने चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं होने तक संघर्ष जारी रहेगा। बैठक में स्वर्चा गुप्ता, कांत ठाकुर, शकुंतला, मोनिका, सुनीता सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

पुलिस लाइन बिलासपुर में मनाया पुलिस स्मृति दिवस, एसपी ने वीर शहीदों को दी श्रद्धांजलि



भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर पुलिस लाइन बिलासपुर में एक गरिमामयी श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान कर्तव्य की वेदी पर अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीद पुलिस कर्मियों को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक (एसपी) अभिषेक धीमान सहित अन्य पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर शहीदों के अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा और सर्वोच्च बलिदान को नमन किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अभिषेक धीमान ने कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा, शांति व कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीर जवानों का त्याग, समर्पण और वीरता सदैव सभी के लिए प्रेरणास्रोत रहेंगे। उन्होंने कहा कि शहीदों का यह सर्वोच्च बलिदान पुलिस बल के प्रत्येक जवान को कर्तव्यपथ पर पूरी निष्ठा, साहस और समर्पण के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। समारोह के दौरान पुलिस की टुकड़ी द्वारा शोक शस्त्र की सलामी दी गई और दो मिनट का मौन रखकर वीर शहीदों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। बिलासपुर पुलिस के समस्त अधिकारियों व जवानों ने शहीदों के आदर्शों पर चलने और जनसेवा व सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

कोटली में भगवान राम का हुआ राजतिलक

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। उपमंडल मुख्यालय कोटली के किसान भवन में दस दिनों से चल रहे रामलीला उत्सव का समापन भगवान राम के राजतिलक के साथ हुआ। अंतिम दृश्य में राम-रावण के बीच भीषण युद्ध का मंचन किया गया। विभीषण की सलाह पर राम ने अग्निबाण से रावण की नाभि सुखाकर उसका वध किया। इसके बाद आयोजन स्थल जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। ग्राम पंचायत कोटली के प्रधान रामलाल ठाकुर ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की और कमेटी को 11 हजार रुपए सहयोग राशि भेंट की। इस दौरान कलाकारों व पदाधिकारियों को वर्ष 2027 की स्मारिका डायरी वितरित की गई। कमेटी ने अतिथियों को शॉल, टोपी और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

शीतकालीन स्कूलों में तीसरी, पांचवीं और आठवीं की परीक्षाएं एक दिसंबर से प्रस्तावित

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश के शीतकालीन अवकाश वाले स्कूलों में तीसरी, पांचवीं और आठवीं कक्षा की वार्षिक परीक्षाएं एक दिसंबर 2026 से आयोजित करने का प्रस्ताव है। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए विषयवार प्रस्तावित तिथियां तैयार कर अंतिम मंजूरी के लिए शिक्षा निदेशालय, शिमला को भेज दी हैं। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि निदेशालय की स्वीकृति मिलने के बाद परीक्षाओं की अंतिम डेटशीट जारी की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियों और सर्दियों में पड़ने वाली कड़ाके की ठंड व बर्फबारी को ध्यान में रखते हुए यह प्रस्ताव तैयार किया गया है। इसका उद्देश्य खराब मौसम के कारण विद्यार्थियों को परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने में होने वाली परेशानी से बचाना और परीक्षाओं का सुचारू संचालन सुनिश्चित करना है। फिलहाल परीक्षा तिथियां प्रस्तावित हैं।

बैजनाथ में आयोडीन की कमी से होने वाले विकारों के प्रति किया जागरूक



भारतेन्दु संवाददाता, बैजनाथ। राष्ट्रीय आयोडीन अल्पता विकार दिवस के अवसर पर बुधवार को क्रेयॉन्स वर्ल्ड पब्लिक स्कूल बैजनाथ में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। खंड महाकाल स्वास्थ्य विभाग की टीम ने डॉ. नलीन मिन्हास की अध्यक्षता में विद्यार्थियों को आयोडीन के महत्व और इसकी कमी से होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं की जानकारी दी। स्वास्थ्य टीम ने बताया कि आयोडीन थायरॉयड हार्मोन के निर्माण के लिए आवश्यक है। यह बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विद्यार्थियों को आयोडीन युक्त नमक के नियमित सेवन, इसे सही तरीके से सुरक्षित रखने और भोजन में नमक का उचित मात्रा में इस्तेमाल करने के बारे में जागरूक किया गया। डॉ. नलीन मिन्हास ने कहा कि आयोडीन की कमी से बचाव के लिए बच्चों और अभिभावकों को जागरूक करना जरूरी है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्वास्थ्य संबंधी सवाल पूछे। स्वास्थ्य टीम ने उनके सवालों के जवाब देकर जरूरी जानकारी दी।

त्योहारी सीजन में दिल्ली-चंडीगढ़ के लिए चलेंगी एचआरटीसी की अतिरिक्त बसें

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। त्योहारी सीजन में यात्रियों की सुविधा के लिए हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) के धर्मशाला मंडल से छह और सात नवंबर को दिल्ली व चंडीगढ़ के लिए विशेष बसें चलाई जाएंगी। मंडलीय प्रबंधक पंकज चड्ढा ने बताया कि यात्रियों की भीड़ को देखते हुए विभिन्न डिपो से अतिरिक्त बसें चलाने की योजना तैयार की गई है। चंडीगढ़ के लिए छह नवंबर को चंबा, पठानकोट, धर्मशाला, नगरोटा बगवां, पालमपुर और बैजनाथ से पांच-पांच बसें चलेंगी। सात नवंबर को धर्मशाला, नगरोटा बगवां, पालमपुर और बैजनाथ से पांच-पांच, जबकि चंबा और पठानकोट से चार-चार बसें रवाना होंगी। दिल्ली के लिए दोनों दिन विभिन्न डिपो से साधारण बसों के साथ धर्मशाला से वोल्वो बस भी चलेगी। इस व्यवस्था से नौकरीपेशा लोगों, विद्यार्थियों और अन्य यात्रियों को राहत मिलेगी।

हिमाचल के 100 नए सीबीएसई स्कूलों में होगी शिक्षकों की तैनाती : मुख्यमंत्री सुक्खू

कक्षा पहली से नैतिक शिक्षा शुरू करने के निर्देश, जिम्मेदारी की भावना विकसित करने पर दिया बल

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए बच्चों में प्रारंभिक अवस्था से ही नैतिक मूल्यों, अनुशासन, करुणा, बड़ों के प्रति सम्मान और जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के लिए कक्षा पहली से नैतिक शिक्षा आरंभ करने के निर्देश दिए।



- सीएम ने जेबीटी के 600 पदों पर भर्ती में तेजी लाने के दिए निर्देश
- 3,900 शिक्षकों तथा 900 गैर-शिक्षकों के पदों को भरने की प्रक्रिया की समीक्षा की

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल शैक्षणिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण और उनके सर्वांगीण विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने सरकारी स्कूलों में सीबीएसई पाठ्यक्रम लागू करने की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने इन स्कूलों में योग्य शिक्षकों, पर्याप्त प्रशासनिक कर्मचारियों तथा अनुकूल शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने सीबीएसई स्कूलों के लिए जूनियर बेसिक टीचर (जेबीटी) के 600 पदों पर भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाने तथा 100 नए स्कूलों में शिक्षकों की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन संस्थानों का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए कर्मचारियों की आवश्यकताओं को योजनाबद्ध तरीके से पूरा किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने सीबीएसई स्कूलों में मिनिस्ट्रीयल स्टाफ और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की आवश्यकता की भी समीक्षा की।

उन्होंने अधिकारियों को निर्धारित मानदंडों के अनुसार कर्मचारियों की जरूरत का आकलन कर आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने नई योजना आधारित भर्ती के तहत 3,900 शिक्षकों तथा 900 गैर-शिक्षकों के पदों को भरने की प्रक्रिया की समीक्षा भी की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, सरकारी स्कूलों को सुदृढ़ करने तथा प्रभावी निगरानी और जवाबदेही के माध्यम से लिए गए निर्णयों को समयबद्ध तरीके से लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। बैठक में सचिव शिक्षा डॉ. यूनुस, निदेशक स्कूल शिक्षा आशीष कोहली सहित शिक्षा विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बिलासपुर में भव्यता के साथ संपन्न हुआ 25वां शारदोत्सव, नड्डा ने समाजसेवियों को नवाजा



भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। शहर में आयोजित 25वां शारदोत्सव (दुर्गा पूजा उत्सव) रजत जयंती की भव्यता के साथ संपन्न हो गया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने समाजसेवियों को सम्मानित किया। उत्सव के दौरान मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में की गई विशेष सजावट श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रही। इस बार आयोजन में पिछले वर्षों की तुलना में अधिक जनभागीदारी देखने को मिली।

शारदोत्सव को भव्य स्वरूप देने में दुर्गा पूजा समिति के सदस्यों और उत्सव की संस्थापिका डॉ. मल्लिका नड्डा के प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। समिति के सदस्यों ने शहर की दुकानों, घरों और सरकारी कार्यालयों में जाकर लोगों को उत्सव में शामिल होने का निमंत्रण दिया। इससे आयोजन के प्रति लोगों में उत्साह बढ़ा और बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। डॉ. मल्लिका नड्डा के प्रयासों से यह आयोजन हिमाचल प्रदेश के प्रमुख दुर्गा पूजा उत्सवों में अपनी विशेष पहचान बना चुका है। इसकी खास विशेषता मां दुर्गा की बंगाली पद्धति से पूजा-अर्चना और हिमाचली संस्कृति का सुंदर संगम है। बिलासपुर के लोगों ने भी इस परंपरा को अपनाकर सांस्कृतिक एकता और आपसी सद्भाव का संदेश दिया।

रजत जयंती वर्ष के आयोजन ने धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक सहभागिता को भी मजबूती प्रदान की। उत्सव के माध्यम से लोगों को एकजुट करने और समाजसेवियों के योगदान को सम्मान देने का प्रयास किया गया। समारोह का समापन श्रद्धा, उत्साह और सांस्कृतिक सौहार्द के वातावरण में हुआ।

दुगनेड़ी-बारल सड़क, सोलर लाइट्स और अन्य विकास कार्यों के लिए दिया जाएगा बजट : बिट्टू



भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार सुनील शर्मा बिट्टू ने कहा है कि हमीरपुर शहर के साथ लगते गांव दुगनेड़ी में शीघ्र ही सोलर लाइटें लगाई जाएंगी और दुगनेड़ी से बारल तक सड़क के निर्माण के लिए धनराशि का प्रावधान किया जाएगा। गांव दुगनेड़ी में आयोजित जनसमस्या निवारण कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि यहां की पुरानी बावड़ी का जीर्णोद्धार करके इसमें हैंड पंप लगाया जाएगा और गौर से मोक्षधाम तक पक्की सड़क बनाई जाएगी।

सुनील शर्मा बिट्टू ने बताया कि हमीरपुर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न इलाकों के लोगों की समस्याओं का पता लगाने तथा इन समस्याओं का त्वरित निपटारा सुनिश्चित करने के लिए वह लगातार इन इलाकों का दौरा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दुगनेड़ी में भी सड़क, पेयजल, बिजली, स्ट्रीट लाइट्स और अन्य सभी आवश्यक सुविधाओं से संबंधित सभी जनसमस्याओं का त्वरित निपटारा करवाने के लिए संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। मुख्यमंत्री सुक्खू के साढ़े तीन वर्ष के कार्यकाल की चर्चा करते हुए सुनील शर्मा बिट्टू ने कहा कि इस दौरान मुख्यमंत्री ने जिला हमीरपुर के लिए अरबों रुपए की परियोजनाएं मंजूर की हैं। उन्होंने हमीरपुर के लिए मेडिकल कालेज, डेंटल कालेज, नर्सिंग कालेज, प्रदेश का पहला अलाइड हेल्थ सर्विसेज कालेज, कैंसर केयर संस्थान, मातृ-शिशु अस्पताल, प्रदेश का पहला डेडिकेटड साइंस कालेज, प्रदेश का सबसे बड़ा बस अड्डा, इंडोर स्टेडियम, विभिन्न विभागों, बोर्डों एवं निगमों के राज्य स्तरीय कार्यालय और कई अन्य सौगातें दी हैं।

भगवान श्रीराम का जीवन देता है सत्य और न्याय का संदेश : राज्यपाल

युवाओं से नशे से दूर रहने, नवाचार अपनाने और भारतीय संस्कृति से जुड़े रहने का किया आह्वान

धनेश गौतम, भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने बुधवार को ऐतिहासिक ढालपुर मैदान में अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव का विधिवत शुभारंभ किया।

ससाह भर चलने वाले इस महोत्सव की शुरुआत भगवान रघुनाथ जी की पारंपरिक रथयात्रा के साथ हुई, जिसमें कुल्लू घाटी के विभिन्न क्षेत्रों से 347 से अधिक देवी-देवताओं ने भाग लिया। इस अवसर पर लेडी गवर्नर बिंदु गुप्ता भी मौजूद रहीं। राज्यपाल ने प्रदेशवासियों को दशहरा उत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कुल्लू दशहरा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि हिमाचल प्रदेश की समृद्ध देव संस्कृति, लोक परंपराओं, सामूहिक आस्था और सामाजिक सद्भाव का जीवंत प्रतीक है। देव संस्कृति और लोक संस्कृति का अनूठा संगम इस उत्सव को देश के सांस्कृतिक मानचित्र पर विशिष्ट पहचान दिलाता है। उन्होंने कहा कि परंपराएं केवल अतीत की विरासत नहीं होतीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए भी मार्गदर्शन तथा शक्ति का स्रोत हैं। अपनी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखना और इसे युवा पीढ़ी तक पहुंचाना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। विजयादशमी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए राज्यपाल ने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन समाज को सत्य, कर्तव्य, त्याग, न्याय और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने लोगों से नशाखोरी, हिंसा, भ्रष्टाचार और समाज में वैमनस्य फैलाने वाली बुराइयों के खिलाफ एकजुट होकर खड़े होने का आह्वान किया। राज्यपाल ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ कार्य करना चाहिए। राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सामाजिक सद्भाव बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि हमारी एकता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। इसलिए सभी को आपसी मतभेदों से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखना चाहिए। हिमाचल प्रदेश की प्राकृतिक संपदा के संरक्षण पर जोर देते हुए राज्यपाल ने कहा कि यहां के पर्वत, जंगल, नदियां और जैव विविधता अमूल्य प्राकृतिक धरोहर हैं। प्रदेश की देव परंपराएं भी प्रकृति के प्रति सम्मान और उसके साथ सह-अस्तित्व का संदेश देती हैं।



विकसित भारत के लक्ष्य में योगदान देने की अपील

राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। विकसित भारत-2047 की परिकल्पना ऐसे भारत की है, जो आर्थिक रूप से समृद्ध, तकनीकी रूप से उन्नत, सामाजिक रूप से समरस और अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से गहराई से जुड़ा हो। उन्होंने प्रदेशवासियों सहित सभी नागरिकों से इस राष्ट्रीय संकल्प को साकार करने में सक्रिय योगदान देने की अपील की।

आकासा शर्मा ने लगातार तीसरे साल जीती सबसे तेज स्केटर की उपाधि

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। महज 13 वर्ष की उम्र में आकासा शर्मा ने तीसरी हिमाचल प्रदेश राज्य स्तरीय स्केटिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। अंडर-15 वर्ग में खेलते हुए आकासा ने दो स्वर्ण पदक जीतने के साथ चैंपियंस ट्रॉफी भी अपने नाम की। इस उपलब्धि के साथ वह लगातार तीसरे वर्ष हिमाचल प्रदेश की सबसे तेज अंडर-15 स्केटर बनी हैं। प्रतियोगिता की 500 मीटर और 1000 मीटर रिंक दौड़ में आकासा ने बेहतरीन गति, संतुलन और दमखम का प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया। दोनों स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीतकर उन्होंने अपनी श्रेष्ठता साबित की। उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि अंडर-15 वर्ग की चैंपियंस ट्रॉफी जीतना रही। लड़के और लड़कियों की संयुक्त स्पर्धा में भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए सभी प्रतिभागियों को पीछे छोड़ दिया। इनलाइन स्पीड स्केटिंग जैसे चुनौतीपूर्ण खेल में आकासा की लगातार सफलता उनके कठिन अभ्यास, अनुशासन और मेहनत का परिणाम है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार, प्रशिक्षकों और खेल जगत में खुशी का माहौल है।



श्री साई समूह के बधानी महाविद्यालय में 'आरंभ-2026' नवागंतुक समारोह आयोजित



भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। श्री साई समूह के बधानी महाविद्यालय में नवागंतुक विद्यार्थियों के स्वागत के लिए 'आरंभ-2026' समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समूह के अध्यक्ष एसके पुंज मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि प्रबंध निदेशक तृप्ता पुंज तथा मुख्य प्रबंध निदेशक कंवर तुषार पुंज और रिया पुंज ने विशेष अतिथि के रूप में शिरकत की।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विपिन गुप्ता, डॉ. दिनेश महाजन, उपप्राचार्य संजय पंडित और डॉ. दीपक शर्मा सहित शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर एसके पुंज ने विद्यार्थियों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि महाविद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण देकर एक अच्छा इंसान और सफल पेशेवर बनाना है। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय से शिक्षा प्राप्त करने वाले अनेक विद्यार्थी देश-विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों में उच्च पदों पर कार्य कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि इस बार महाविद्यालय के चार विद्यार्थियों ने एमटेक में पंजाब तकनीकी विश्वविद्यालय की शीर्ष दस श्रेणी में स्थान हासिल किया है। उन्होंने नवागंतुक विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि संस्थान उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, व्यावहारिक अनुभव और बेहतर प्रशिक्षण उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विद्यार्थियों को मजबूत चरित्र, सामाजिक मूल्यों और बौद्धिक क्षमता के विकास के साथ जीवन में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय में पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद और अन्य गतिविधियों को भी प्रोत्साहित किया जाता है। प्रत्येक वर्ष जनवरी में वार्षिक खेल प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। महाविद्यालय के विद्यार्थी बास्केटबॉल और फुटबॉल में राष्ट्रीय स्तर पर भी संस्थान का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी का मनोरंजन किया। मुख्य प्रबंध निदेशक कंवर तुषार पुंज ने भी नवागंतुक विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

आरोग्य जन कल्याण समिति ने मनाया चौथा स्थापना दिवस



भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। आरोग्य जन कल्याण समिति ने बुधवार को जीवन सहारा वृद्धाश्रम, गुटकर में अपना चौथा स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया। कार्यक्रम में समाज सेवा, बुजुर्गों के सम्मान और मानवता के प्रति समर्पण का संदेश दिया गया। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के प्रदेश सचिव राजेंद्र पाल चौहान टीम सहित मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। संस्था की संचालिका प्रिंसी गुलेरिया ने अतिथियों का स्वागत किया। समारोह के दौरान वृद्धाश्रम के नए भवन के निर्माण के लिए दानवीरों ने बढ़-चढ़कर सहयोग दिया। संस्था ने इसे बुजुर्गों को बेहतर सुविधाएं और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध करवाने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान बताया। इस अवसर पर शेमफोर्ड लिटिल स्टार्स स्कूल मंडी के बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। संस्था की ओर से बच्चों को कॉपियां, पेन और सहभागिता प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रिंसी गुलेरिया ने सभी अतिथियों, दानदाताओं और सहयोगियों का आभार जताया।

राम मंदिर संकल्प पट्टिका और डॉ. शिव कुमार की प्रतिमा स्थापना को शांता ने बताया ऐतिहासिक

भारतेन्दु संवाददाता, पालमपुर। पूर्व मुख्यमंत्री व पूर्व केंद्रीय मंत्री शांता कुमार ने राम मंदिर संकल्प पट्टिका स्थापित करने और प्रसिद्ध समाजसेवी डॉ. शिव कुमार की प्रतिमा लगाकर उन्हें श्रद्धांजलि देने के कार्यक्रम को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि पालमपुर के लोगों ने दलगत राजनीति से ऊपर उठकर इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। शांता कुमार ने कहा कि कुछ लोगों द्वारा कार्यक्रम से जुड़ी घटनाओं को लेकर सामाजिक माध्यमों पर गलत प्रचार किया जा रहा है। कांग्रेस नेताओं के साथ हाथ मिलाकर राम मंदिर का उद्घोष करना आपसी सद्भाव का महत्वपूर्ण उदाहरण था, लेकिन कुछ लोग अपने निजी और राजनीतिक स्वार्थों के लिए इसका गलत अर्थ निकाल रहे हैं। उन्होंने कार्यक्रम में त्रिलोक कपूर के योगदान की सराहना की। साथ ही रोटरी संस्था और उसके प्रतिनिधियों की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताया। शांता कुमार ने आयोजन की सफलता के लिए जनता को बधाई देते हुए लोगों से सामाजिक माध्यमों पर निरर्थक चर्चाओं को समाप्त करने का आग्रह किया।



मंडी में खुला आधार सेवा केंद्र, सप्ताह के सातों दिन मिलेंगी सुविधाएं

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण की ओर से मंडी के सौली खड्ड में अधिकृत आधार सेवा केंद्र शुरू किया गया है। यहां नागरिकों को सप्ताह के सातों दिन आधार संबंधी विभिन्न सेवाएं उपलब्ध होंगी। केंद्र के संचालन प्रबंधक सुशील कुमार ने बताया कि यहां नए आधार नामांकन के साथ नाम, पता, जन्मतिथि और लिंग में सुधार करवाया जा सकता है। इसके अलावा फिंगरप्रिंट, आंखों की पुतली और फोटो अपडेट करने की सुविधा भी उपलब्ध है। नागरिक आधार कार्ड प्रिंट और डाउनलोड करवाने में भी सहायता ले सकते हैं। अन्य राज्यों के नागरिक भी इन सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। यह केंद्र होटल पारस के निकट, भूतल, सौली खड्ड में स्थित है। केंद्र सुबह नौ से शाम साढ़े पांच बजे तक खुला रहेगा। सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर 1947 पर संपर्क किया जा सकता है।

मैनेजमेंट इकोज 2.0 में सांस्कृतिक रंगों की धूम, पहाड़ी नाटी से सजी शाम

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। वल्लभ राजकीय महाविद्यालय के बीबीए विभाग की ओर से आयोजित दो दिवसीय वार्षिक उत्सव 'मैनेजमेंट इकोज 2.0' का पहला दिन सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, संगीत और युवा प्रतिभा के नाम रहा।



कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपनी कला, रचनात्मकता और उत्साह से पूरे आयोजन को यादगार बनाया। कार्यक्रम की शुरुआत शास्त्रीय नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति से हुई। इसके बाद लोकनृत्य, बॉलीवुड डांस, पंजाबी प्रस्तुतियों और गायन ने दर्शकों का मनोरंजन किया। विद्यार्थियों की ओर से प्रस्तुत ब्वॉयज फनी डांस विशेष आकर्षण का केंद्र रहा, जिसने अपनी मनोरंजक शैली से दर्शकों को खूब गुदगुदाया। कार्यक्रम में हिमाचली संस्कृति की झलक भी देखने को मिली। विद्यार्थियों ने पारंपरिक पहाड़ी नाटी प्रस्तुत कर प्रदेश की समृद्ध लोक विरासत को मंच पर जीवंत किया। लोकधुनों और पारंपरिक नृत्य की लय ने दर्शकों को हिमाचल की सांस्कृतिक पहचान से जोड़ते हुए कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। दिनभर की सांस्कृतिक गतिविधियों के बाद शाम का आकर्षण रहे अर्चित बिष्ट, नितिन संतोषी और कबीर। इन कलाकारों के नाम रही स्टार शाम ने विद्यार्थियों के उत्साह को और बढ़ाया। संगीत और मनोरंजन से भरपूर इस संध्या ने आयोजन को यादगार बना दिया। बीबीए विभाग की प्राध्यापिका डॉ. प्रवीण सोंखला के नेतृत्व में आयोजित इस उत्सव में प्राध्यापिका परिणिता व सपना ने सहयोगी भूमिका निभाई। आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने, आत्मविश्वास बढ़ाने और नेतृत्व क्षमता, टीम भावना तथा प्रबंधन कौशल को विकसित करने का अवसर मिला। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. संजीव कुमार ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए इससे दूर रहने का संदेश दिया।

भाकपा के जिला सचिव बने ललित ठाकुर, एक नवंबर की रैली में लेंगे भाग

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के जिला सम्मेलन में ललित ठाकुर को जिला सचिव तथा देवराज को कोषाध्यक्ष चुना गया। सम्मेलन में एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन की प्रस्तावित रैली में हिमाचल और मंडी से सैकड़ों सक्रिय सदस्यों के भाग लेने का निर्णय लिया गया। सम्मेलन में राज्य सचिव भाग सिंह चौधरी, पूर्व राज्य सचिव वासुदेव बसु, देशराज शर्मा और जिला प्रभारी प्रवेश चंदेल सहित जिला भर के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। निवर्तमान जिला सचिव मेघ सिंह पलसरा ने पार्टी की गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। वक्ताओं ने देश के वर्तमान राजनीतिक हालात पर चिंता जताते हुए धर्मनिरपेक्ष संस्थाओं से आगे आने का आह्वान किया। मेघ सिंह पलसरा, हरमेश शर्मा, राधा ठाकुर, देश मित्र, अमरजीत और धर्मपाल को सचिव मंडल में शामिल किया गया।

अतुल ठाकुर भाजयुमो के राष्ट्रीय मीडिया सह प्रभारी नियुक्त, एबीवीपी से शुरू हुआ सफर



भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) की नवनियुक्त राष्ट्रीय टीम में हिमाचल प्रदेश के युवा नेता अतुल ठाकुर को राष्ट्रीय मीडिया सह-प्रभारी नियुक्त किया गया है। वर्तमान में वह भाजयुमो हिमाचल प्रदेश के प्रदेश प्रवक्ता के रूप में कार्यरत हैं। उनकी नियुक्ति से प्रदेश के संगठनात्मक क्षेत्र में उत्साह है। अतुल ठाकुर का संगठनात्मक सफर वर्ष 2012 में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से शुरू हुआ

न्यूज ब्रीफ

15.33 ग्राम चिट्टे के साथ 39 वर्षीय आरोपी काबू



भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। पुलिस जिला नूरपुर में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने ढांगूपीर में एक आरोपी को 15.33 ग्राम चिट्टा (हेरोइन) के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगामी जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, एसपी इल्मा अफरोज के दिशा-निर्देशों पर सीआइए नूरपुर और पुलिस चौकी ढांगूपीर की संयुक्त टीम ने पुलिस थाना डमटाल के अंतर्गत न्यू बस्ती ढांगूपीर में कार्रवाई की। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति अपने रिहायशी मकान से चिट्टा बेच रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने नियमानुसार मकान की तलाशी ली। तलाशी के दौरान मकान की ऊपरी मंजिल में कमरे के अंदर रखी लोहे की अलमारी के ऊपरी रैक में कपड़ों के बीच छिपाया गया प्लास्टिक का डिब्बा बरामद हुआ। इसमें पारदर्शी पॉलीथीन में रखा हल्के सफेद और भूरे रंग का पदार्थ मिला। जांच किट से परीक्षण करने पर चिट्टे के सकारात्मक संकेत मिले। इलेक्ट्रॉनिक तराजू से तौलने पर पदार्थ का वजन 15.33 ग्राम पाया गया। एएसपी धर्म चंद वर्मा ने बताया कि आरोपी की पहचान गुरपिंदर सिंह (39), पुत्र जगतार सिंह, निवासी न्यू बस्ती ढांगूपीर, तहसील इंदौरा, जिला कांगड़ा के रूप में हुई है। पुलिस थाना डमटाल में प्राथमिकी संख्या 159/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धाराओं 21, 61 और 85 में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अब नशे की आपूर्ति के स्रोत और संभावित तस्करी नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है।

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कार्रवाई की मांग



भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। अर्की ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के कार्यकाल में लिए गए फैसलों पर सवाल उठाते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में कमेटी ने एसडीएम अर्की को ज्ञापन सौंपकर उन्हें पद से हटाने और उनके कार्यकाल के प्रमुख फैसलों की स्वतंत्र समीक्षा करवाने का आग्रह किया। ज्ञापन में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया, मतदाता सूचियों में नाम जोड़ने और हटाने तथा निर्वाचन आयोग की सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली के केंद्रीकरण से जुड़े मुद्दे उठाए गए हैं। कमेटी ने इन मामलों की निष्पक्ष जांच और संबंधित फैसलों की पारदर्शी समीक्षा करवाने की मांग की। कांग्रेस कमेटी ने ज्ञापन में निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली पर चिंता जताते हुए कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता, निष्पक्षता और विश्वसनीयता बनाए रखना आवश्यक है। कमेटी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त के खिलाफ लगाए गए आरोपों की कानूनी प्रक्रिया के तहत जांच करवाकर आवश्यक कार्रवाई करने का आग्रह किया। साथ ही मांगों के समर्थन में लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण विरोध कार्यक्रम आयोजित करने की बात भी कही।

चीनी भंडारण की सीमा घटाकर 1000 क्विंटल की

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। केंद्र सरकार ने चीनी की जमाखोरी पर रोक लगाने और बाजार में पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए भंडारण सीमा घटाकर 1000 क्विंटल कर दी है। पहले थोक व्यापारी अधिकतम 2000 क्विंटल चीनी का स्टॉक रख सकते थे। संशोधित नियम 15 अक्तूबर 2026 से लागू हो गए हैं। जिला नियंत्रक, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले, बिलासपुर शीतल शर्मा ने बताया कि जिले के सभी थोक व्यापारियों को नए दिशा-निर्देशों का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। चीनी के डीलरों और व्यापारियों को फूड स्टॉक मॉनिटरिंग पोर्टल पर अपने स्टॉक का विवरण नियमित रूप से अद्यतन करना होगा। उन्होंने कहा कि जिन व्यापारियों ने अभी तक पोर्टल पर पंजीकरण नहीं करवाया है, वे जल्द पंजीकरण करवाएं। विभागीय निरीक्षकों को नियमों के पालन की जांच के लिए औचक निरीक्षण करने के निर्देश भी दिए गए हैं। इससे निर्धारित सीमा से अधिक भंडारण पर निगरानी रखी जा सकेगी और बाजार में चीनी की उपलब्धता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

महाराणा प्रताप स्कूल में पंजाबी लोक संस्कृति की धूम



भारतेन्दु संवाददाता, पठियार। महाराणा प्रताप इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, धर्मगिरी पठियार में पंजाब फोक आर्ट सेंटर की ओर से पंजाबी लोक संस्कृति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विद्यार्थियों को पंजाबी लोक नृत्य से परिचित करवाया गया। बच्चों ने उत्साहपूर्वक नृत्य गतिविधियों में भाग लिया और निःशुल्क प्रशिक्षण एवं अभ्यास का अवसर प्राप्त किया। पंजाब फोक आर्ट सेंटर की स्थापना जुलाई 2002 में हुई थी और इसका मुख्य कार्यालय गुरदासपुर, पंजाब में स्थित है। संस्था पंजाब की समृद्ध लोक कला, पारंपरिक नृत्य और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं प्रचार-प्रसार के लिए कार्य करती है। विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों और प्रशिक्षण शिविरों के माध्यम से युवाओं को अपनी परंपराओं से जोड़ने का प्रयास किया जाता है। इस आयोजन से विद्यार्थियों को पंजाबी लोक संस्कृति की विशेषताओं को करीब से जानने का अवसर मिला। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय का वातावरण सांस्कृतिक रंगों से सराबोर रहा। विद्यालय के प्रबंध निदेशक कुलदीप सिंह ठाकुर, मैनेजर पीएस राणा और प्रधानाचार्या पूजा महाजन ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, रचनात्मकता और भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने इस पहल की सराहना की।

इंदौरा में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के आवेदन जमा करने की तिथि बढ़ी

भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। बाल विकास परियोजना अधिकारी इंदौरा के कार्यालय की ओर से उपमंडल के अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के आवेदन जमा करवाने की तिथि बढ़ा दी गई है। पहले आवेदन जमा करवाने की अंतिम तिथि 14 अक्तूबर 2026 निर्धारित की गई थी, लेकिन कुछ आंगनबाड़ी केंद्रों में तीन से कम आवेदन प्राप्त होने के कारण अब यह तिथि बढ़ाकर 4 नवंबर 2026 कर दी गई है। परियोजना अधिकारी के अनुसार, संबंधित ग्राम पंचायतों के विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों में कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित प्रक्रिया के तहत सादे कागज पर भी आवेदन जमा करवा सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी किसी भी कार्यदिवस में सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक बाल विकास परियोजना अधिकारी, इंदौरा के कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

राष्ट्रीय आयोडीन अल्पता विकार दिवस मनाया



भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी बिलासपुर डॉ. शशि दत्त शर्मा के दिशा-निर्देशों के तहत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कोठीपुरा में राष्ट्रीय आयोडीन अल्पता विकार दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्रधानाचार्या कमलेश कुमारी ने की। जिला स्वास्थ्य शिक्षाधिकारी गोपाल कौशल ने विद्यार्थियों को आयोडीन के महत्व और इसकी कमी से होने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आयोडीन शरीर की वृद्धि, मानसिक विकास और थायराइड ग्रंथि के सही कामकाज के लिए आवश्यक है। इसकी कमी से घेंघा रोग हो सकता है। उन्होंने आयोडीन युक्त नमक के सेवन की अपील की। इस अवसर पर भाषण और पोस्टर निर्माण प्रतियोगिताएं भी करवाई गईं। भाषण प्रतियोगिता में मानशी प्रथम, आरुषि द्वितीय और श्रोति तृतीय रहीं। पोस्टर प्रतियोगिता में जगनप्रीत प्रथम, संतोष व हर्ष द्वितीय तथा शाहिना व आरुषि तृतीय स्थान पर रहीं। कार्यक्रम में करीब 150 विद्यार्थियों ने भाग लिया। अंत में विद्यार्थियों को फल वितरित किए गए।

माता हिडिंबा के कुल्लू पहुंचते ही दशहरा उत्सव का आगाज

मनाली से ऐतिहासिक रथयात्रा के साथ पहुंचीं माता हिडिंबा, सदियों पुरानी देव परंपरा का हुआ निर्वहन

धनेश गौतम, भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव की सदियों पुरानी देव परंपरा के तहत माता हिडिंबा कुल्लू पहुंच गई हैं। मनाली स्थित ढुंगरी मंदिर से निकली माता हिडिंबा की ऐतिहासिक रथयात्रा में सैकड़ों हारियान, कारकून और श्रद्धालु शामिल हुए। माता के कुल्लू पहुंचने पर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। माता हिडिंबा के आगमन के साथ ही कुल्लू में दशहरा उत्सव की धार्मिक परंपराओं का आगाज हो गया। माता हिडिंबा की शोभायात्रा के दौरान जगह-जगह श्रद्धालुओं ने माता के दर्शन किए और उनका स्वागत किया। माता के कुल्लू पहुंचने पर राजपरिवार की परंपरा के अनुसार उनका अभिनंदन किया गया। रामशिला में राजपरिवार का सेवक चांदी की छड़ी लेकर माता की अगवानी करता है। इसके बाद माता को पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ रघुनाथ जी के दरबार और राजमहल परिसर तक पहुंचाया जाता है।

राजा जगत सिंह के समय से जुड़ी है दशहरा परंपरा

कुल्लू दशहरा की परंपराओं का संबंध राजा जगत सिंह के शासनकाल और 16वीं शताब्दी से माना जाता है। लोकपरंपराओं के अनुसार, माता हिडिंबा के आशीर्वाद व दैविक वचनों का उत्सव की शुरुआत में विशेष महत्व रहा है। इसी कारण आज भी माता के कुल्लू पहुंचने और उनकी पूजा-अर्चना को दशहरा उत्सव की प्रमुख धार्मिक परंपरा माना जाता है। माता के आगमन के साथ ही देवभूमि कुल्लू में अंतरराष्ट्रीय दशहरा उत्सव की रौनक और धार्मिक उल्लास बढ़ गया है।



राजा विहंगमणि पाल से जुड़ी है दादी कहलाने की मान्यता

देव समाज के प्रतिनिधियों के अनुसार, माता हिडिंबा और कुल्लू राजवंश के संबंधों की परंपरा राजा विहंगमणि पाल के समय से जुड़ी है। लोकमान्यता के अनुसार, माता ने एक वृद्धा का रूप धारण कर राजा को दर्शन दिए थे। कहा जाता है कि राजा ने वृद्धा को उसके गंतव्य तक पहुंचाया, जिसके बाद माता ने प्रसन्न होकर उसे आशीर्वाद दिया और उसकी नजर जहां तक पहुंचे, वहां तक के क्षेत्र का अधिकार प्रदान किया। इसी मान्यता के आधार पर राजा को इस क्षेत्र का शासक घोषित किए जाने की कथा प्रचलित है। तभी से कुल्लू राजवंश माता हिडिंबा को दादी के रूप में पूजता आया है। मान्यता है कि कुल्लू की संपत्ति पर माता का आध्यात्मिक अधिकार है। यही कारण है कि राजपरिवार के सदस्य आज भी उन्हें श्रद्धापूर्वक दादी कहकर पुकारते हैं।

राजघराने की दादी हैं माता हिडिंबा

कुल्लू दशहरा उत्सव में माता हिडिंबा का विशेष धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व है। उन्हें कुल्लू राजघराने की दादी के रूप में पूजा जाता है। मान्यता है कि माता के कुल्लू पहुंचने और उनकी पूजा-अर्चना के बाद ही दशहरा उत्सव की पारंपरिक धार्मिक प्रक्रियाएं आगे बढ़ती हैं। उत्सव के पहले दिन माता हिडिंबा का राजमहल में प्रवेश और पूजा-अर्चना महत्वपूर्ण परंपरा मानी जाती है। इसके बाद भगवान रघुनाथ जी को ढालपुर लाने और उनकी भव्य रथयात्रा की परंपरा निभाई जाती है। माता हिडिंबा दशहरा उत्सव के सातों दिन कुल्लू में अपने अस्थायी शिविर में विराजमान रहती हैं। लंका दहन की परंपरा पूरी होने के बाद ही वह अपने मूल देवालय मनाली लौटती हैं। उत्सव में शामिल होने वाले देवी-देवताओं के बीच माता हिडिंबा को विशेष स्थान प्राप्त है।

लग घाटी के सोम प्यारे पर प्रशासन ने जताया फिर से भरोसा, पुन: मिला अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा 2026 का आमंत्रण



भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। लग घाटी के गांव बड़ेहिरा ग्रां के निवासी व हिमाचल के सुप्रसिद्ध मंच संचालक सोम प्यारे को जिला प्रशासन कुल्लू ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा-2026 के सांस्कृतिक मंच के संचालन के लिए आमंत्रित किया है। प्रशासन ने उन पर तीसरी बार भरोसा जताया है। सोम प्यारे वैसे तो वर्ष 2010 से ही मंच संचालन से जुड़े हैं, लेकिन मेलों और महोत्सवों के बड़े मंचों पर उनका प्रोफेशनल सफर 2018 से शुरू हुआ। अब तक वह स्थानीय मेलों, राष्ट्रीय स्तरीय आयोजनों, वैवाहिक समारोहों और कॉर्पोरेट जगत के 500 से अधिक कार्यक्रमों का सफल संचालन कर चुके हैं। इससे पूर्व उन्हें वर्ष 2023 और 2024 में अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा, वर्ष 2024 में कुल्लू कार्निवल और वर्ष 2025 में नगर परिषद कुल्लू द्वारा आयोजित ऐतिहासिक पीपल मेले में मुख्य मंच संचालक के रूप में मौका मिला था। बचपन से ही मंचों से लगाव रखने वाले सोम प्यारे ने अपने अध्ययन काल में जिला व राष्ट्रीय स्तर की कई प्रतियोगिताओं में जीत हासिल की है। अपनी वाकपटुता के चलते उन्हें पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. प्रेम कुमार धूमल, जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल एनएन वोहरा व पूर्व शिक्षा मंत्री गोविंद सिंह ठाकुर सहित कई महनीय हस्तियों द्वारा पुरस्कृत किया जा चुका है।

भगवान रघुनाथ से मिलन को पहुंचे सैकड़ों देवी-देवता

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव का आगाज होते ही ढालपुर में देव आस्था का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है।

भगवान रघुनाथ से मिलन करने के लिए सैकड़ों देवी-देवताओं के पहुंचने का सिलसिला जारी है। देवता पारंपरिक वाद्ययंत्रों की धुनों के बीच रघुनाथपुर स्थित भगवान रघुनाथ मंदिर पहुंचकर हाजिरी लगा रहे हैं और सदियों पुरानी देव परंपरा का निर्वहन कर रहे हैं। इस दौरान श्रद्धालु देवी-देवताओं के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। माता हिडिंबा के कुल्लू पहुंचने के बाद भगवान रघुनाथ की विशेष पूजा-अर्चना की परंपरा निभाई गई। इस दौरान अश्व पूजन सहित अन्य धार्मिक विधियां पूरी की गईं। इसके बाद भगवान रघुनाथ के दरबार में देवी-देवताओं के आगमन और मिलन का सिलसिला तेज हो गया। दशहरा उत्सव में देव मिलन यहां की प्रमुख धार्मिक परंपराओं में शामिल है, जिसमें दूर-दूर के क्षेत्रों से देवी-देवता अपने लाव-लश्कर के साथ भाग लेने पहुंचते हैं। भगवान रघुनाथ के दरबार में हाजिरी लगाने के लिए कुल्लू के अधिष्ठाता देवता बिजली महादेव, माता पार्वती, गणेश और कार्तिकेय सहित विभिन्न देवी-देवता पहुंच रहे हैं। वहीं, बंजार क्षेत्र के देव बड़ा छमाहूं, पलदी छमाहूं, देव ऋषि, देवता बालू नाग, शियाह के जमदग्नि ऋषि और गर्ग ऋषि सहित सैकड़ों देवी-देवता देव परंपरा निभाने में शामिल हो रहे हैं। देवी-देवताओं के राजमहल और भगवान रघुनाथ के दरबार में पहुंचने से कुल्लू की देव संस्कृति जीवंत हो उठी है। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी हुई है। देवताओं के साथ पहुंचे हारियान और कारकून पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार धार्मिक प्रक्रियाएं पूरी कर रहे हैं।



◆माता हिडिंबा के आगमन के बाद भगवान रघुनाथ की विशेष पूजा-अर्चना, मंदिर में हाजिरी लगाने पहुंच रहे देवी-देवता

अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा केवल सांस्कृतिक उत्सव ही नहीं, बल्कि सदियों पुरानी देव परंपराओं और आस्था का महापर्व भी है। उत्सव के दौरान विभिन्न क्षेत्रों के देवी-देवता भगवान रघुनाथ से मिलन करने पहुंचते हैं। इस परंपरा के माध्यम से देव समाज की एकजुटता, आपसी संबंध और कुल्लू की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की झलक देखने को मिलती है। आने वाले दिनों में भी देवी-देवताओं के आगमन का सिलसिला जारी रहेगा। ढालपुर में देवताओं के अस्थायी शिविर सजने के साथ ही अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव की रौनक लगातार बढ़ रही है।

ढलियार फोरलेन पर 50 ग्राम चिट्टे के साथ मंडी का युवक गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बिलासपुर पुलिस ने नशे के खिलाफ अभियान के तहत ढलियार फोरलेन पर नाकाबंदी के दौरान 50 ग्राम चिट्टे के साथ मंडी के एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान पंकज (34), निवासी गांव भिउरा, डाकघर कुम्मी, तहसील बल्ह, जिला मंडी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, पुलिस थाना सदर की टीम ढलियार के पास फोरलेन पर नाकाबंदी कर वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान मोटरसाइकिल पर आ रहे युवक को जांच के लिए रोका गया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से करीब 50 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। पुलिस ने नशीले पदार्थ को कब्जे में लेकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने 19 अक्तूबर 2026 को थाना सदर बिलासपुर में प्राथमिकी संख्या 269/26 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 21 में मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है। आरोपी से पूछताछ के माध्यम से चिट्टे की खेप के स्रोत और इसकी आगे आपूर्ति किए जाने वाले लोगों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

अंडर-14 सांस्कृतिक टूर्नामेंट में हिमाचल अकैडमिक स्कूल की छात्राओं ने मारी बाजी



भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। हिमाचल अकैडमिक स्कूल की छात्राओं ने जिला स्तरीय अंडर-14 सांस्कृतिक टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया है।

प्रतियोगिता में छात्राओं ने अपनी प्रतिभा, मेहनत और संगीत के प्रति समर्पण का परिचय देते हुए तीन प्रमुख स्पर्धाओं में प्रथम स्थान हासिल किया। छात्राओं ने समूह गान, लोकगीत और शास्त्रीय संगीत प्रतियोगिताओं में बेहतरीन प्रस्तुति देकर निर्णायक मंडल का ध्यान आकर्षित किया और अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। विद्यालय की छात्राओं की इस उपलब्धि से स्कूल परिसर में खुशी का माहौल है। उनकी इस सफलता को निरंतर अभ्यास, अनुशासन, मेहनत और शिक्षकों के उचित मार्गदर्शन का परिणाम माना जा रहा है। छात्राओं ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से न केवल संगीत के क्षेत्र में अपनी क्षमता साबित की, बल्कि हिमाचल की सांस्कृतिक परंपराओं के प्रति अपनी रुचि और लगाव भी प्रदर्शित किया। इस उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंधन ने सभी विजेता छात्राओं और उनके मार्गदर्शक शिक्षकों को हार्दिक बधाई दी। प्रबंधन ने कहा कि विद्यार्थियों की ऐसी उपलब्धियां अन्य बच्चों को भी पढ़ाई के साथ-साथ सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित करती हैं। विद्यालय प्रबंधन ने छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उम्मीद जताई कि वे आगे भी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन करती रहेंगी।

उद्घाटन के बाद जनता को सुविधा नहीं दे पाई सुक्खू सरकार : विधायक दिलीप

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी /सरकाघाट। सरकाघाट में मिनी सचिवालय भवन को लेकर कांग्रेस सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए भाजपा विधायक दिलीप ठाकुर ने तीखा हमला बोला है।

उन्होंने कहा कि जिस मिनी सचिवालय भवन का शिलान्यास पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने किया था और उद्घाटन वर्तमान मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने 15 अगस्त 2025 को किया उस भवन को उद्घाटन के बाद भी आज तक जनता की सुविधा के लिए विधिवत संचालित नहीं किया जा सका है। दिलीप ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस सरकार उद्घाटन समारोहों और घोषणाओं के माध्यम से विकास का श्रेय लेने में आगे रहती है, लेकिन जब जनता को सुविधाएं देने की बारी आती है, तो उसकी कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में आ जाती है। यदि मुख्यमंत्री द्वारा उद्घाटन किए जाने के बाद भी मिनी सचिवालय भवन का संचालन नहीं हो पाया, तो इसकी जिम्मेदारी आखिर कौन लेगा? सरकाघाट की जनता को इसका जवाब मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि हैरानी की बात है कि जिस भवन का मुख्यमंत्री पहले ही उद्घाटन कर चुके हैं उसके दोबारा शुभारंभ के लिए कांग्रेस के एक ऐसे नेता द्वारा कार्यक्रम जारी किया गया है जिन्हें जनता चुनाव में नकार चुकी है। विधायक दलीप ठाकुर ने आज अपने समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मिनी सचिवालय भवन परिसर में पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना एवं हवन किया और लोक निर्माण विभाग का कार्य शुरू करवाया। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य राजनीति करना नहीं, बल्कि लंबे समय से लंबित कार्य को आगे बढ़ाना और क्षेत्र की जनता को इसका लाभ दिलाना है। दलीप ठाकुर ने दो टूक कहा कि जनता द्वारा नकारे जा चुके नेता सरकारी कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप करने से बाज आएं। सरकारी कार्य किसी पार्टी या व्यक्ति की निजी संपत्ति नहीं होते, बल्कि ये जनता के पैसे से जनता के हित में किए जाते हैं। यदि कोई नेता विकास कार्यों में बाधा डालने या सरकारी कामकाज को राजनीतिक रंग देने का प्रयास करेगा, तो भाजपा इसका पुरजोर विरोध करेगी।



अंब में सड़क हादसा, प्लस टू के छात्र सहित दो की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, ऊना। अंब-ऊना मार्ग पर कृष्णा नर्सरी के पास मंगलवार रात एचआरटीसी बस और मोटरसाइकिल के बीच हुई जोरदार टक्कर में बाइक सवार दो युवकों की मौत के बाद अभिभावकों पर दु:खो का पहाड़ टूट पड़ा है। मृतकों की पहचान योगेश कुमार 19 पुत्र राम प्रकाश और अमन भाटिया 17 पुत्र वीरखल, निवासी स्तोथर, तहसील अंब के रूप में हुई है। पुलिस ने बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार रात करीब 10:45 बजे कृष्णा नर्सरी के पास ऊना से अंब की ओर आ रही रोड़वेज डिप्पू की बस और अंब से ऊना की तरफ जा रही मोटरसाइकिल के बीच जोरदार तरीके से टक्कर हो गई। जानकारी के अनुसार बस चालक ने तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाते हुए बस को विपरीत दिशा में ले जाकर मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बस मोटरसाइकिल को घसीटते हुए सड़क के दाईं ओर ले गई। हादसे में मोटरसाइकिल सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर एकत्रित लोगों और बस में सवार यात्रियों ने घायलों को उपचार के लिए सिविल हॉस्पिटल अस्पताल अंब पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। बस शिमला से भरमौर जा रही थी। डीएसपी अनिल पटियाल ने बताया कि पुलिस ने घटनास्थल और अस्पताल में आवश्यक कार्रवाई करने के बाद शिकायतकर्ता के बयान के आधार पर बस चालक विचित्र सिंह के खिलाफ मामला दर्ज कर आगामी कारवाई शुरू कर दी गई है।

जोगिंद्रनगर की खस्ताहाल सड़कों की मरम्मत की उठाई मांग



भारतेन्दु संवाददाता, जोगिंद्रनगर। शहर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की खस्ताहाल सड़कों की मरम्मत की मांग को लेकर भाजपा मंडल जोगिंद्रनगर ने मंडल अध्यक्ष संजय शर्मा की अध्यक्षता में एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। मंडल ने लोक निर्माण विभाग से सड़कों की जल्द मरम्मत करवाने का आग्रह किया। ज्ञापन में मुख्य बाजार, रेलवे चौक, मंदिर रोड, अस्पताल के प्रवेश द्वार तथा मच्छयाल, नेरी, नोहली और पधर की ओर जाने वाले संपर्क मार्गों की खराब स्थिति पर चिंता जताई गई। भाजपा ने कहा कि सड़कों पर गहरे गड्ढों के कारण आम लोगों, बुजुर्गों, विद्यार्थियों और मरीजों को परेशानी हो रही है। बरसात में गड्ढों में पानी भरने से दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ जाता है। मंडल ने लोक निर्माण विभाग से सड़कों का निरीक्षण कर गड्ढों को प्राथमिकता के आधार पर भरने और स्थायी मरम्मत करवाने की मांग की। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष अजय सकलानी, अजय धरवाल, राजीव सूद, रविंद्र शर्मा, सीमा वालिया, रीता ठाकुर, सुभाष ठाकुर और अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।



जोगिंद्रनगर। राज्यपाल कविंदर गुप्ता के जोगिंद्रनगर पहुंचने पर भाजपा नेत्री मेघना ठाकुर ने शॉल और टोपी पहनाकर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर ममता भाटिया, अजय ठाकुर सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

राकड़, स्योहली और बोरा में आज सात घंटे बंद रहेगी बिजली

भारतेन्दु संवाददाता, नेरचौक। बिजली उपमंडल नेरचौक के अंतर्गत अनुभाग रत्ती-एक के तहत आने वाले राकड़, स्योहली और बोरा क्षेत्रों में 22 अक्तूबर को बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। बिजली विभाग की ओर से 11 केवी बिजली लाइन की आवश्यक मरम्मत तथा पुराने पेड़ों की काट-छांट के कार्य के चलते यह निर्णय लिया गया है। सहायक अभियंता राजेश कुमार शर्मा ने बताया कि संबंधित क्षेत्रों में सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक बिजली बंद रहेगी। उन्होंने उपभोक्ताओं से निर्धारित समय के दौरान सहयोग बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने बताया कि बिजली बंद रहने का कार्यक्रम मौसम की परिस्थितियों पर निर्भर करेगा। यदि मौसम खराब रहने के कारण कार्य पूरा नहीं हो पाता है, तो इसे अगले दिन किया जाएगा। विभाग ने उपभोक्ताओं से होने वाली असुविधा के लिए सहयोग की अपील की है।

हॉर्न बजाने पर बस चालक के सिर पर डंडे से किया वार, चक्का जाम

भारतेन्दु संवाददाता, पांवटा साहिब। उपमंडल पांवटा साहिब के हरिपुर टोहाना गांव में बस का हॉर्न बजाने को लेकर हुए विवाद में अवनी बस के चालक पर डंडे से हमला कर उसे घायल कर दिया गया।

घटना के विरोध में बस चालकों और स्थानीय लोगों ने चक्का जाम कर रोष जताया। सूचना मिलने पर डीएसपी पांवटा साहिब पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों को समझाकर स्थिति संभाली। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अवनी बस का चालक मोड़ से बस निकाल रहा था। इस दौरान उसने हॉर्न बजाया, जिस पर सड़क किनारे मौजूद कुछ लोगों के साथ उसकी कहासुनी हो गई। बताया जा रहा है कि चालक ने विवाद शांत करने का प्रयास किया, लेकिन मामला बढ़ गया। इसी दौरान भीड़ में मौजूद एक व्यक्ति ने चालक के सिर पर डंडे से वार कर दिया। हमले में चालक के सिर पर चोट लगी और खून बहने लगा। घटना की जानकारी मिलते ही बस चालक के समर्थन में लोग एकत्रित हो गए।

उन्होंने चक्का जाम कर बस चालकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और हमले में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई। इससे सड़क पर यातायात प्रभावित हुआ।



पुलिस ने आरोपियों को हिरासत में लिया

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए डीएसपी पांवटा साहिब मौके पर पहुंचे और लोगों से बातचीत कर उन्हें शांत करवाया। मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस ने मामले में आरोपियों को हिरासत में लिया है। पुलिस की ओर से मामले में आगामी कानूनी कार्रवाई की जा रही है। घटना के बाद क्षेत्र में बस चालकों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई जा रही है।

पुलिस की कार्यप्रणाली समझेंगे पठानकोट के 250 विद्यार्थी

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। स्टूडेंट पुलिस कैडेट (एसपीसी) योजना के तहत पठानकोट जिले के 10 स्कूलों के 250 विद्यार्थी 23 अक्तूबर को पुलिस अकादमी फिल्लौर का दौरा करेंगे। इस दौरान विद्यार्थियों को पुलिस की कार्यप्रणाली, प्रशिक्षण और अनुशासन की जानकारी दी जाएगी। योजना के तहत विद्यार्थियों को वर्दियां भी वितरित की गईं। एसएसपी मनप्रीत सिंह के दिशा-निर्देशों और शिक्षा विभाग के नेतृत्व में पीएम श्री सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, केएफसी मॉडल टाउन पठानकोट में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें एसपी सिटी जगदीश राज अत्री, एसएचओ पलविंदर सिंह, जिला गाइडेंस कोऑर्डिनेटर परविंदर सैनी और प्रधानाचार्य स्वतंत्र कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को योजना के उद्देश्यों की जानकारी देते हुए अनुशासन, कानून के प्रति सम्मान, सामाजिक जिम्मेदारी और अच्छे नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया गया। अधिकारियों ने बताया कि दो वर्षीय यह योजना विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक है।

23 व 24 अक्तूबर को आठ घंटे बंद रहेगी बिजली

भारतेन्दु संवाददाता, नेरचौक। बिजली उपमंडल नेरचौक के अंतर्गत बगला और गागल क्षेत्र के कई गांवों में 23 और 24 अक्तूबर को बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। बिजली बोर्ड की ओर से 33/11 केवी सब स्टेशन बरसू में मरम्मत कार्य और बिजली लाइनों के आसपास पेड़ों की कटाई के लिए शटडाउन लिया जाएगा। सहायक अभियंता राजेश कुमार शर्मा के अनुसार,

खूबसूरत पूर्व जिमनास्ट फराह हादी

फराह एन अब्दुल हादी मलेशिया की एक खूबसूरत पूर्व कलात्मक जिमनास्ट और ओलंपियन हैं, जिन्होंने 2020 टोक्यो ओलंपिक में भाग लिया था। उन्होंने सीईए गेम्स में कई स्वर्ण पदक जीते हैं और 2010 से 2014 के बीच राष्ट्रमंडल खेलों में भी देश का प्रतिनिधित्व किया था।



22 जनवरी को अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप में वेस्टइंडीज से भिड़ेगा भारत

बांग्लादेश व नेपाल में 21 जनवरी से होगा अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप, 16 टीमें लेंगी हिस्सा

एजेंसी, नई दिल्ली



अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप 2027 का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। तीसरे संस्करण का आयोजन 21 जनवरी से 6 फरवरी तक बांग्लादेश और नेपाल में होगा। टूर्नामेंट में 16 टीमें हिस्सा लेंगी और कुल 41 मुकाबले खेले जाएंगे। दो बार की मौजूदा चैंपियन भारतीय टीम 22 जनवरी को वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

टूर्नामेंट के मुकाबले बांग्लादेश के चट्टोग्राम और सिलहट तथा नेपाल की राजधानी काठमांडू के चार मैदानों पर खेले जाएंगे। इनमें चट्टोग्राम का बीर श्रेष्ठ शहीद फ्लाइट लेफ्टिनेंट मतिउर रहमान क्रिकेट स्टेडियम, सिलहट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, काठमांडू का टीयू अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम और अपर मुलपानी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैदान शामिल हैं।

टूर्नामेंट में 16 टीमों को चार समूहों में बांटा गया है। समूह 'ए' में भारत, आयरलैंड, वेस्टइंडीज और मेजबान नेपाल हैं। समूह 'बी' में दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और समोआ को रखा गया है। समूह 'सी' में ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, नाइजीरिया और संयुक्त अरब अमीरात की टीमें हैं, जबकि समूह 'डी' में इंग्लैंड, श्रीलंका, अमेरिका और स्कॉटलैंड शामिल हैं।

टूर्नामेंट का उद्घाटन 21 जनवरी को चार मुकाबलों के साथ होगा। पहले मुकाबले में बांग्लादेश का सामना संयुक्त अरब अमीरात से होगा। इसी दिन ऑस्ट्रेलिया की टीम नाइजीरिया से भिड़ेगी। अन्य मुकाबलों में श्रीलंका और स्कॉटलैंड तथा इंग्लैंड और अमेरिका आमने-सामने होंगे। मेजबान नेपाल 22 जनवरी को आयरलैंड के खिलाफ अपना पहला मुकाबला खेलेगा। इसी दिन न्यूजीलैंड का सामना समोआ से और दक्षिण अफ्रीका का मुकाबला पाकिस्तान से होगा। भारतीय टीम भी 22 जनवरी को काठमांडू के टीयू अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ उतरेगी। समूह चरण के मुकाबले 26 जनवरी तक खेले जाएंगे। इसके बाद अगले दौर के लिए क्वालीफाई करने वाली टीमें सुपर सिक्स चरण में पहुंचेंगी। टीमों को दो समूहों में बांटा जाएगा और दोनों समूहों की शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी।

सेमीफाइनल मुकाबले 4 फरवरी को चट्टोग्राम के बीर श्रेष्ठ शहीद फ्लाइट लेफ्टिनेंट मतिउर रहमान क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। इनके लिए 5 फरवरी आरक्षित दिवस रखा गया है। टूर्नामेंट का फाइनल 6 फरवरी को स्थानीय समयानुसार दोपहर 1:30 बजे खेला जाएगा। फाइनल के लिए 7 फरवरी को आरक्षित दिवस निर्धारित किया गया है।

आईसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजोग गुप्ता ने कहा कि अंडर-19 विश्व कप क्रिकेट के भविष्य की प्रतिभाओं को सामने लाने और युवा खिलाड़ियों को अपने देश का प्रतिनिधित्व करते हुए शीर्ष स्तर तक पहुंचने का अवसर देने वाला महत्वपूर्ण मंच है।

उन्होंने कहा कि 16 टीमों की भागीदारी से महिला क्रिकेट में प्रतिभाओं की बढ़ती गहराई सामने आएगी। इस प्रतियोगिता से स्थापित क्रिकेट देशों के साथ उभरते क्रिकेट देशों के खिलाड़ियों को भी अंतरराष्ट्रीय अनुभव हासिल करने का अवसर मिलेगा। बांग्लादेश व नेपाल की मेजबानी का चयन क्रिकेट के भविष्य में आईसीसी के भरोसे और निवेश को दर्शाता है। दोनों देशों की बड़ी युवा आबादी और क्रिकेट के प्रति जुनून उन्हें इस वैश्विक युवा प्रतियोगिता के लिए उपयुक्त मेजबान बनाता है।

भाग्यश्री ने गोला फेंक में जीता रजत 100 मीटर दौड़ में राकेशभाई को कांस्य

एजेंसी, आइची-नागोया



एशियाई पैरा खेल-2026 में भारत की भाग्यश्री जाधव ने महिलाओं की गोला फेंक एफ-34 स्पर्धा में रजत पदक जीता। उन्होंने 8.19 मीटर का थ्रो कर अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। वहीं, राकेशभाई भट्ट ने पुरुषों की 100 मीटर दौड़ टी-37 स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किया।

महिलाओं की गोला फेंक स्पर्धा में भाग्यश्री ने अपने तीसरे प्रयास में 8.19 मीटर की दूरी हासिल की। इससे पहले उन्होंने दूसरे प्रयास में 8.14 मीटर का थ्रो किया था। उनका 8.19 मीटर का प्रदर्शन शुरुआत में एशियाई पैरा खेलों के मौजूदा रिकॉर्ड के बराबर था, लेकिन चीन की झोउ लिजुआन ने 9.07 मीटर का थ्रो कर नया खेल रिकॉर्ड बनाया और स्वर्ण पदक जीता। झोउ का यह प्रदर्शन उनके 9.25 मीटर के विश्व रिकॉर्ड से थोड़ा कम रहा।

भाग्यश्री का रजत पदक भारतीय दल के लिए एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि रहा। उन्होंने लगातार अच्छे प्रयासों के साथ प्रतियोगिता में अपनी मजबूत दावेदारी पेश की।

इसी बीच, राकेशभाई भट्ट ने पुरुषों की 100 मीटर दौड़ टी-37 के फाइनल में 11.50 सेकंड का समय निकालकर कांस्य पदक जीता। यह उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी रहा। सऊदी अरब के अली अलनखली ने 11.31 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया, जबकि इंडोनेशिया के सप्तयोगो पूर्णोमो ने 11.35 सेकंड में दौड़ पूरी कर रजत पदक जीता।

भाग्यश्री ने 8.19 मीटर का थ्रो कर बनाया व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

इन दोनों पदकों के साथ भारतीय खिलाड़ियों ने एथलेटिक्स में अपनी मौजूदगी और मजबूत की। भाग्यश्री के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन और राकेशभाई के कांस्य पदक ने भारत के अभियान में अहम योगदान दिया।

स्पोर्ट्स विंडो

भुवनेश्वर कुमार की वापसी से भारतीय गेंदबाजी को मिलेगा अनुभवः अय्यर

एजेंसी, क्राइस्टचर्च। भारतीय टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की वापसी से टीम के गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती मिलेगी। हाल के दिनों में भारतीय गेंदबाजी में अनुभव की कमी महसूस की जा रही थी, जिसे भुवनेश्वर पूरा कर सकते हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ बृहस्पतिवार से शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए 36 वर्षीय भुवनेश्वर को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। वह चार साल बाद टी20 टीम में वापसी कर रहे हैं। पहले मुकाबले की पूर्व संध्या पर अय्यर ने पत्रकारों से कहा कि आईपीएल के बाद टीम को अनुभवी तेज गेंदबाजों की कमी खल रही थी, क्योंकि कई नए गेंदबाजों को मौका दिया गया था। उन्होंने कहा कि भुवनेश्वर ने पिछले दो वर्षों में आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्हें टी20 प्रारूप में दबदबा बनाने का अच्छा अनुभव है, जिसका फायदा टीम को मिलेगा।



वैभव सूर्यवंशी को रोकने के लिए न्यूजीलैंड ने बनाई रणनीतिः सैंटनर

एजेंसी, क्राइस्टचर्च। न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने कहा कि अगर वैभव सूर्यवंशी भारत की अंतिम एकादश में शामिल होते हैं तो उन्हें रोकना चुनौतीपूर्ण होगा। हालांकि, न्यूजीलैंड ने इस युवा बल्लेबाज से निपटने के लिए रणनीति तैयार की है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज बृहस्पतिवार से शुरू होगी। सैंटनर ने कहा कि उन्होंने आईपीएल में सूर्यवंशी की आक्रामक बल्लेबाजी देखी है। अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन के शानदार प्रदर्शन के कारण सूर्यवंशी को हाल में कम मौके मिले हैं। वहीं, सैंटनर ने अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की वापसी को न्यूजीलैंड के लिए चुनौती बताया। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड की परिस्थितियां भुवनेश्वर को रास आ सकती हैं और स्विंग मिलने पर वह खतरनाक साबित होंगे। सैंटनर को उम्मीद है कि सीरीज में गेंदबाजों का दबदबा रहेगा, हालांकि मौसम और पिच का मिजाज अहम होगा।



पीएसजी ने बार्सिलोना को 4-2 से हराया लामिन यामल का शानदार प्रदर्शन बेकार

एजेंसी, पेरिस। पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में बार्सिलोना को 4-2 से हराकर उसकी लगातार 11 जीत का सिलसिला तोड़ दिया। इस जीत के साथ पीएसजी ने अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। रोमांचक मुकाबले में आखिरी 20 मिनट के दौरान चार गोल हुए। बार्सिलोना के लामिन यामल ने शानदार गोल करके स्कोर 2-2 से बराबर किया, लेकिन विटिन्हा ने पीएसजी को फिर बढ़त दिला दी। फैबियन रुइज़ ने चौथा गोल करके टीम की जीत सुनिश्चित की। पीएसजी के लिए डौए और लुकास हर्नांडिज़ ने भी गोल किए, जबकि बार्सिलोना की ओर से ज़ावी एस्पार्ट ने गोल किया। लिवरपूल ने विलारियल को 4-3 से हराया। मैनचेस्टर सिटी ने एईके एथेंस को 5-1 से शिकस्त दी, जबकि एटलेटिको मैड्रिड और स्टटगार्ट का मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहा।



सिलिकॉन वैली ओपन स्क्वाश के दूसरे दौर में पहुंचीं अनाहत सिंह

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत की युवा स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने अमेरिका के रेडवुड सिटी में चल रही सिलिकॉन वैली ओपन स्क्वाश चैंपियनशिप के दूसरे दौर में जगह बना ली है। उन्होंने पहले दौर के मुकाबले में मिस्र की नूर अबुलमकारिम को सीधे गेम में 11-8, 11-8, 12-10 से हराया। एशियाई खेलों में हाल ही में रजत पदक जीतने वाली 18 वर्षीय अनाहत ने यह मुकाबला केवल 31 मिनट में अपने नाम किया। इस पीएसए गोल्ड प्रतियोगिता की इनामी राशि 1,43,500 अमेरिकी डॉलर है। विश्व जूनियर चैंपियन अनाहत के सामने अगले दौर में कड़ी चुनौती होगी। उनका मुकाबला मिस्र की नूर एलशेरबिनी से होगा, जो विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर हैं और इस प्रतियोगिता में शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी हैं। अनाहत की नजरें अब अगले दौर में जीत दर्ज कर टूर्नामेंट में आगे बढ़ने पर होंगी।



शॉट पुट एफ46 इवेंट में भारत का क्लीन स्वीप, सचिन खिलारी ने बनाया गेम्स रिकॉर्ड

एजेंसी, आइची-नागोया



एशियाई पैरा खेल-2026 में भारतीय खिलाड़ियों ने पुरुषों की गोला फेंक एफ-46 स्पर्धा में तीनों पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। सचिन खिलारी ने पहले ही प्रयास में 15.79 मीटर का थ्रो करते हुए खेलों का नया रिकॉर्ड बनाया और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। मोहम्मद यासिर ने रजत, जबकि प्रवीण ने कांस्य पदक जीता।

सचिन ने प्रतियोगिता में निरंतरता दिखाते हुए अपने सभी प्रयासों में 15 मीटर से अधिक दूरी तक गोला फेंका। उनका 15.79 मीटर का पहला प्रयास ही स्वर्ण पदक और खेल रिकॉर्ड के लिए पर्याप्त रहा। मोहम्मद यासिर ने अपने तीसरे प्रयास में 15.06 मीटर की दूरी हासिल की। यह उनका इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा, जिससे उन्होंने रजत पदक अपने नाम किया। प्रवीण ने दूसरे प्रयास में 13.83 मीटर का थ्रो कर कांस्य पदक जीता।

इस तरह पुरुषों की गोला फेंक एफ-46 स्पर्धा में स्वर्ण, रजत और कांस्य तीनों पदक भारतीय खिलाड़ियों के खाते में आए। भारतीय दल के लिए यह उपलब्धि एशियाई पैरा खेलों में देश के शानदार प्रदर्शन को और मजबूती देती है।

पहले प्रयास में 15.79 मीटर का थ्रो कर रचा इतिहास

यासिर ने 15.06 मीटर के साथ जीता रजत पदक

एशियन पैरा खेल : कस्तूरी ने पैरा पावरलिफ्टिंग के 67 किलोग्राम वर्ग में जीता रजत

एजेंसी, आइची-नागोया। भारत की कस्तूरी राजमणि ने आइची-नागोया एशियाई पैरा खेल-2026 में महिला पैरा पावरलिफ्टिंग के 67 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीता। उन्होंने अपने तीन प्रयासों में से दो में सफलता हासिल करते हुए 108 किलोग्राम वजन उठाया।



कस्तूरी ने पहले प्रयास में 103 किलोग्राम वजन सफलतापूर्वक उठाया। दूसरे प्रयास में वह 106 किलोग्राम वजन उठाने में असफल रहीं, लेकिन तीसरे प्रयास में 108 किलोग्राम वजन उठाकर रजत पदक अपने नाम कर लिया। उज्बेकिस्तान की रुखशोना उकतामोवा ने 127 किलोग्राम वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता। उकतामोवा ने पहले प्रयास में 120 किग्रा, दूसरे प्रयास में 125 और तीसरे प्रयास में 127 किग्रा भार उठाकर स्वर्ण पर कब्जा किया। जबकि दक्षिण कोरिया की किम ह्योंगहुई ने 107 किलोग्राम वजन उठाकर कांस्य पदक हासिल किया। उन्होंने पहले प्रयास में 104, और दूसरे प्रयास में 107 किग्रा वजन उठाया, हालांकि 109 किलोग्राम वजन उठाने का तीसरा प्रयास किया, लेकिन इसमें सफल नहीं हो सकीं।

ऊंची कूद में प्रवीण ने स्वर्ण, बंटी ने जीता रजत

एजेंसी, आइची-नागोया



एशियाई पैरा खेल-2026 में भारतीय पैरा एथलीट प्रवीण कुमार और बंटी ने पुरुषों की ऊंची कूद स्पर्धा में स्वर्ण और रजत पदक जीतकर भारत को दोहरी सफलता दिलाई। प्रवीण ने 2.05 मीटर की ऊंचाई पार कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया, जबकि बंटी ने 1.92 मीटर की व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ छलांग के साथ रजत पदक हासिल किया।

प्रवीण ने प्रतियोगिता की शुरुआत 1.92 मीटर की ऊंचाई से की और शानदार प्रदर्शन करते हुए 2.05 मीटर की ऊंचाई पार की। इस दौरान उन्होंने खेलों का नया रिकॉर्ड बनाया और अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया। बंटी ने 1.92 मीटर की छलांग लगाकर दूसरा स्थान हासिल किया। उज्बेकिस्तान के तेमुरबेक गियाजोव ने 1.86 मीटर की ऊंचाई पार कर कांस्य पदक जीता।

प्रवीण ने इस प्रदर्शन के साथ एशियाई पैरा खेलों में अपना खिताब भी बचाया। उज्बेकिस्तान के तेमुरबेक गियाजोव ने 1.86 मीटर की छलांग लगाकर कांस्य पदक जीता। भारतीय खिलाड़ियों के स्वर्ण और रजत पदक जीतने से इस स्पर्धा में भारत को दोहरी सफलता मिली।

उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर जिले के गोविंदगढ़ गांव के रहने वाले प्रवीण कुमार का जन्म 15 मई 2003 को हुआ था। निचले अंगों से संबंधित दिव्यांगता के साथ जन्मे प्रवीण ने कम उम्र में ही एथलेटिक्स में रुचि विकसित की और ऊंची कूद को अपना प्रमुख खेल बनाया। वह डॉ. सत्यपाल सिंह के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लेते हैं और भारतीय खेल प्राधिकरण के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम केंद्र में अभ्यास करते हैं। वह लक्ष्य ओलंपिक पोडियम योजना के अंतर्गत आने वाले खिलाड़ियों में भी शामिल हैं।

प्रवीण ने टोक्यो पैरालंपिक खेलों में 2.07 मीटर की छलांग के साथ रजत पदक जीतकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई थी। इसके बाद उन्होंने हांगझोऊ एशियाई पैरा खेलों में स्वर्ण पदक जीता। पेरिस पैरालंपिक-2024 में उन्होंने 2.08 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वर्ष 2025 में नई दिल्ली में आयोजित विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उन्होंने 2.00 मीटर की छलांग के साथ कांस्य पदक जीता था। प्रवीण को उनकी खेल उपलब्धियों के लिए वर्ष 2021 का अर्जुन पुरस्कार और वर्ष 2024 का मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार भी मिल चुका है। टोक्यो पैरालंपिक के रजत पदक से पेरिस पैरालंपिक के स्वर्ण पदक तक का उनका सफर भारतीय पैरा एथलेटिक्स में उनकी निरंतर प्रगति को दर्शाता है।

ट्रंप बोले, भारत के साथ व्यापार समझौता करीब

व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में जुटे भारत-अमेरिका

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय से प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर बातचीत निर्णायक दौर में पहुंच गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिए हैं कि दोनों देश समझौते को अंतिम रूप देने के करीब हैं। इस संभावित समझौते को दोनों देशों के आर्थिक और रणनीतिक संबंधों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के भारत दौरे के दौरान व्यापार, रक्षा, ऊर्जा और तकनीक सहित कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई है। मुंबई में भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर के साथ हुई उनकी बैठक को भी दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

वाशिंगटन स्थित ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत के साथ जारी व्यापार वार्ता का उल्लेख करते हुए कहा कि दोनों देश समझौता करने के लिए उत्सुक हैं और इसके काफी करीब पहुंच चुके हैं।



यूएस ने ब्रिटेन से 12 बमवर्षक अचानक क्यों हटाए?

प्रस्तावित समझौते से भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी बाजार में अपने कारोबार का विस्तार करने के नए अवसर मिल सकते हैं। विशेष रूप से दवा उद्योग, कपड़ा, इंजीनियरिंग उत्पाद और सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं से जुड़े क्षेत्रों को इसका लाभ मिलने की उम्मीद है। यदि दोनों देश व्यापारिक बाधाओं को कम करने और बाजार तक पहुंच आसान बनाने पर सहमत होते हैं, तो भारतीय कंपनियों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ सकती है। इससे निर्यात में वृद्धि और रोजगार के नए अवसर पैदा होने की संभावनाएं भी मजबूत होंगी। दूसरी ओर, अमेरिकी कंपनियों को भारत के बड़े उपभोक्ता बाजार में अपनी पहुंच बढ़ाने का अवसर मिल सकता है। ऊर्जा सुरक्षा, तेल शोधन, रक्षा उत्पादन और आधुनिक तकनीक के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ना भी दोनों देशों की प्राथमिकताओं में शामिल है। ऐसे में व्यापार समझौता केवल आयात और निर्यात तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि व्यापक आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने का माध्यम भी बन सकता है।

जोमैटो की पैरेंट कंपनी इटरनल को 125 करोड़ का मुनाफा

एजेंसी, नई दिल्ली। ऑनलाइन खाद्य वितरण मंच जोमैटो की मूल कंपनी इटरनल लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। कंपनी का शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 92 प्रतिशत बढ़कर 125 करोड़ रुपये हो गया है। पिछले वर्ष की समान अवधि में कंपनी ने 65 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। इटरनल ने 21 अक्टूबर को जारी नतीजों में यह जानकारी दी। हालांकि, कंपनी का मुनाफा बाजार के अनुमानों से कम रहा। सीएनबीसी-टीवी18 ने दूसरी तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 250 करोड़ रुपये रहने का अनुमान जताया था। वहीं, कंपनी के शेयरों में गिरावट देखने को मिली। 21 अक्टूबर को इटरनल के शेयर 3.5 प्रतिशत गिरकर 308.80 रुपये प्रति शेयर पर बंद हुए। कंपनी ने पिछली तिमाही में 92 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था।

विदेशों में बसे भारतीयों को मिलेंगी प्रीमियम यात्रा सुविधाएं

एजेंसी, नई दिल्ली

एयर इंडिया और स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक ने विदेशों में रहने वाले भारतीय ग्राहकों को प्रीमियम यात्रा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए साझेदारी की घोषणा की है। इसके तहत सिंगापुर और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में स्टैंडर्ड चार्टर्ड के पात्र भारतीय ग्राहकों को एयर इंडिया के लॉयल्टी कार्यक्रम महाराजा क्लब की गोल्ड या सिल्वर सदस्यता मिलेगी। यह सुविधा आने वाले कुछ सप्ताह में शुरू होने की उम्मीद है। इस साझेदारी का उद्देश्य विदेशों में रहने वाले भारतीयों की वैश्विक जीवनशैली और वित्तीय जरूरतों को ध्यान में रखते हुए उन्हें बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करना है।

महाराजा क्लब की सदस्यता के तहत ग्राहकों को अतिरिक्त सामान ले जाने की सुविधा, चेक-इन और विमान में सवार होने के दौरान प्राथमिकता, हवाई अड्डे के लाउंज तक पहुंच, अपग्रेड वाउचर और बोनस महाराजा अंक जैसे लाभ मिलेंगे। गोल्ड सदस्यता प्राप्त करने वाले ग्राहकों को स्टार एलायंस गोल्ड का दर्जा भी मिलेगा।

25 विमानन कंपनियों में मिलेंगी सुविधाएं



इससे उन्हें दुनिया भर में एक हजार से अधिक हवाई अड्डा लाउंज तक पहुंच और स्टार एलायंस की 25 अन्य सदस्य विमान सेवा कंपनियों में भी विशेष सुविधाएं मिल सकेंगी। स्टैंडर्ड चार्टर्ड के पात्र ग्राहकों को समर्पित संबंध प्रबंधन सहायता, बाजार के रुझानों की जानकारी, विशेष निवेश अवसरों के निमंत्रण और सीमा पार वित्तीय जरूरतों के अनुरूप समाधान भी उपलब्ध कराए जाएंगे।

सेंसेक्स 143 प्वाइंट लुढ़का निफ्टी भी 78 अंक नीचे पहुंचा

एजेंसी, मुंबई



भारतीय शेयर बाजार में 21 अक्टूबर को गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स 143 अंक यानी 0.19 प्रतिशत टूटकर 73,710 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 78 अंक यानी 0.34 प्रतिशत गिरकर 22,811 के स्तर पर आ गया। बाजार में ऑटो, मेटल और रियल्टी क्षेत्र के शेयरों में अधिक बिकवाली देखने को मिली। व्यापक बाजार में भी दबाव रहा। मिडकैप 50 में 1.6 प्रतिशत और स्मॉलकैप 50 में 2.32 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

हालांकि, सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र के कुछ शेयरों में तेजी रही। निफ्टी में इंफोसिस का शेयर 3.30 प्रतिशत बढ़कर 1,168 रुपये पर पहुंच गया। एचसीएल टेक में 3.21 प्रतिशत और टेक महिंद्रा में 3.13 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

जियो आईपीओ पर निवेशकों की नजर

इस बीच, जियो के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) पर निवेशकों की नजर है। कंपनी इस आईपीओ के जरिए 30,188 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। इसमें 23 अक्टूबर तक बोली लगाई जा सकेगी और न्यूनतम निवेश 13,428 रुपये निर्धारित किया गया है। बाजार में गिरावट के बीच निवेशक आईपीओ की प्रतिक्रिया और आगामी कारोबारी सत्रों के रुख पर नजर बनाए हुए हैं।

निर्यात अमेरिकी बाजार बना आंध्र प्रदेश के उत्पादों का सबसे बड़ा खरीदार

वैश्विक निर्यात में आंध्र प्रदेश सातवें स्थान पर

एजेंसी, अमरावती

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत वाणिज्यिक खुफिया और सांख्यिकी महानिदेशालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, आंध्र प्रदेश देश के वैश्विक व्यापार परिदृश्य में तेजी से उभरती आर्थिक शक्ति बनकर सामने आया है। वर्ष 2025-26 के दौरान भारत के कुल 39,03,730 करोड़ रुपये के वैश्विक निर्यात में आंध्र प्रदेश ने लगभग 1.77 लाख करोड़ रुपये का योगदान दिया। इसके साथ ही राज्य ने देशभर में सातवां स्थान हासिल किया। गुजरात 9.77 लाख करोड़ रुपये के निर्यात के साथ पहले स्थान पर रहा। आंध्र प्रदेश का यह प्रदर्शन राज्य के मजबूत औद्योगिक आधार और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बढ़ती पहुंच को दर्शाता है।

आंध्र प्रदेश से दुनिया के विभिन्न देशों में लगभग 841 प्रकार के उत्पादों का निर्यात किया जा रहा है। इनमें समुद्री उत्पाद, फार्मास्यूटिकल्स, तंबाकू, कार्बनिक रसायन, पेट्रोलियम उत्पाद, चावल और मसाले प्रमुख हैं। इन उत्पादों की अंतरराष्ट्रीय मांग ने राज्य के व्यापार को नई गति दी है। खास बात यह है कि अमेरिका आंध्र प्रदेश के उत्पादों का सबसे बड़ा खरीदार बनकर उभरा है। वर्ष 2025-26 के दौरान अमेरिका को लगभग 35,970 करोड़ रुपये के उत्पादों का निर्यात किया गया। यह किसी भी अन्य देश को किए गए निर्यात की तुलना में दोगुने से भी अधिक है। इससे अमेरिकी बाजार में राज्य के उत्पादों की मजबूत स्थिति का पता चलता है।

अमेरिका के अलावा चीन, सिंगापुर, बेल्जियम, संयुक्त अरब अमीरात और रूस जैसे देशों में भी आंध्र प्रदेश के उत्पादों की अच्छी मांग बनी हुई है। आंकड़ों के अनुसार, चीन को 14,241 करोड़ रुपये, सिंगापुर को 13,563 करोड़ रुपये, बेल्जियम को 5,812 करोड़ रुपये, संयुक्त अरब अमीरात को 5,190 करोड़ रुपये और रूस को 4,450 करोड़ रुपये के उत्पादों का निर्यात किया गया। इन देशों में बढ़ते कारोबार से राज्य के निर्यात बाजार का विस्तार हुआ है।

आंध्र प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई गति



विशेषज्ञों के अनुसार, निर्यात में यह वृद्धि राज्य के औद्योगिक विकास और स्थानीय उत्पादों की वैश्विक प्रतिस्पर्धा क्षमता को दर्शाती है। निर्यात गतिविधियों के विस्तार से उद्योगों को प्रोत्साहन मिलने, उत्पादन बढ़ने और रोजगार के नए अवसर सृजित होने की संभावनाएं भी मजबूत होती हैं। समुद्री उत्पादों, दवाओं और कृषि आधारित वस्तुओं के निर्यात में आंध्र प्रदेश की भूमिका राज्य की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है।

एशिया और यूरोप में बढ़ी उत्पादों की मांग

अमेरिका के अलावा चीन, सिंगापुर, बेल्जियम, संयुक्त अरब अमीरात और रूस जैसे देशों में भी आंध्र प्रदेश के उत्पादों की अच्छी मांग बनी हुई है। आंकड़ों के अनुसार, चीन को 14,241 करोड़ रुपये, सिंगापुर को 13,563 करोड़ रुपये, बेल्जियम को 5,812 करोड़ रुपये, संयुक्त अरब अमीरात को 5,190 करोड़ रुपये और रूस को 4,450 करोड़ रुपये के उत्पादों का निर्यात किया गया।